AIBE

(All India Bar Examination)

PAPERATHON BOOKLET

Coverage of AIBE III to IX

हिंदी संस्करण

Linking Publication

Jodhpur, Rajasthan

Preface

Hello & नमस्कार,

Since 2011, when I entered in Law field, I have felt that current system of studying law as a Law learner is quite traditional (like 1980's competition times). I strongly believed one thing that if you want to fight in present tough competition war like judiciary exams or any other law exam, you must be equipped with smart techniques to learn with tech support. So, in student life as LL.B. student, I used to start linking with one provision other similar provisions at same time, so that I can recall multiple sections/concepts in one MCQs.

Along with that I do believe in one statement, **"वर्तमान को समझने के लिए, अतीत को देखें और फिर भविष्य के बारे में सोचना शुरू करें"**. This statement is directly linked with every student life. So, I found previous papers helpful to understand previous exam level, source of question asked in those exam etc. But frankly saying, I was not satisfied with traditional way of just solving previous exam papers MCQs, instead I decided that to get better output in preparation, we need to analysis the previous paper subject wise rather year wise.

Finally, my above said thoughts and vision concluded in one word i.e. "Paperathon" which means a unique type of marathon where you will find LINKING ANALYSIS of each question asked in previous exam paper along with subject wise weightage analysis. Further, I have also tried to give video solution of such Paperathon on YouTube. You will be able to find out video solution by scanning the QR code, which will direct you to the official website of we all Law Linkers i.e. www.LinkingLaws.com. I have strong faith that you will find the initiative of 'Paperathon' useful & productive for your exam preparation.

- **Tansukh Paliwal**

Founder of Linking Laws

© All rights including copyright reserved with the publisher.

Disclaimer

No part of the present book may be reproduced re-casted by any person in any manner whatsoever or translated in any other language without written permission of publishers or Author(s). All efforts have been made to avoid any error or mistakes as to contents but this book may be subject to any un-intentional error/omission etc.

अनुक्रमणिका		
क्रमांक	**विषय**	**पृष्ठ संख्या**
1.	**पाठ्यक्रम**	**4**
2.	**विश्लेषण तालिका**	**5**
3.	**विषय**	**AIBE 3rd -9th (Without Linked Provisions)**
	I. सिविल मुख्य विधि	
I.	भारत का संविधान	6-11
II.	सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908	12-17
	II. आपराधिक मुख्य विधि	
III.	भारतीय न्याय संहिता, 2023 (IPC, 1860)	18-22
IV.	भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (CrPC, 1973)	23-29
V.	भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (IEA, 1872)	30-34
	III. पारिवारिक विधि	
VI.	हिन्दू विधि	35-37
VII.	मुस्लिम विधि	
VIII.	पारसी विवाह और विवाह-विच्छेद अधिनियम, 1936	
IX.	भारतीय ईसाई विवाह अधिनियम,1872	
	IV. सामान्य सिविल लघु विधि	
X.	भारतीय संविदा अधिनियम, 1872	38-43
XI.	विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963	44-46
XII.	संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882	47-50
XIII.	परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881	51-52
	V. अन्य सिविल लघु विधि (संहिताबद्ध)	
XIV.	मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996	53-55
XV.	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019	56-57
XVI.	अधिवक्ता अधिनियम, 1961	58-61
XVII.	पर्यावरणीय विधि	62-63
XVIII.	मोटर वाहन अधिनियम, 1988	64-65
	VI. अन्य सिविल लघु विधि (असंहिताबद्ध)	
XIX.	प्रशासनिक विधि	66-67
XX.	अपकृत्य विधि	68-70
	VII. तकनीकी विधि	
XXI.	सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000	71-73
XXII.	कंपनी विधि	74-77
XXIII.	श्रम एवं औद्योगिक विधि	78-81
4.	**QR Code** for **Landmark Judgments** (Year wise & Subject wise)	**82**

Note : उपरोक्त सूचकांक में अखिल भारतीय बार परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार कानूनों के विभिन्न विषय शामिल हैं {**स्रोत***:* *www.https//allindiabarexamination.com*}

अस्वीकरण: दिए गए उत्तर और दिए गए स्पष्टीकरण की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं। हालाँकि, टाइप करने, प्रिंट करने या अन्यथा कोई भी वास्तविक या अनजाने में हुई त्रुटि या गलती पुस्तक के किसी भी पाठक को किसी भी प्रकार के नुकसान या प्रतिकर का हकदार नहीं बनाएगी।

Syllabus for All India Bar Exam

Sr. No.	Topic /Subject	Number of Questions
1.	Constitutional law	10
2.	I. P. C. (Indian Penal Code) & (New) Bharatiya Nyaya Sanhita	8
3.	Cr. P. C. (Criminal Procedure Code) & (New) Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita	10
4.	C. P. C. (Code of Civil Procedure)	10
5.	Evidence Act & (New) Bharatiya Sakshya Adhiniyam	8
6.	Alternative Dispute Redressal including Arbitration Act	4
7.	Family Law	8
8.	Public Interest Litigation	4
9.	Administration Law	3
10.	Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct under Bar Council of India Rules	4
11.	Company Law	2
12.	Environmental Law	2
13.	Cyber Law	2
14.	Labour & Industrial Law	4
15.	Law of Tort, including Motor Vehicle Act and Consumer Protection Law	5
16.	Law related to Taxation	4
17.	Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act	8
18.	Land Acquisition Act	2
19.	Intellectual Property Laws	2
	Total	**100**

नोट: उपरोक्त विवरण AIBE परीक्षा के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर उल्लिखित अखिल भारतीय बार परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार है।

AIBE LINKING WEIGHTAGE ANALYSIS (EXAM WISE)
(AIBE Paper III-IX without Linked Provision & Explanations)

SR. No	Subjects	Total Questions no. (In %)								
		AIBE-3rd (2012)	AIBE-4th (2012)	AIBE-5th (2013)	AIBE-6th (2014)	AIBE-7th (2014)	AIBE-8th (2015)	AIBE-9th (2016)	Total No. of Ques.	Average of Sevan Exams
	I. Civil Major Law									
1.	CoI	9	8	11	10	7	9	7	**61**	**8.71%**
2.	C.P.C	8	11	11	10	6	6	5	**57**	**8.14%**
	II. Criminal Major Law									
3.	BNS (I.P.C.)	7	6	6	6	6	8	6	**45**	**6.42%**
4.	BNSS (Cr.P.C.)	9	8	10	10	12	11	10	**70**	**10%**
5.	BSA (I.E.A.)	7	8	8	8	5	7	9	**52**	**7.42%**
	III. Common Civil Minor Law									
6.	Family Law	1	4	5	4	2	2	2	**20**	**2.85%**
7.	I.C.A.	3	14	16	9	8	8	6	**64**	**9.14%**
8.	S.R.A.	1	3	3	2	5	-	4	**18**	**2.57%**
9.	T.P.A.	11	2	2	4	2	2	5	**28**	**4%**
10.	N.I.A.	1	2	-	3	3	2	2	**13**	**1.85%**
	IV. Other Civil Minor Law (Codified)									
11.	A&C Act	5	5	2	3	2	3	4	**24**	**3.42%**
12.	C.P. Act,1986	-	2	1	1	-	3	2	**9**	**1.28%**
13.	Environment Law	8	4	3	4	4	4	4	**31**	**4.42%**
14.	Adv. Act, 1961	1	1	-	-	3	2	4	**11**	**1.57%**
15.	M.V. Act	1	-	1	1	1	2	1	**7**	**1%**
	V. Other Civil Minor Law (Uncodified)									
16.	Adm. Law	1	2	2	3	1	1	-	**10**	**1.52%**
17.	Law of Tort	7	2	3	4	3	4	3	**26**	**3.71%**
18.	P.I.L.	-	-	-	-	-	-	-		
	VI. Technical Law									
19.	I.T. Act, 2000	-	-	-	-	5	5	6	**16**	**2.28%**
20.	Company Law	4	3	5	4	3	5	5	**29**	**4.14%**
21.	Taxation Law	-	-	-	-	-	-	-	**-**	**-**
22.	I.P. Laws	-	-	-	-	-	-	-	**-**	**-**
23.	L.A. Act, 1894	-	-	-	-	-	-	-	**-**	**-**
24.	Labour Law	2	6	6	6	4	2	6	**32**	**4.57%**

नोट: कोई भी कानून जो पहले पाठ्यक्रम का हिस्सा था लेकिन AIBE के नवीनतम पाठ्यक्रम में शामिल नहीं था, उसे इस पुस्तक में जानबूझकर हटा दिया गया है।

भारत का संविधान

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	No. of Questions	Total No. of Ques.	Weightage
AIBE 3rd (2012)	15,16,17,19,61,78,81,84,86,	9	9%
AIBE 4th (2012)	7,88,90,92,93,94,95,96	8	8%
AIBE 5th (2013)	11,19,20,21,23,24,25,35,90,94,97	11	11%
AIBE 6th (2014)	91,92,93,94,95,96,97,98,99,10	10	10%
AIBE 7th (2014)	14,15,28,57,97,98,99	7	7%
AIBE 8th (2015)	13,14,15,16,17,39,40,95,98	9	9%
AIBE 9th (2016)	3,4,5,18,19,36,42	7	7%

Examination – III [2012]

15. निम्न में से किस मामले पर संसद को कानून बनाने की शक्ति है।

(1) भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में पहली सूची में प्रविष्टियां।
(2) भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में पहली तथा दूसरी सूची में प्रविष्टियां।
(3) भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में दूसरी तथा तीसरी सूची में प्रविष्टियां।
(4) भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में पहली तथा तीसरी सूची में प्रविष्टियां।
(5) भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में पहली, दूसरी तथा तीसरी सूची में प्रविष्टियां ।

Ans. [4]

16. निम्न में से कौन सा मौलिक अधिकार जिसका उपयोग भारत में रह रहा विदेशी नागरिक करता है?

(1) शांतिमयता और शस्त्र रहित एकत्र होने का अधिकार।
(2) व्यवसाय चलाने का अधिकार ।
(3) भारतीय क्षेत्रीय सीमा भर में अन्मुक्तता से विचरण करने का अधिकारी
(4) वैयक्तिक स्वतंत्रता से वंचित किए जाने के विरुद्ध अधिकार।
(5) भारत के किसी भी भाग में रहने का अधिकार ।

Ans. [4]

17. निम्न में से कौन सा लेख (रिट) इस दावे की विधि सम्मतता की चुनौती के लिए उपयोग होता है जो कि लोक पद का व्यक्ति निश्चयपूर्वक करता है और उस व्यक्ति का सार्वजनिक पद से हटाया जाता है, यदि दावा सही नहीं पाया जाता है।

(1) अधिकार पृच्छा (2) बंदी प्रत्यक्षीकरण
(3) परमादेश (4) उत्प्रेषण

Ans. [1]

19. राज्य ने विधान पारित कर दो पहिया वाहनों पर सवार सभी लोगों के लिए राज्य के अन्दर हेलमेट पहनना अनिवार्य किया है। यह नियम केवल चालक तक ही विस्तारित नहीं, वरन् दूसरे उस यात्री के लिए भी है जो दो पहिया वाहन पर सवार होता है। दो पहिया वाहन सवार 'क' ने इस आधार पर विधान को चुनौती दी कि वह 'क' के भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (घ) के अधीन उसके पूरे भारत की क्षेत्रीयता में युक्त विचरण के मौलिक अधिकार का हनन है। क्या चुनौती सफल होगी?

(1) चूंकि दो पहिया वाहन सवारों के लिए किया गया नियम दूसरे राज्यों में विद्यमान नहीं, वह मनमाना तथा अनुचित है। जैसा कि यह अनुच्छेद 19(1) (घ) के अधीन मौलिक अधिकारों का हनन है और उसको हटा देना जरुरी है ।
(2) पहिया सवार लोगों की सुरक्षा को जन साधारण के हित में नहीं कहा जा सकता । जो भी हो, हेलमेट पहनना केवल उनकी सुरक्षा को प्रभावित करता है, जो दो पहिया वाहनों की सवारी करते है, अन्य किसी पर नहीं जिनमें सड़क पर मौजूद दूसरे लोग सम्मिलित है। अतएव हेलमेट पहनना अनिवार्य करने का नियम हटाया जाएगा।
(3) हेलमेट अनिवार्य करने का नियम अनुच्छेद 19 (1) (घ) के अधीन अधिकार पर वाजिब निषेध है, और जो भी हो जन साधारण के हित में है, इसलिए चुनौती सफल नहीं होगी।
(4) हेलमेट पहनना अनिवार्य करने का नियम, यदि हटाया जाता है, किसी भी व्यवसाय-व्यापार संचालन को प्रभावित करेगा या हेलमेट निर्माताओं के कारोबार को और इसलिए, हटाया नहीं जा सकता ।

Ans. [3]

61. भारत के राष्ट्रपति ए के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। ऐसा पाया गया है कि राष्ट्रपति को उन आरोपों से छूट प्राप्त है। निम्नलिखित में से कौन सा कथन नीचे दिए गए सिद्धांत का सबसे सटीक अनुप्रयोग है?

(1) राष्ट्रपति के कार्यालय में 'नि:शक्तता' की उपस्थिति है, और अंतएव क तब तक कार्य नहीं कर सकता जब तक क 'उन्मुक्ति' पर भरोसा करना है।
(2) राष्ट्रपति के कार्यालय में 'नि:शक्तता' का अभाव है, जैसा कि राष्ट्रपति के कार्यालय में उन्मुक्ति' की मौजूदगी है।
(3) भ्रष्टाचार के अपराध के लिए भारत के राष्ट्रपति के विचारणं की न्यायालय में 'नि:शक्तता' का अभाव है ।
(4) भारत के राष्ट्रपति के कार्यालय में अभियोजन से 'नि:शक्तता' की उपस्थिति है, और उसका नतीजा भ्रष्टाचार के अपराध में अभियोजन से 'उन्मुक्ति' का है।
(5) भ्रष्टाचार के अपराध के लिए भारत के राष्ट्रपति के विचारण की न्यायालय में 'नि:शक्तता' की मौजूदगी है ।

Ans. [5]

81. य को एच.आई.वी. पॉजिटिव का होने की वजह से सरकारी विभाग में नौकरी से मना कर दिया गया था, बावजूद इसके कि उसके पास पद के लिए आवश्यक योग्यता है । य ने नौकरी से इनकार को चुनौती देते हुए याचिका दायर की। याचिकाकर्त्ता का तर्क था कि मना करना मनमाना, अनुचित तथा य का भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 21 के अधीन अधिकार का उल्लंघन था। इन तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में निम्न कथनों में से कौन सा कथन नीचे वाले सिद्धांत पर सर्वाधिक सही रूप से लागू होता है।

(1) य की याचिका विफल होगी क्योंकि य की एच.आई.वी. पॉजिटिव स्थिति जन स्वास्थ्य के लिए खतरा हो सकेगी।
(2) य की याचिका सफल होगी क्योंकि य के पास आवश्यक योग्यता है।
(3) य की याचिका विफल होगी क्योंकि य का जीवन यापन का अधिकार संपूर्ण अधिकार नहीं है।
(4) य की याचिका सफल होगी क्योंकि किसी भी व्यक्ति को जीवन यापन के अधिकार से मात्र एच.आई.वी. पॉजिटिव के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता।
(5) य की याचिका विफल होगी क्योंकि य को कार्य से मना विधि से स्थापित प्रक्रिया के अनुरूप मना किया गया था तथा यह जीवन यापन के अधिकार का अपवाद है।

Ans. [4]

84. विधान मंडल सदस्य के अयोग्य के अधिनिर्णय को चुनौती में मुख्य चुनाव आयुक्त पर पूर्वाग्रह का आरोप इस आधार पर लगाया गया कि शिकायतकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त का मित्र था। सर्वोच्च न्यायालय ने अभिधारित किया कि, पूर्वाग्रह पर संदेह था. मुख्य चुनाव आयुक्त को स्वयं को निर्णय करने में भागीदारी करने से अलग रखना चाहिए और अन्य दो चुनाव आयुक्तों को मामला निर्णीत करने देना चाहिए तथापि, दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद है और वे मामला निश्चित करने में समर्थ नहीं है । क्या गतिरोध को सुलझाने में मुख्य चुनाव आयुक्त अधिनिर्णय के लिए भागीदारी कर सकता है?

(1) मुख्य चुनाव आयुक्त अधिनिर्णयन में भाग नहीं ले सकता, जैसाकि सर्वोच्च न्यायालय पहले ही आदेश कर चुका है कि मुख्य चुनाव आयुक्त अधिनिर्णयन से अलग है।
(2) मुख्य चुनाव आयुक्त अधिनिर्णयन में भाग नहीं ले सकता, जैसा कि व्यक्तिगत पूर्वाग्रह से मुख्य चुनाव आयुक्त पहले ही अयोग्य हो चुका है।
(3) मुख्य चुनाव आयुक्त अधिनिर्णयन में भाग नहीं ले सकता, जैसा कि मुख्य चुनाव आयुक्त आगे भी शिकायतकर्ता की तरफ और अधिक पक्षपात करेगा।
(4) मुख्य चुनाव आयुक्त अधिनिर्णयन में भाग ले सकता है, जैसा कि कोई अन्य व्यक्ति गतिरोध दूर करने का अधिनिर्णयन करने में समर्थ नहीं है।

(5) मुख्य चुनाव आयुक्त अधिनिर्णयन में भाग ले सकता है, जैसा कि इस मामले मे वांछित गणपूर्ति नहीं बनाई जा सकती।

Ans. [4]

86. क को विदेशी मुद्रा के रक्षण एवं तस्करी गतिविधियां निवारण अधिनियम, 1974 के अधीन गिरफ्तार तथा निरुद्ध किया गया था। निरुद्ध आदेश से क की अधिवक्ता से मुलाकात एक माह से अधिक समय तक रुकी रही। क ने निरुद्ध आदेश की संवैधानिक विधि मान्यता को चुनौती देने वाली याचिका दायर की जिस आदेश से क को अधिवक्ता से मिलने से निषिद्ध किया गया था। इन तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में नीचे के सिद्धांत पर निम्न कथनों में से कौन सा कथन सर्वाधिक सटीकता से प्रयुक्त होता है।

(1) क सफल रहेगा क्योकि निरुद्ध आदेश भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22 का हनन है जैसा कि वह अभियुक्त को पसंद के अधिवक्ता से परामर्श के अधिकार को रोकता है।
(2) क सफल नहीं रहेगा क्योंकि निषेध इस अनुबद्ध का है कि क अधिवक्ता से माह में एक बार, मिल सकता है, अत: निषेध उचित है।
(3) क सफल होगा क्योंकि क को उस किसी से भी मिलने का अधिकार है जिससे क मिलना चाहे।
(4) क सफल नहीं होगा क्योंकि क निरुद्ध है और उसके कोई मौलिक अधिकार नहीं है।
(5) क सफल नहीं होगा क्योंकि निरुद्ध आदेश अधिकार विधि मान्य उपयोग में है।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

7. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति की अवधि क्या है?

(1) छह वर्ष
(2) पैसठ वर्ष की आयु तक
(3) छह वर्ष अथवा पैसठ वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(4) बासठ वर्ष की आयु।

Ans. [3]

88. वाक्यांश "विधि के समक्ष समानता" जो संविधान के अनुच्छेद 14 में अंतर्निहित है, उसकी व्याख्या के समय सर्वोच्च न्यायालय ने निरंतर उल्लेख किया कि समानता का अर्थ है ?

(1) मानव समुदाय के मध्यम निर्विवाद समानता
(2) सभी लोगों से समान व्यवहार
(3) समकक्षों के मध्य, विधि को समान होना चाहिए और समान होना तथा समानता में प्रशासन होना चाहिए
(4) (2) एवं (3) दोनों

Ans. [3]

90. "न्यायिक समीक्षा" की भारत में धारणा इस पर आधारित है:

(1) विधि से स्थापित प्रक्रिया
(2) विधि की सम्यक प्रक्रिया
(3) विधि का नियम
(4) अंतरराष्ट्रीय संधियां एवं समझौते

Ans. [3]

92. मद "शिक्षा" इससे संबंधित है:

(1) संघ सूची (2) राज्य सूची
(3) समवर्ती सूची (4) अवशिष्ट विषय

Ans. [3]

93. भारत की संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार कौन थे?

(1) ड़ा राजेन्द्र प्रसाद (2) डॉ. बी. आर. अंबेडकर
(3) बी. एन. राव (4) जवाहर लाल नेहरू

Ans. [3]

94. निम्न में से कौनसी निजी स्वतंत्रता की प्राचीर है"

(1) अधिकार पृच्छा (2) परमादेश
(3) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (4) उत्प्रेषण

Ans. [3]

95. निम्न मौलिक अधिकारों में से किसे डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने संविधान का हृदय और आत्मा के रूप में वर्णित किया था। "

(1) समानता का अधिकार
(2) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(3) संवैधानिक उपचार का अधिकार
(4) उपरोक्त समस्त

Ans. [3]

96. भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों की संख्या है:

(1) छह (2) सात
(3) आठ (4) दस

Ans. [1]

Examination – V [2013]

11. सर्वोच्च न्यायालय की मूल अधिकारिता इसके अधीन है"

(1) अनुच्छेद 226 (2) अनुच्छेद 130
(3) अनुच्छेद 131 (4) अनुच्छेद 124

Ans. [3]

19. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने यह माना गया कि .... के मामले में प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं थी और .... के मामले में इससे ख़ारिज कर दिया गया है

(1) बेरुबरी यूनियन: केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(2) ए.के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य मेनका गांधी बनाम भारत सरकार
(3) अजय हसिया बनाम खालिद मुजीब: सोमप्रकाश बनाम भारत सरकार
(4) आई.सी. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य शंकर प्रसाद बनाम भारत संघ

Ans. [1]

20. सर्वोच्च न्यायालय ने सेल्वी एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य में अभिधारित किया कि अनिवार्य ब्रेन मैपिंग तथा पॉलीग्राफ टेस्ट्स और नारको विश्लेषण संविधान के निम्न अनुच्छेद का उल्लंघन किया था।

(1) अनुच्छेद 23 एवं 24 (2) अनुच्छेद 15 एवं 16
(3) अनुच्छेद 29 एवं 30 (4) अनुच्छेद 20 एवं 21

Ans. [4]

21. सर्वोच्च न्यायालय की ओर से घोषित कानून सभी न्यायालयों पर आबद्धकर है यह इसके अधीन उल्लिखित है-

(1) अनुच्छेद 142 (2) अनुच्छेद 143
(3) अनुच्छेद 136 (4) अनुच्छेद 141

Ans. [4]

23. न्यायाधीश रामानंदन समिति का संबंध है -

(1) संघ राज्य संबंध (2) नवोन्नत वर्ग
(3) वित्त आयोग (4) चुनाव

Ans. [2]

24. समान कार्य के लिए समान भुगतान के माध्यम से लागू किया जा सकता है
(1) अनुच्छेद 39 (2) अनुच्छेद 14 एवं 16
(3) अनुच्छेद 311 (4) अनुच्छेद 309
Ans. [2]

25. प्रत्येक राज्य की कार्यकारी शक्ति ऐसे उपयोग की होगी जैसे कि संसद की ओर से बनाए गए कानून तथा किसी विद्यमान कानून की पालना सुनिश्चित हो - इसके अधीन उल्लिखित " -
(1) अनुच्छेद 352 (2) अनुच्छेद 256
(3) अनुच्छेद 254 (4) अनुच्छेद 301
Ans. [2]

35. सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने सर्वसम्मति से न्यायाधिकरणों से संविधान के अनुच्छेद 323- ए के खंड 2(डी) और अनुच्छेद 323-बी के खंड 39(डी) को रद्द कर दिया , जिसमे उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को बाहर रखा गया था |न्यायालय ने माना कि विधायी कारवाई पर न्यायिक समीक्षा की शक्ति अनुच्छेद ३२ के तहत उच्चतम न्यायालय में निहित है यह सविधान की मूल संरचना का एक अभिन्न अंग है मामले का नाम बताए -
(1) एल. चंद्र कुमार बनाम भारत संघ
(2) किहोता होलोहोन बनाम जसिलहू
(3) नागराज बनाम आंध्रप्रदेश राज्य
(4) राजेन्द्र सिंह राणा का बनाम स्वामी प्रसाद मौर्य
Ans. [1]

90. यदि अर्द्ध न्यायिक प्राधिकारी नेचुरल न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, समुचित रिट होगी
(1) परमादेश (2) बंदी प्रत्यक्षीकरण
(3) अधिकार-पृच्छा (4) उत्प्रेषण
Ans. [4]

94. संविधान (97वां के संशोधन) अधिनियम, 2011 माध्यम से अनुच्छेद 19 (1) (ग) में निम्नलिखित शब्द अंतर्विष्ट किया गया
(1) लोकतांत्रिक समितियां (2) पंजीकृत समितियां
(3) सहकारी समितियां (4) सहकारी प्रबंधन
Ans. [3]

97. 'इच्छा मृत्यु किस मामले में अनुज्ञेय किया है' -
(1) अरुणा रामचन्द्रन शान बाग बनाम भारत संघ
(2) ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य
(3) पी. रतिनम बनाम भारत संघ
(4) महाराष्ट्र राज्य बनाम चन्द्रा बेन
Ans. [1]

Examination – VI [2014]

91. नए राज्यों का निर्माण होता है".
(1) अनुच्छेद 3 (2) अनुच्छेद 4
(3) अनुच्छेद 5 (4) अनुच्छेद 370
Ans. [1]

92. सिविल सेवकों के संदर्भ में प्रसाद प्रयत्न का सिद्धांत का उल्लेख है
(1) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 311
(2) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 308
(3) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 301
(4) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 310
Ans. [4]

93. जानने का अधिकार संविधान के इन अनुच्छेदों में से किसमें समिल्लित है
(1) अनुच्छेद 15 (2) अनुच्छेद 19
(3) अनुच्छेद 20 (4) अनुच्छेद 23
Ans. [2]

94. व्यापार, वाणिज्य और समागम की भारतीय क्षेत्र में स्वतंत्रता का उल्लेख है
(1) अनुच्छेद 19 (1) (g) (2) अनुच्छेद 300क
(3) अनुच्छेद 301 (4) अनुच्छेद 299
Ans. [3]

95. किन परिस्थितियों के अंतर्गत निष्क्रिय दया मृत्यु अनुमति योग्य है । यह किस प्रकरण में अभिधारित किया गया -
(1) अरुणा रामचन्द्र शानबाग बनाम भारत संघ
(2) ज्ञानकौर बनाम पंजाब राज्य
(3) महाराष्ट्र राज्य बनाम मारूति श्रीपति दुबाल
(4) आर. रतिनाम बनाम भारत संघ के
Ans. [1]

96. मौलिक अधिकारों एवं राज्य नीति निदेशक तत्वों के मध्य संतुलन संविधान आधार शैल एवं आधारभूत ढांचा है, यह सर्वोच्च न्यायालय की ओर से किस प्रकरण में अभिधारित किया गया -
(1) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(2) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ
(3) इंदिरा नेहरू गांधी बनाम राजनारायण
(4) किहोता होलोहोन बनाम जेसिल्हू
Ans. [2]

97. के. सी. गजपति नारायण देव बनाम उड़ीसा राज्य को अक्सर इस संदर्भ से प्रद्धत किया जाता है"
(1) श्री आच्छादन का सिद्धांत (2) पृथकता का सिद्धांत
(3) आभासी विधान का सिद्धांत (4) क्षेत्रीय अंतर्संबंध का सिद्धांत
Ans. [3]

98. राजाराम बनाम माननीय लोकसभा अध्यक्ष इससे व्यवहृत है
(1) राष्ट्रपति चुनाव (2) विधानमंडल का विशेषाधिकार
(3) क्षमा करने की शक्ति (4) लाभ का पद
Ans. [2]

99. भारतीय संविधान के अनुच्छेद के अंतर्गत भारत होगा"
(1) राज्यों का महासंघ (2) राज्यों का संघ
(3) लोकतांत्रिक गणराज्य (4) अर्द्ध संघीय
Ans. [2]

100. मंत्री का पद समाप्त हो जाता है, यदि वह विधानमंडल का सदस्य छह माह के अंदर नहीं बन जाता- यह उल्लेख है
(1) Art. 164 (4) (2) Art. 164(1)
(3) Art. 164(2) (4) Art. 164 (3)
Ans. [1]

Examination – VII [2014]

14. अनुच्छेद 368 के अधीन चाहे तो क्या मौलिक अधिकार संशोधित किए जा सकते है, का प्रश्न विचारण के लिए पहली बार इसमें आया-
(1) शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ
(2) केशवानंद भारती बनाम भारत संघ
(3) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

15. अवसर की समानता कारणों से भेदभूलकता को ग्राहय करती है, सर्वोच्च न्यायालय की ओर से यह गंतव्य इसमें किया गया-

(1) केरल राज्य बनाम एन. एम. थॉमस
(2) इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ
(3) एयर इंडिया बनाम नर्गिस मिर्जा
(4) उपरोक्त समस्त

Ans. [1]

25. पर्यावरण एवं विकास पर राष्ट्रीय संरक्षण व्यूह रचना एवं नीति विवरण बड़ी पर्यावरणीय नीति भारत की है और उसे इस वर्ष पारित किया गया था।

(1) 1958 (2) 1982
(3) 1992 (4) 1990

Ans. [3]

28. संपति की अवाप्त धारक और निस्तारित करने के अधिकार का इसकी ओर से उन्मूलन किया गया -

(1) 44 वां संशोधन अधिनियम, 1978
(2) 43 वां संशोधन अधिनिमय, 1976
(3) 50 वां संशोधन अधिनियम, 1950
(4) पहला संशोधन अधिनियम, 1951

Ans. [1]

57. समान कार्य के लिए समान भुगतान पुरूषों और महिलाओं दोनों के लिए भारत के संविधान के .. ... में उद्घोषित है।

(1) अनुच्छेद 39 (क) (3) अनुच्छेद 39 (ख)
(2) अनुच्छेद 39 (घ) (4) अनुच्छेद 39 (ग)

Ans. [2]

97. संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना 2001 में जारी की गई थी तथा क्रियान्वयन इसके जरिए किया गया था -

(1) श्रम कार्यालय (2) सरकार
(3) पंचायत राज संस्थान (4) उपरोक्त समस्त

Ans. [3]

98. जो कानून मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है वह शून्य या प्रारंभ से ही शून्य नहीं होता बल्कि केवल अप्रवर्तनीय हो जाता है, इस सिद्धांत को कहा जाता है -

(1) पृथक्करणीयता का सिद्धांत
(2) 3 बिन्दुओं का सिद्धांत
(3) बवंडर सिद्धांत
(4) ग्रहण का सिद्धांत

Ans. [4]

99. निम्नलिखित में से कौन सा राज्य की परिभाषा के अंतर्गत आता है -

(1) भारतीय सांख्यिकी संस्थान
(2) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
(3) सैनिक स्कूल सोसायटी
(4) एनसीईआरटी

Ans. [4]

Examination – VIII [2015]

13. अनुच्छेद 71 के अनुसार राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के चुनाव के संबंध में उत्पन्न होने वाले विवादों की जांच और निर्णय किसके द्वारा स किया जाएगा।

(1) सर्वोच्च न्यायालय
(2) उच्च न्यायालय
(3) उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों
(4) प्रयोजनार्थ स्थापित अधिकरण

Ans. [1]

14. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा , जहा कोई उद्यम जोखिम भरे अथवा अंतर्विहित गतिविधि में नियोजित है और उस जोखिम भरे या अन्तर्विहित गतिविधि के नतीजगन हादसे में किसी को नुक्सान होता लगता है, उदाहरण के लिए, जहरीली गैस के निकलने से उद्यम को नुकसान होता है। दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगो को मुआवजादेने के लिए सख्ती से और पूरी तरह से उत्तरदायी है और ऐसा दायित्व के कपटपूर्ण सिद्धांत पर लागू होता है| ऐसे मामले में , मुआवजे का माप उद्यम का परिमाण और क्षमता से सम्बंधित होना चाहिए क्योंकि इस तरह के मुआवजे का निवारक प्रभाव होना चाहिए, उद्यम द्वारा ल्हातार्नाक या स्वाभाविक रूप से खतरनाक गतिविधि के संचालन में दुर्घटना के कारण होने द्वारा डे मुआवजे लकी राशि उतनी ही अधिक होनी चाहिए | मामला का नाम बताए।

(1) सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य, 1991
(2) रूरल लिटिगेशन एंड एंनटाइटलमेन्ट केन्द्र बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, 1985
(3) एम. सी. मेहता बनाम भारत संघ, 1986
(4) यूनियन कार्बाइड बनाम भारत संघ, 1984.

Ans. [3]

15. सेल्वी की पुत्री ने विजातीय शिव कुमार से विवाह अपने परिवार की इच्छा के खिलाफ किया। शिव कुमार को 2004 में बेरहमी से हत्या कर दी, और सेल्वी तथा दो अन्य संदिग्ध बन गए। चूंकि अभियोजन का मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर निर्भर है अतः तीनों लोंगों की पोलिग्राफी और ब्रेन-मेपिंग परीक्षण की अनुमति चाही गई। न्यायालय ने अनुमति प्रदान की तथा परीक्षण कराए गए। जब पोलिग्राफी परीक्षण का परिणाम में धोखे के संकेत मिला तो तीनों व्यक्तियों का नार को विश्लेषण कराने की अनुमति चाही । मजिस्ट्रेट ने तीनों का नारको एनालिस कराने का निर्देश दिया। उन तीनों ने उस निर्णय को कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी मगर, राहत पाने में विफल रहे। तब उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की न्यायालय ने अभिधारित किया।

(1) अनिवार्यतः ब्रेन मेपिंग तथा पोलिग्राफ परीक्षण और नारको एनालिस संविधान के अनुच्छेदों 20 (3) तथा 21 के उल्लंघन किया।
(2) अनिवार्यतः ब्रेन मेपिंग तथा पोलिग्राफ परीक्षण नारको एनालिस संविधान के अनुच्छेदों 20 (3) तथा 21 के अधीन विधि मान्य थे।
(3) अनिवार्यतः ब्रेन-मेपिंग तथा पोलिग्राफ परीक्षण और नारकों एनालिस संविधान के अनुच्छेद 20 (1) तथा 21 के हनन में थे ।
(4) अनिवार्यतः ब्रेन - मेपिंग तथा पोलिग्राफ परीक्षण और नारको एनालिस संविधान के अनुच्छेदों 14 तथा 21 के उल्लंघन में थे ।

Ans. [1]

16. संविधान में अनुच्छेद 48-क तथा अनुच्छेद 51 - क (छ) को समाविष्ट किया गया-

(1) संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1978
(2) संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976
(3) संविधान (43वां संशोधन) अधिनियम, 1978
(4) संविधान (44वां संशोधन) अधिनियम, 1978

Ans. [2]

17. सर्वोच्च न्यायालय की ओर से यह अभिधारित हुआ था कि अनुज्ञेय सीमा से आगे ध्वनि प्रदूषण को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता भले ही यदि वह ध्वनि धार्मिक गतिविधि के परिणाम से तथा उससे संबंधित था, यह किस केस में -

(1) वेलोर सिटीजन वेलफेयर फोरम बनाम भारत संघ
(2) चर्च ऑफ गौड (फुल गोसपेल) इन इंडिया बनाम के के आर मेजेस्टिक कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन
(3) रूरल एनलाईटनमेंट केन्द्र बनाम भारत संघ
(4) नर्मदा बचाओ आंदोलन बनाम भारत संघ

Ans. [2]

39. समानता कई पहलुओं और आयामों के साथ एक गतिशील अवधारणा है और इसे पारंपरिक और सैद्धांतिक सीमाओं के भीतर "पालना, कैद और सीमित" नहीं किया जा सकता है। सकारात्मक दृष्टिकोण से, समानता मनमानी के विपरीत है। वास्तव में, समानता और मनमानी शत्रु हैं- इस मामले में यह कहा गया था-
(1) जेस्पर एंड स्लोंग बनाम मेघालय राज्य, ए. आई. आर. 2004 एस सी 3533
(2) वजरवेलु मुदलियार बनाम विशेष कार्य कलेक्टर, ए. आई. आर. 1965 एस सी 1017
(3) ई. पी. रोयप्पा बनाम तमिलनाडु राज्य, ए आई. आर. 1974 एस सी 555
(4) पंजाब कम्युनिकेशन लिमिटेड बनाम भारत संघ, 1999 (4) एस सी सी 727

Ans. [3]

40. कर्नाटक राज्य बनाम भारत संघ, ए. आई. आर 1978 एस सी 68 में, भारत सरकार की और जांच आयोग अधिनियम (1952 का 60) की धारा 3 (1) के अधीन आयोग की नियु क्ति जो राज्य के मुख्यमंत्री तथा अन्य मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने के लिए हुई, उसे चुनौती दी गई थी। वह अभिधारित था -
(1) अनुच्छेद 14 के अधीन मनमानी
(2) संघीय सिद्धांत का उल्लंघन
(3) न्यायालय की अधिकारिता बाहर और अतएव संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन
(4) संघीय ढांचा आपदाप्रद नहीं

Ans. [4]

95. भारत के संविधान के अधीन कौन सा अनुच्छेद उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी के बारे में कहता है ।
(1) 43 (3) 43-B
(2) 43-A (4) 42

Ans. [2]

98. समवर्ती सूची की प्रविष्टि संख्या 22 इससे सम्बंधित है-
(1) सामाजिक सुरक्षा एवं बीमा, रोजगार एवं बेरोजगरी
(2) केन्द्रीय कर्मचारियों के विषय के औद्योगिक विवाद
(3) श्रमिक संगठन एवं औद्योगिक तथा श्रमिक विवाद
(4) खानों एवं तेल क्षेत्रों में श्रम नियमन एवं सुरक्षा

Ans. [3]

Examination – IX [2016]

3. निर्देशक तत्व हैं -
(1) मौलिक अधिकारों के रूप में न्यायोचित माने जाते है
(2) न्यायोचित तो हैं लेकिन मौलिक अधिकार नहीं
(3) भारतीय संविधान के सजावटी हिस्से हैं
(4) न्यायोचित नहीं है, फिर भी देश के शासन के मूल अंग हैं।

Ans. [4]

4. लोकसभा भंग करने की शक्ति किसके पास है
(1) राष्ट्रपति
(2) प्रधानमंत्री
(3) लोक सभा अध्यक्ष
(4) मंत्रिपरिषद

Ans. [1]

5. संविधान में संशोधन की प्रक्रिया के लिए, इस तरह के प्रयोजन के संबंध में विधेयक प्रस्तावित किया जा सकता है
(1) राज्यसभा में
(2) लोकसभा में
(3) राज्यसभा या फिर लोकसभा में
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans. [3]

18. अनुच्छेद 12 के अंतर्गत 'राज्य' की अवधारणा में निम्नलिखित में से कौन सा शामिल किया गया है
(1) रेलवे मंडल और विद्युत मंडल प्रश्न (2) न्यायपालिका
(3) विश्वविद्यालय (4) उपरोक्त सभी।

Ans. [2]

19. अनुच्छेद 21 में 'विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया' शब्द का आशय है-
(1) कानून द्वारा उल्लेखित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए
(2) एक सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिनियमित या निर्धारित प्रक्रिया
(3) कानून की उचित प्रक्रिया के समान ही बात हैं
(4) एक कानून, जो कि उचित, न्यायोचित और निष्पक्ष है।

Ans. [2]

36. भारतीय संविधान के 42वें संशोधन के माध्यम से वन और वन्य जीवों और पक्षियों के संरक्षण के विषय को से... में स्थापित किया गया
(1) केंद्रीय सूची से राज्य सूची (2) केंद्रीय सूची से समवर्ती सूची
(3) राज्य सूची से समवर्ती सूची (4) राज्य सूची से संघीय सूची

Ans. [3]

42. सरकारी संविदा के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है जो संविधान के अनुच्छेद 299 के प्रावधानों की पुष्टि नही करता है ?
(1) वे पक्षों के खिलाफ न्यायलय में लागू करने योग्य नहीं हैं।
(2) उन्हें सरकार द्वारा ठीक जा सकता हैं।
(3) (1) और (2) दोनों
(4) ना ही (1) ना ही (2)

Ans. [1]

सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	8,10,11,12,13,14,45,46,	8	8%
AIBE 4th (2012)	41,47,48,49,51,52,53,54,55,56,57	11	11%
AIBE 5th (2013)	5,6,8,13,14,62,77,79,81,82,83	11	11%
AIBE 6th (2014)	43,47,48,49,50,51,52,53,54,55	10	10%
AIBE 7th (2014)	2,30,44,48,49,50	6	6%
AIBE 8th (2015)	19,50,77,78,79,83	6	6%
AIBE 9th (2016)	8,9,20,21,22	5	5%

Examination – III [2012]

8. निम्न में से कौनसा कथन उस लिपिकीय त्रुटि के बारे में सर्वाधिक सही-सही है जो निर्णय के अन्दर असावधानीवश हो गई।

(1) उस त्रुटि को सुधारा नहीं जा सकता सिवाय निर्णय के विरुद्ध अपील के जरिए।
(2) पक्षकारों को निर्णय में त्रुटि को सुधारने के लिए नए सिरे से वाद दाखिल करना चाहिए।
(3) पक्षकार न्यायालय के पंजीयक को आवेदन तथा आग्रह निर्णय में त्रुटि का सुधार करने के लिए कर सकते हैं।
(4) लिपिक जो त्रुटि के लिए उत्तरदायी है उसे निर्णय में त्रुटि ठीक करने के लिए आवेदन पत्र दाखिल करना चाहिए ।
(5) न्यायालय, अपनी स्वयं की पहल पर, निर्णय में त्रुटि का सुधार कर सकता है।

Ans. [5]

10. निम्न परिस्थिति में से किसमें न्यायालय वादकालीन आदेश पारित कर सकता है?

(1) वाद दायर किया जाए उससे पहले, पक्षकारों के अधिकारों की रक्षार्थ।
(2) वाद दायर किए जाने के बाद मगर उसके अंतिम निस्तारण से पहले, विवादित संपत्ति की रक्षार्थ।
(3) वाद दायर किए जाने के बाद मगर उसके अंतिम निस्तारण से पहले, पक्षों के अधिकारों की रक्षार्थ।
(4) वाद के अंतिम निस्तारण के बाद, विवादित संपत्ति की रक्षार्थ।
(5) वाद के अंतिम निस्तारण के बाद, पक्षों के अधिकारों की रक्षार्थ।

Ans. [3]

11. निम्नलिखित में से किस परिस्थिति में विदेशी न्यायालय का निर्णय पक्षों के बीच पूर्व न्याय के रूप में कार्य नहीं करेगा?

(1) विदेशी न्यायालय सक्षम क्षेत्राधिकार में से एक नहीं था।
(2) निर्णय केवल मामले के गुण-दोष के आधार पर दिया गया।
(3) निर्णय कपटपूर्वक से प्राप्त किया गया था।
(4) विदेशी न्यायालय में कार्यवाही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं करती थी।
(5) विदेशी न्यायालय यह मानने में विफल रहा कि भारतीय कानून लागू था।

Ans. [Deleted]

12. क ने ख के विरुद्ध संविदात्मक विवाद के ऊपर वाद दायर किया। न्यायालय ने ख को तलब किया तथा मामला सुनने की तिथि निश्चित की । निर्धारित दिन पर क व्यक्तिशः उपस्थित होने में विफल रहा। क के अधिवक्ता ने न्यायालय को सूचित किया तथा ख को भी कि क सुनवाई में उपस्थित होने में असमर्थ है क्योंकि उसे अपने पुत्र के विद्यालय में अभिभावक शिक्षक बैठक में सम्मिलित होना है । इन तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में और नीचे दिए सिद्धांत से न्यायालय के क्या करने की सर्वाधिक संभावना है।

(1) यदि वादी व्यक्तिशः पेश नहीं हुआ है तो, न्यायालय वाद को खारिज करेगा।
(2) प्रतिवादी के व्यक्तिशः पेश नहीं होने से, न्यायालय एक तरफा कार्यवाही करेगा।
(3) न्यायालय सुनवाई के साथ कार्यवाही करेगा, जैसा कि वादी के अनुपस्थित होने का संतोषप्रद कारण है।
(4) न्यायालय सुनवाई के साथ कार्यवाही करेगा, जैसा कि वादी के अनुपस्थित होने का संतोषप्रद कारण है।
(5) न्यायालय सुनवाई के साथ कार्यवाही करेगा, जैसा कि वादी तथा प्रतिवादी के अधिवक्ता न्यायालय में मौजूद है।

Ans. [5]

13. क ने ख तथा ग के साथ करार किया। क ने ख को नारंगी तथा ग को आम की आपूर्ति करने की सहमति की। पश्चातवर्ती, क वादे के मुताबिक ख तथा ग, दोनों को फलों की आपूर्ति करने में विफल रहा। तथ्यों तथा नीचे दिए सिद्धांत के परिप्रेक्ष्य में निम्न में से कौन सा कथन बिल्कुल सही है।

(1) ख तथा ग को अलग-अलग वाद दायर करने चाहिए जैसा कि क ने ख तथा ग से अलग-अलग करार किया था।
(2) ख तथा ग साथ में क के खिलाफ वाद दायर कर सकेंगे, जैसा कि कं का फलों की आपूर्ति करने में विफल रहना कार्रवाई का समान कारण है ।
(3) ख तथा ग साथ में क के खिलाफ वाद दायर कर सकेंगे, जैसा कि राहत का अधिकार उसी कारण से उठता है कि क उनको फलों की आपूर्ति करने में विफल रहा था।
(4) ख तथा ग साथ में क के खिलाफ़ वाद दायर कर सकेंगे, जैसा कि राहत का अधिकार उसी लेन देन से उठता है जो कि क का ख तथा ग के साथ करार वाला है।
(5) ख तथा ग साथ में वाद दायर कर सकेंगे, जैसाकि विधि के समान सवाल तथा तथ्य पैदा होंगे, यदि वे अलग-अलग वाद दायर करेंगे ।

Ans. [1]

14. ए. बी. सी. प्राइवेट लिमिटेड एक कूरियर कंपनी है जिसका मुख्यालय मुंबई में है। दिल्ली के निवासी, घ ने मुंबई आगमन के दौरान मूल्यवान वस्तुओं की खेप ए.बी.सी. प्राइवेट लिमिटेड के जरिए मुंबई से अपने पैतृक घर कोलकाता भेजी। पारगमन के समय में, सामान भोपाल में क्षतिग्रस्त हो गया; तथ्यों और नीचे दिए सिद्धांत के परिप्रेक्ष्य में, चाहे तो क्या घ को एबीसी प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध वाद दायर करने की अनुज्ञा है।

(1) भोपाल, मुंबई या कोलकाता में।
(2) मुंबई या भोपाल में।
(3) मुंबई, भोपाल या नई दिल्ली में।
(4) नई दिल्ली या भोपाल में ।
(5) मुंबई या कोलकाता में

Ans. [2]

45. निम्न कथनों में से कौन सा कथन अभिवचनों के संबंध में मौलिक नियम का वर्णन नहीं करता है।

(1) अभिवचन में सभी तात्विक तथ्यों का कथन होना चाहिए।
(2) अभिवचन में शब्द-दर- शब्द अनुसरण सभी मामलों में करने की जरुरत नहीं, प्रारुप दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 के परिशिष्ट क में निर्धारित है।
(3) अभिवचन तथ्यों पर प्रयुक्तनीय कानून के सभी सिद्धांतों की सूत्री होना चाहिए।
(4) अभिवचन में तथ्यों का कथन इस तरीके से करने की जरुरत नहीं जिससे तात्विक तथ्य साबित हो जाए।
(5) अभिवचन में तात्विक तथ्यों को सम्मिलित करने की जरुरत होती है जिससे कि कानून अवधारण पक्षकार के पक्ष में केवल तब हो यदि उसे विशेष रुप से नकारां गया है।

Ans. [3]

46. लिखित कथन के बारे में निम्न में से कौन सा कथन सर्वाधिक सही-सही है।

(1) सामान्यतः वाद-पत्रों पर प्रयुक्तनीय नियम, लिखित कथन पर प्रयुक्तनीय नहीं ।
(2) प्रतिवादी को अपराध कारित होने से अधिकतम नब्बे दिन के अंदर न्यायालय में लिखित कथन दाखिल करने की अनुज्ञा है।
(3) वाद को बनाए रखने पर शंका करने वाला विवरण लिखित कथन में पर्याप्त होगा, जैसा कि यह हमेशा जरुरी नहीं है कि विशेष रुप से कहा जाए कि बाद क्यों रखे जाने लायक नहीं है।

(4) प्रतिवादी वाद पत्र में आरोपों को मानने या मना करने को चुन सकेगा मगर लिखित कथन में किसी नए तथ्यों का कथन नहीं करना चाहिए।
(5) प्रतिवादी लिखित कथन में जोड़ सकता है प्रवृत करने या प्रति- दावे के बचाव में, यहां तक कि कार्यवाही की बाद की स्थिति में भी, न्यायालय की अनुमति से, यदि ऐसा करने का समुचित कारण हो ।

Ans. [5]

Examination – IV [2012]

41. धारा 2 (9) के अधीन फैसला अर्थात् "
(1) आज्ञप्ति
(2) अपील का खारिज होना
(3) आदेश या आज्ञप्ति के आधार का कथन
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [3]

47. प्रत्येक वाद पत्र में जो दीवानी प्रक्रिया संहिता की धारा 26 के अधीन है, तथ्यों को इसके जरिए प्रमाणित किया जाना चाहिए:
(1) मौखिक साक्ष्य
(2) शपथ पत्र
(3) दस्तावेज साक्ष्य
(4) मौखिक साक्ष्य की तरह से दस्तावेज

Ans. [2]

48. पूर्व न्याय का सिद्धान्त जो दीवानी प्रक्रियां संहिता की धारा 11 में अंतर्निहित है, इस सूक्ति पर आधारित है
(1) किसी व्यक्ति को कही कारण के लिए दो बार तंग नहीं किया जा सकता
(2) राज्य का हित इस बात में है कि मुकदमे बाजी का अंत हो
(3) (1) और (2) दोनों
(4) या तो (1) या (2)

Ans. [3]

49. सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 2 (5) के अधीन विदेशी न्यायालय से तात्पर्य है :
(1) न्यायालय जो भारत से बाहर स्थित है
(2) भारत सरकार की प्राधिकारिता का भारत से बाहर स्थित न्यायालय;
(3) भारत में स्थित न्यायालय जिस पर विदेशी कानून प्रयुक्त होता है
(4) ये सभी

Ans. [1]

51. विचाराधीन विषय के सिद्धान्त का प्रावधान है
(1) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 10 में
(2) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 11 में
(3) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 13 में
(4) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 14 में

Ans. [1]

52. A suit for damages for breach of contract can be filed at a place: / संविदा भंग के कारण हुई हानियों के लिए वाद इस स्थान पर दाखिल किया जा सकता है।
(1) जहां संविदा की गई थी
(2) जहां संविदा का निस्पादन होना था या जहां उसे भंग किया गया
(3) भारत में कहीं पर भी
(4) (1) और (2) दोनों

Ans. [4]

53. परिसीमा अधिनियम इससे प्रयुक्तनीय है"—
(1) सिविल वाद
(2) दाण्डिक मामलें
(3) दोनों सहीं है
(4) सिविल, उपरोक्त सभी।

Ans. [1]

55. विदेशी निर्णय की विधि मान्यता को सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 13 के अधीन चुनौती दी जा सकती है-
(1) केवल सिविल न्यायालय में
(2) केवल दांडिक न्यायालय
(3) सिविल एवं दांडिक दोनों न्यायालय में
(4) न दीवानी न दांडिक न्यायालय में ।

Ans. [1]

56. सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 15 के अधीन प्रत्येक वाद इसमें चलाया जाएगा";
(1) जिला न्यायालय
(2) निम्नस्तर का न्यायालय
(3) उच्चारस्तर का न्यायालय
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [2]

57. "भ' दिल्ली में रहता है, जिसने "म" की अवमानना का वक्तव्य कोलकाता में प्रकाशित कराया, "म" मुकदमा "भ" पर कर सकता है-
(1) दिल्ली में
(2) कोलकाता में
(3) भारत में कहीं पर भी
(4) या तो दिल्ली में या कोलकाता में ।

Ans. [4]

Examination – V [2013]

5. सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन जो प्रावधान निर्धन व्यक्तियों की ओर से किए वाद से संबंधित है-
(1) आदेश 32
(3) आदेश 35
(2) आदेश 34
(4) आदेश 33

Ans. [4]

6. जहां वाद के पक्षकार से विपक्षी पक्षकार से तथ्यों के संबंध में जानकारी अपेक्षित है, वह प्रतिपक्षी प्रश्नावली दे सकेगा, जिसे कहा जाता-
(1) प्रश्न याचिका
(2) प्रश्न पुस्तिका
(3) प्रश्नावली
(4) प्रकटीकरण

Ans. [3]

8. अनेक विधियों के बारे में कौन निश्चित करता है कि वह डिक्री का निष्पादन करेगा / करेगी।
(1) वादी
(2) न्यायालय
(3) निर्णय देनदार
(4) डिक्री धारक

Ans. [4]

13. न्यायालय की ओर से मुकदमे के लंबित रहने के दौरान संपत्ति के संरक्षण, अनुरक्षण और प्रबंध के लिए नियुक्त व्यक्ति है।

(1) न्याय मित्र
(3) परिरक्षक
(2) रक्षक
(4) प्राप्तिकर्ता

Ans. [4]

14. .... वाद है जिसे एक या अधिक लोगों की ओर से या उनके विरुद्ध उनके स्वयं की तरफ से दाखिल किया गया है और अन्यों के वही हित वाद में होते है।
(1) संयुक्त वाद
(2) प्रतिनिधित्व वाद
(3) संधिकारी वाद
(4) सामूहिक वाद

Ans. [2]

62. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन कौनसी धारा विवाद का निपटारा न्यायालय से बाहर किए जाने से संबधित है?
(1) धारा 98
(3) धारा 89
(2) धारा 99
(4) धारा 88

Ans. [3]

77. वादी और प्रतिवादी के बीच जहां आपसी कर्ज है, एक का कर्ज दूसरे के विरुद्ध निपटाया जा सकेगा। यह वादी की कार्रवाई का वैधानिक बचाव हो सकता है। यह इस तरह कहलाता
(1) प्रति-दावा
(2) सेट ऑफ
(3) प्रति मांग
(4) प्रति डिक्री

Ans. [2]

79. एक ही स्वत्व के अधीन मुकदमा करने वाले दो पक्षों की ओर से दो वादों की विद्यमानता, एक जो पिछली बार दाखिल वह वर्तमान में भी लंबित और दूसरा बाद में दाखिल किया गया, जिसमें मुद्दागत मामला पश्चात्वर्ती दाखिल वाद में से सीधे ही और दूसरे में मुद्दागत सारतः, पश्चातवर्ती वाद में दावे की राहत को पिछले दृष्टांत के न्यायालय की ओर से प्रभावपूर्ण पारित किया जा सकता है। सिविल प्रक्रिया संहिता की कौन सी धारा पश्चातवर्ती दाखिल वाद तथा उसकी कार्यवाही के भाग्य को निश्चित करती है ?
(1) धारा 11
(2) धारा 9
(3) धारा 10
(4) धारा 12

Ans. [3]

81. निर्णय पूर्व कुर्की का आदेश दिया जा सकता है
(1) स्वामित्व का अधिकार
(2) वाद दाखिल करने का अधिकार
(3) संपत्ति हस्तांतरण की शक्ति
(4) डिक्री निष्पादन की क्षमता

Ans. [3]

82. तीन स्तंभ जिसकी बुनियाद पर निषेधाज्ञा का प्रत्येक आदेश टिका होता है।
(1) प्रथम दृष्टया मामला, क्षति सहित चोट और असुविधा का संतुलन
(2) प्रथम दृष्टया मामला, पूरणीय क्षति और सुविधा का संतुलन
(3) प्रथम दृष्टया मामला, अपूरणीय क्षति और सुविधा का संतुलन
(4) प्रथम दृष्टया मामला, अपूर्णिया क्षति और सुविधा का संतुलन

Ans. [3]

83. अधीनस्थ न्यायालयों को गैर-अपीलीय मामलों में उच्च न्यायालय की राय विधि के प्रश्न के अभाव में उपार्जित करने और उसके जरिए कृत त्रुटि को टालने में समर्थ होता है जिसका निदान बाद में नहीं हो सकता था।
(1) समीक्षा
(3) अपील
(2) सन्दर्भ
(4) पुनरीक्षण

Ans. [2]

Examination – VI [2014]

43. किस वर्ष में दीवानी प्रक्रिया संहिता में संशोधन से धारा 89 को संहिता में सम्मिलित किया गया जो मध्यस्थता, सुलह और माध्यस्थम को महत्व देती है
(1) 2002
(2) 2004
(3) 2013
(4) 2012

Ans. [1]

47. वादी के खिलाफ वाद में प्रतिवादी की ओर से किया गया दावा है"
(1) क्रॉस क्लेम
(2) क्रॉस सूट
(3) प्रतिदावा
(4) क्रॉस डिक्री

Ans. [3]

48. अंतराभिवाची वाद सिविल प्रक्रिया संहिता की निम्नलिखित धारा सम्बंधित है?
(1) धारा 87
(2) धारा 88
(3) धारा 89
(4) धारा 90

Ans. [2]

49. सिविल प्रक्रिया संहिता धारा 80 के अंतर्गत सूचना .... की समाप्ति जे बाद वाद संस्थित किया जाना चाहिए-
(1) 1 माह
(2) 2 माह
(3) 60 दिन
(4) 30 दिन

Ans. [2]

50. सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 2 (2) के अधीन वाद पत्र की नामंजूरी है
(1) डिक्री
(2) मानित डिक्री
(3) क्रॉस डिक्री
(4) क्रॉस अपील

Ans. [2]

51. रतीलाल बनाम मुंबई राज्य इस बिन्दु पर लोकप्रिय प्रकरण है"
(1) पूर्व न्याय
(2) विचाराधीन विषय
(3) प्रत्यास्थापन
(4) तत्सदृश्य का सिद्धांत

Ans. [4]

52. धारा 58 (1 - क) के अधीन परिस्थिति बताइए, जिसमें सिविल कैदी कैद में गिरफ्तारी या निरूद्धता अनुरक्षणीय नहीं है
(1) निर्णीत ऋणी, जहां निर्णित राशि रूपए 5,000/- से अधिक नहीं है
(2) निर्णीत ऋणी, जहां निर्निता राशि 2500 /- से अधिक नहीं है
(3) निर्णीत ऋणी, जहां निर्णित राशि रूपए 2000/- से अधिक नहीं है
(4) निर्णीत ऋणी, जहां निर्णित राशि रूपए 1000/- से अधिक नहीं है

Ans. [3]

53. आज्ञा पत्र निर्णित ऋणी की ....
(1) संपत्ति कुर्की का निर्णीत ऋणी का
(2) संपत्ति हस्तांतरित करने से रोकना
(3) कुर्की तथा हस्तांतरण से रोकना
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

54. आदेश 21 का नियम 90 किससे सम्बंधित है-
(1) निष्पादन से की गई पूर्व विक्रय अवैधताएं
(2) पश्चात विक्रय से अनियमितताएं जिससे निर्णीत ऋणी को क्षति पहुंची है
(3) (1) एवं (2) दोनों
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

55. बंटवारे के वाद में वाद लाने का स्थान होगा"
(1) न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में व्यक्ति निवास करता है
(2) न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में परिवार का बड़ा व्यक्ति निवास करता है
(3) न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में परिवार की समूची संपत्ति अवस्थित है
(4) न्यायालय जिसके अधिकारिता क्षेत्र में अचल संपत्ति अवस्थित है

Ans. [4]

Examination – VII [2014]

2. सर्वोच्च न्यायालय के सलेम बार एसोसिएशन बनाम भारत संघ में फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने की अध्यक्षता वाली समिति से प्रकरण प्रबंधन सूत्र तैयार करने का आग्रह किया।
(1) न्यायाधीश भगवती
(2) न्यायाधीश मुरलीधर
(3) न्यायाधीश रवीन्द्रन
(4) न्यायाधीश जगन्नाथ राव

Ans. [4]

30. 'क' रेलवे कंपनी है और माल को प्रेषिती के रूप में रखे हुए है। वह माल पर किसी हित का दावा नहीं करता सिवाय घाट शुल्क, विलंब शुल्क एवं वहन शुल्क के मगर विरोधी दावा 'ख' तथा 'ग' की ओर से एक दूसरे से विपरीत किया गया। 'क' दाखिल कर सकता है -
(1) उसे निश्चित करने के लिए आवेदन पत्र
(2) अंतराभिवाची वाद
(3) मैत्री वाद
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

44. सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 89 सिविल प्रक्रिया संहिता अधिनियम के माध्यम से निर्गमित हुई थी जो प्रावधान है प्रमुख जो सिविल न्यायालयों की अधिकारिता के बारे में विचार विमर्श वैकल्पिक सुलह यंत्रावली की प्रयुक्तता में करता है।"
(1) 1989 (2) 1999
(3) 1988 (4) 2009

Ans. [2]

48. 'क' दिल्ली में रहता है ओर 'ख' आगरा में 'ख' के रुपए 20,000 / - क से बनारस में लिए तथा क को वचन पत्र पारित किया बनारस में भुगतान वाला । ख कर्ज का भुगतान करने में विफल रहा। ख पर मुकदमा कर सकेगा-
(1) बनारस या आगरा
(2) केवल बनारस
(3) केवल आगरा
(4) बनारस, आगरा एवं दिल्ली

Ans. [1]

49. अधित्याग का सामान्य सिद्धांत से प्रावधान है कि प्रथम अवसर के न्यायालय में आपति उठाने और प्रारंभिक अवसर पर करने की नाकामी प्रतिवादी को उस आपति को पश्चातवर्ती चरण पर उठाने से रोकेगी तथा फैसला क्षेत्रीय या धनीय अधिकारिता के अभाव के आधार पर निष्प्रभावी नहीं हो जाएगा, यह प्रावधान दीवानी प्रक्रिया संहिता की इस धारा में प्रतिबिंबित है-
(1) धारा 15 (2) धारा 16
(3) धारा 51 (4) धारा 21

Ans. [4]

50. "न्यायालय का कृत्य किसी भी व्यक्ति के लिए कोई गलती नहीं कर सकता"। इस विचारधारा से कौनसा पक्ष संबंधित है-
(1) सिद्धांत (2) आपति
(3) प्रत्यास्थापन (4) निषेधाज्ञा

Ans. [3]

Examination – VIII [2015]

19. क संपति का काबिज जिसका दावा ख तथा ग की ओर से विपरीतता से किया गया। क का संपति में कोइ biniहित नहीं है और अधिकारपूर्ण स्वामी को संपति देने को तैयार है । क ..... वाद दाखिल कर सकता है।"
(1) मैत्री वाद
(2) कैवेट
(3) अन्तराभिवाची
(4) पुनःस्थापना

Ans. [3]

50. वर्ष में किए गए संशोधन .... धारा की प्रविष्टि के माध्यम से प्रक्रिया .... नागरिक संहिता में विवादों के शीघ्र और सौहार्दपूर्ण समाधान की सुविधा के लिए न्यायालयों को लंबित मामलों को मध्यस्थता, सुलह और मध्यस्थता के लिए संदर्भित करने में सक्षम बनाने के लिए प्रावधान पेश किए गए।
(1) 1989, 98 (2) 1990, 88
(3) 1999, 89 (4) 2001, 88

Ans. [3]

77. जहाँ न्यायालय की क्षेत्रीय अधिकारिता का हस्तांतरण डिक्री पारित होने के बाद किया गया है, वहां निष्पादन आवेदन पत्र दाखिल किया जा सकेगा -
(1) उस न्यायालय में जिसने आज्ञप्ति पारित की है
(2) उस न्यायालय में, जहां क्षेत्रीय अधिकारिता का हस्तांतरण हुआ है
(3) या तो न्यायालय (1) या (2) में
(4) भारत में किसी भी न्यायालय में

Ans. [1]

78. मामले की पहचान करिए जहां सेट ऑफ का अभिवचन किया जा सके।
(1) अपरिनिर्धारिती हानियों के लिए दावा
(2) धन राशि की वसूली या अभिनिश्चय के लिए वाद
(3) धन के लिए वाद-विधिक रूप से अभिनिश्चय वसूलनीय
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

79. जहां प्रकटीकरण या निरीक्षण का मांगा गया अधिकार मुकदमे में किसी मुद्दे के निर्धारण पर निर्भर करता है, अदालत प्रकटीकरण या निरीक्षण के अधिकार पर निर्णय लेने से पहले उस मुद्दे पर विचार कर सकती है।
(1) विशेष मुद्दा
(2) प्रारंभिक मुद्दा
(3) पूर्व न्याय
(4) विचाराधीन विषय

Ans. [2]

83. जब आज्ञप्ति की अंतरण क्रियान्वयन के लिए दूसरे न्यायालय को किया गया है और यदि आज्ञप्ति धारक के पास यह आशंका करने के कारण है कि निर्णीत संपति उसके समक्ष निस्तारित करेगा, जिसे अन्य न्यायालय की ओर से कुर्क किया गया है, तो वह उस न्यायालय को आवेदन कर सकेगा जिसने आज्ञप्ति पारित की है जो तुरंत संपति कुर्क करने का .... जारी कर सकेगा।
(1) कैवेट
(2) प्रतिस्थापन आदेश
(3) कुर्की आदेश
(4) आज्ञा – पत्र

Ans. [4]

Examination – IX [2016]

8. सीपीसी की धारा 10 लागू नहीं होती
(1) जब पूर्व का वाद उसी न्यायलय में लंबित हो
(2) जब पूर्व का वाद किसी विदेशी न्यायलय में लंबित हो
(3) जब पूर्व का वाद भारत की किसी अन्य न्यायलय में लंबित हो
(4) जब पूर्व का वाद भारत के बाहर, केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित न्यायलय में लंबित हो।

Ans. [2]

9. पूर्वन्याय का सिद्धांत है
(1) अनिवार्य
(2) निर्देशिका
(3) विवेकाधीन
(4) उपयुक्त सभी।

Ans. [1]

20. सीपीसी के नियम 13, आदेश 1 के तहत पक्षकारों के असंयोजन या कु - संयोजन पर आक्षेप
(1) प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर ली जा सकती है
(2) जल्द से जल्द संभव अवसर पर ली जाए या यह अमान्य हो जाएगी
(3) पहली बार अपील या पुनरीक्षण में लिया जा सकता है
(4) या तो (1) या (3)

Ans. [2]

21. वाद की जगह को लेकर आपत्ति
(1) केवल जल्द से जल्द संभव अवसर पर न्यायलय से समक्ष पहली उपस्थिति के दौरान ही ली जा सकती है
(2) पहली बार अपीलीय न्यायलय के समक्ष ली जा सकती है
(3) पहली बार संशोधन न्यायलय के समक्ष ली जा सकती है
(4) उपरोक्त सभी।

Ans. [1]

22. वाद मित्र (नेक्स्ट फ्रेंड) की सेवानिवृत्ति, हटाए जाने या मृत्यु के पश्चात, सीपीसी के नियम 10 आदेश 32 के तहत वाद
(1) पर रोक लगाई जाती है
(2) खारिज कर दिया जाता है
(3) अस्वीकार कर दिया जाता है
(4) या (1), (2) और (3)

Ans. [1]

भारतीय न्याय संहिता, 2023
(IPC, 1860)
Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	29,30,31,32,33,34,35	7	7%
AIBE 4th (2012)	60,61,64,66,72,74	6	6%
AIBE 5th (2013)	38,42,44,45,46,47	6	6%
AIBE 6th (2014)	63,64,65,66,67,68	6	6%
AIBE 7th (2014)	7,91,92,94,95,96	6	6%
AIBE 8th (2015)	1,5,9,11,12,31,73,100	8	8%
AIBE 9th (2016)	13,16,24,46,64,66	6	6%

Examination – III [2012]

30. चोट या गंभीर चोट के मामलों में साबित करने के लिए निम्न में से कौन सा अत्यावश्यक तत्व नहीं है।

(1) यह कि अपराधी का पीड़ित को उपहति करने का इरादा था।
(2) वह उपहति पहुचाई थी।
(3) यह कि उपहति स्वैच्छया हुई थी।
(4) यह कि पीड़ित की सन्मति नहीं थी।
(5) यह कि अपराधी का उपहति का इरादा था।

Ans. [1]

31. निम्न में से कौन सा दृष्टांत भारतीय दंड संहिता, 1860 के अधीन अपराध का अभियुक्त अधिकतम संमान्य दोषी होता है?

(1) जहां विधिपूर्वक कृत्य का परिणाम दुर्घटनावश अकल्पित चोट का हो।
(2) जहां चोट न्यायालय के आदेश के अनुसरण में कार्य करने के समय हुई हो।
(3) जहां चोट न्यायाधीश के न्यायिक कार्य करने के समय हुई हो।
(4) जहां चोट बहुत हल्की तथा तुच्छ, अभियुक्त के अनुसार हुई है।
(5) जहां चोट अभियुक्त की ओर से तब की गई जब वह, विकृत मन था।

Ans. [4]

32. Which of the following is not a form of punishment under the Indian Penal Code, 1860? /निम्न में से कौन सा भारतीय दंड संहिता, 1860 के अधीन दंड का प्रारूप नहीं है?

(1) संपत्ति का समपहरण
(2) आजीवन कारावास
(3) सादा कारावास
(4) जुर्माना
(5) समुदाय सेवा ।

Ans. [5]

33. चार आदमी बैंक लूटने को सहमत हुए। उनमें से दो बड़े चाकू लेकर आए और एक बंदूक लेकर आया । चौथे ने धन के लिए बेग लिया । उन्होंने तय किया कि वे किसी को भी उपहति पहुंचाने का प्रयास नहीं करेंगे। वे बैंक में मुखौटा पहने प्रविष्ट हुए, कर्मियों को धमकी दी और नकदी देने की मांग की। बैंक कर्मियों में से एक ने बंदूक को दबोचने की कोशिश की, और उसे लिए आदमी ने गोली चला दी जिससे उस कर्मचारी की मौत हो गई। वे आदमी नकदी लेकर बैंक से चलते बने। क्या कोई या सभी लुटेरे बैंक कर्मी की मृत्यु के संबंध में आरोपी हो सकते हैं?

(1) हां, सभी लुटेरे आरोपित हो सकते हैं क्योंकि एक आदमी का बंदूक से गोली चलाना किसी को भी उपहति पहुंचने के समान इरादे के अनुरुप था, बैंक लूट के समय यदि जरुरी हो ।
(2) नहीं, लुटेरों का समान इरादा किसी को भी उपहति नहीं पहुंचाने के प्रयास का था और यकीनन यह दुर्घटनावश हुआ था।
(3) हां, मगर केवल वे तीन लुटेरे जो हथियार , लिए हुए थे, आरोपित हो सकेंगे जैसा कि – उनका स्पष्ट इरादा जरुरी होने पर हथियारों का उपयोग करने का था ।
(4) हां, सभी लुटेरे आरोपित किए जा सकते हैं क्योंकि एक व्यक्ति का बंदूक चलाने का कृत्य उन सभी के बैंक लूटने के समान इरादे के अनुसरण में था।
(5) हां, मगर केवल वह आदमी जो बंदूक चला सकता था, जैसा कि उसके अकेले का दोष था और अन्यों का समान इरादा था कि वे किसी को भी उपहति नहीं पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

Ans. [4]

34. क ने ख को भंडार से टेलिविजन खरीदने के लिए रुपए के 25,000 /- दिए ख उस धन के साथ भाग गया। निम्न कथनों में से कौनसा कथन नीचे वाले सिद्धांत के प्रयुक्त का बिल्कुल सही है।

(1) ख ने चोरी का अपराध किया तथा आपराधिक न्यासभंग किया।
(2) ख ने केवल चोरी का अपराध किया और आपराधिक न्यासभंग नहीं किया।
(3) खं ने केवल आपराधिक न्यासभंग किया और चोरी नहीं की।
(4) ख ने कोई अपराध नहीं किया ।
(5) ख ने चोरी का अपराध किया, मगर आपराधिक न्यासभंग का भी दोषी होगा यदि वह धन को अपने उपभोग में लेता है।

Ans. [3]

35. क ने ख को उसे धन न देने पर ख के बारे में अपमानजनक लेख प्रकाशित करने की धमकी दी। ख ने अपनी प्रतिष्ठा की रक्षार्थ उसे धन दिया। क की जिम्मेवारी के बारे में निम्न में से कौन सा कथन बिल्कुल ठीक है।

(1) क उददापन का दोषी है जैसा कि क ने ख को उसकी प्रतिष्ठा की हानि का भय दिखाया है और ख को धन देने को फुसलाया है।
(2) क उददापन का दोषी नहीं है जैसा कि धन संपत्ति या मूल्यवान प्रतिभूति नहीं है ।
(3) क उददापन का दोषी नहीं है जैसा कि क ने केवल लेख प्रकाशित करने की धमकी दी है जिससे ख को कोई शारीरिक क्षति नहीं पहुंचती ।
(4) क उददापन का दोषी है जैसा कि क ने ख को शारीरिक चोट का भय दिखाया और ख को धन देने को फुसलाया है।
(5) क उददापन का दोषी नहीं है जैसाकि क ने वास्तव में ख से धन पाने के लिए लेख का प्रकाशन नहीं किया है।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

60. शरीरिक निजी बचाव का अधिकार मृत्यु स्वेच्छया कारित करना तक विस्तारित यदि यदि अपराध, जो अधिकार के प्रयोग का कारण बना है:

(1) यथोचित आशंका होना कि मृत्यु कारित होगी
(2) यथोचित आशंका होना कि सामान्य चोट लगेगी
(3) चोरी के तुरंत बाद चुराई गई संपति के साथ भाग जाने का है
(4) स्वेच्छया आघात करने का अपराध कारित के बाद भाग रहे व्यक्ति को पकड़ने का हैं।

Ans. [1]

61. धारा 498- क के अधीन " क्रूरता " का अर्थ तथा सम्मिलित:

(1) केवल अद्य: की मांग
(2) केवल शारीरिक यातना
(3) शारीरिक एवं मानसिक, दोनों यातना
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

64. वह कौनसा अपराध है जहां अपराध की तैयारी करना अपने आप में दंडनीय है

(1) चोरी
(2) डकैती
(3) हत्या
(4) बलात्कार

Ans. [2]

66. भारतीय दंड संहिता में, इस उम्र के बालक की ओर से किया गया कोई अपराध नहीं है"

(1) आठ वर्ष
(2) दस वर्ष

(3) सात वर्ष
(4) बारह वर्ष

Ans. [3]

72. क ने स्वयं अपनी पत्नी से संभोग किया उसकी सन्मति से जिसकी आयु करीब 14 वर्ष है, क ने कारित-
(1) कोई अपराध नहीं किया;
(2) बलात्कार का अपराध किया;
(3) अपनी पत्नी से सहवास कोई अपराध नहीं;
(4) जैसा कि सन्मति थी, क को बलात्कार के अपराध का दोषी नहीं ठहराया जा सकता;

Ans. [2]

74. रेक्स बनाम गोविन्दा में भारतीय दंड संहिता के दो प्रावधानो के बीच अन्तर के बिन्दु स्पष्ट किए गए थे ;
(1) धारा 34 एवं धारा 149
(2) धारा 302 एवं धारा 304
(3) धारा 299 एवं धारा 300
(4) धारा 403 एवं धारा 405

Ans. [3]

Examination – V [2013]

38. इस अपराध का तात्पर्य पूर्व मस्तिष्क मिलन है।
(1) धारा 120 - A
(2) धारा 133
(3) धारा 221
(4) धारा 340

Ans. [1]

42. धर्म, नस्ल, जन्म स्थल, निवास, भाषा आदि के आधार पर अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और समरसता को बनाए रखने के प्रति पूर्वाग्रह पूर्वक कृत्य करना भारतीय दंड संहिता के किस प्रावधान के अधीन अपराध है?
(1) धारा 120-A
(2) धारा 120-B
(3) धारा 153 - A
(4) धारा 226

Ans. [3]

44. क ने य से संपत्ति यह कहते हुए हासिल की 'तुम्हारा बच्चा मेरे गिरोह के हाथों में है जिसे मार दिया जाएगा यदि तुमने रुपए 10,000/- नहीं भेजे। यह अपराध है"
(1) लूट
(2) उददापन
(3) डकैती
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

45. क ने इमारत के निर्गम मार्ग पर आग्नेयाशस्त्रों से आदमियों को लाकर ख से कहा कि यदि ख ने इमारत छोड़ने की कोशिश की तो वे ख को गोली मार देंगे । ख के खिलाफ क की ओर से कौन सा अपराध कारित है?
(1) सदोष अवरोध
(2) सदोष परिरोध
(3) जगह छोड़ने से मना करना
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

46. बिक्री के इरादे से खाद्य या पेय में मिलावट करना इसके अधीन दंडनीय है 46
(1) धारा 227
(2) धारा 272
(3) धारा 277
(4) धारा 273

Ans. [2]

47. लोक सेवक को उसके कार्य से रोकने के लिए इच्छा से घोर उपहति पहुंचाना है"
(1) संज्ञेय और गैर जमानती अपराध
(2) अंसज्ञेय और जमानती अपराध
(3) संज्ञेय और जमानती अपराध
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

Ans. [1]

Examination – VI [2014]

63. व्यक्ति को मृत्यु अथवा गंभीर चोट के भय में डालना अथवा डालने का प्रयास करना जबरदस्ती करने के क्रम में इसके इसके सम्बन्ध में है
(1) भारतीय दंड संहिता की धारा 385
(2) भारतीय दंड संहिता की धारा 386
(3) भारतीय दंड संहिता की धारा 387
(4) भारतीय दंड संहिता की धारा 388

Ans. [3]

64. च ने ग को अपनी हेरोइन स्थिर करने को आमंत्रित किया। प्रत्येक ने अपनी स्वयं की सूई दाखिल की और अनेक बार एक रात एक दूसरे को इंजेक्शन लगाया। अगली सुबह च इस कारण मर गया"
(1) ग व्यक्ति की हत्या का दोष सिद्ध होना चाहिए
(2) हत्या का दोष सिद्ध नहीं होना चाहिए
(3) ग केवल हेरोइन रखने का दोष सिद्ध हो सकता है
(4) न तो च की हत्या का दोषी है न तो हेराइन रखने का

Ans. [1]

65. शब्दश: आपराधिक मनः स्थिति का अर्थ है
(1) दोषी मस्तिष्क
(2) दोषी अथवा सदोष प्रयोजन
(3) आपराधिक आशय, दोषी ज्ञान और इच्छापूर्वक
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

66. निम्नलिखित प्रकरणों में से कौन सा आपराधिक मन स्थिति अपराधों के लिए अत्यावश्यक तत्व इसके अधीन नहीं है
(1) राजस्व अधिनियम
(2) पब्लिक न्यूसेंस
(3) आपराधिक मामला संक्षिप्त प्रकार
(4) ये सभी

Ans. [4]

67. "केवल कार्य किसी को अपराधी नहीं बनाता यदि उसका मन भी अपराधी न हो", का अर्थ है
(1) संलेख, सामग्री मानवीय आचरण का परिणाम •
(2) आशय तथा कृत्य दोनों अपराध स्थापित करने का होना जरूरी
(3) मृत्यु में डालना
(4) असमादेश तरीका

Ans. [2]

68. छल और उसके द्वारा बेईमानी में सम्मिलित संपति को देना अथवा मूल्यवान प्रतिभूति का परिवर्तन करना अथवा नष्टकरण सम्बन्धित है
(1) धारा 417 IPC
(2) धारा 418 IPC

(3) धारा 419 IPC
(4) धारा 420 IPC

Ans. [4]

Examination – VII [2014]

7. भारतीय दंड संहिता की धारा 82 इसके लिए दृष्टांत है-
(1) तथ्यों की उपधारणा
(2) विधि की उपधारणा
(3) तथ्यों की उपधारणा एवं विधि की उपधारणा
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

91. द ने घ को मार डालने का भय दिखाकर घ से रुपए 50,000/- का धन लिया। द ने कारित किया है-
(1) उद्दापन
(2) छल
(3) रिष्टि
(4) लूट

Ans. [1]

92. जो कोई शारीरिक पीड़ा, बीमारी या दुर्बलता किसी अन्य व्यक्ति की करता है, वह पीडित पर .... का अधिरोपित है।
(1) घोर उपहति
(2) उपहति
(3) हमला
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

94. भारतीय दंड संहिता की धारा .... के अधीन चयन पर छद्म नाम वेश धारण अपराध है।
(1) धारा 124-A
(2) धारा 121-A
(3) धारा 153-B
(4) धारा 171-D

Ans. [4]

95. रमण को राजू के घर की वह चाबी मिली जिसे राजू ने खो दिया था, उसने घर का अतिक्रम किया तथा उस चाबी से दरवाजा खोलने के बाद राजू के घर में प्रवेश किया रमण ने किस अपराध को किया है -
(1) गृह अतिचार
(2) आपराधिक अतिचार
(3) गृह भेदन
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

96. इनमें से कौन 'लोक सेवक' नहीं है ?
(1) समापक
(2) सिविल न्यायाधीश
(3) सहकारी समिति का सचिव
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

Examination – VIII [2015]

1. त और थ ने द के घर में चोरी करना तय किया मगर वास्तव में चोरी नहीं हुई। अब त और द इसके दोषी है'-
(1) षडयंत्र का दुष्प्रेरण
(2) उकसावे से दुष्प्रेरण
(3) कोई अपराध नही
(4) आपराधिक षडयंत्र

Ans. [4]

5. कं ने त को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को वांरट जारी किया मगर अधिकारी ने थ को त मानकर जांच के बाद थ को गिफ्तार किया यहां–
(1) त दांडिक लापरवाही के लिए जिम्मेवार है।
(2) त ने भारतीय दंड संहिता की धारा 76 के प्रभाव से कोई अपराध नहीं किया।
(3) त ने सदोष परिरोध करने का अपराध किया ।
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

Ans. [2]

9. डरहम सिद्धांत - अर्थात् सिद्धांत मतलब कोई जीनोस नही
(1) यदि किसी अभियुक्त आपराधिकता का उत्तरदायी नहीं है यदि उसका गैर कानूनी कार्य उसकी अपरिपक्व उम्र की समझ के कारण अपरिपक्व की पैदाइश है।
(2) यदि कोई अभियुक्त आपराधिकता का रूप से उत्तरदायी नहीं है यदि उसका गैर कानूनी कार्य मानसिक बीमारी मानसिक दोष का उत्पाद है।
(3) यदि कोई अभियुक्त आपराधिकता का रूप से है यदि उसका गैर कानूनी कार्य है, भले ही वह मानसिक बीमारी या मानसिक दोष का परिणाम है।
(4) इनमें से कोई नहीं।

Ans. [2]

11. रामू डायरेथ हार्ट की बीमारी से पीड़ित है । राहुल हड़ बड़ी में उसके कक्ष में आया और रामू को मारने के इरादे से उसके कान में चिल्लाता है '' आपका का घर आग से नष्ट हो गया है सदमे से रामू की मौत हो गई , यहां राहुल इस अपराध के लिए जिम्मेदार है-
(1) हत्या का प्रयास
(2) हत्या
(3) आपराधिक मानव वध
(4) हत्या का दुष्प्रेरण

Ans. [3]

12. 'विधि तुच्छ बातों पर ध्यान नहीं देती' में निहित है
(1) प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वयं के कृत्य के लिए जिम्मेवार है।
(2) तुच्छ कृत्य अपराध नहीं बनते।
(3) आवश्यकता कोई जबड़ा नहीं जानती।
(4) वह कोई अपराध नहीं जो व्यक्तिगत बचाव में किया गया है

Ans. [2]

31. यदि एकांत कारावास लागू करने से सह कैदियों के आने जाने और उनसे बात किए जाने के बीच मित्रता पूरी तरह से खत्म हो जाती है, यह संविधान 21 के अनुच्छेद का आघात हो जाएगा। घूमने, मिलने-जुलने बात करने, साथ निभाने की सह- बंदियों का, उसकी आजादी में काफी हद तक कटौती की गई तो यह अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। 1 यह इस मामले में आयोजित किया गया था -
(1) सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन, ए.आई. आर. 1978 एस सी 1675
(2) किशोरसिंह बनाम राजस्थान राज्य, ए. आई. आर. 1981 एस सी 625
(3) डी.के. बासु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, ए.आई.आर. 1997 एस सी 610
(4) परमानंद कटारा बनाम भारत संघ, ए.आई.आर. 1989, एस सी 2039

Ans. [1]

73. किसी अपराध को अंजाम देने में भाग लेने वाले व्यक्ति दो वर्गो में विभाजित किया गया है। वे हैं –
(1) मालिक और दुष्प्रेरक
(2) मालिक और शिष्य
(3) मालिक और सहायक
(4) कर्जदार और धारक

Ans. [1]

100. उस मामले को चुनिए जो कि एकान्त का मामला के रूप में प्रसिद्ध है-
(1) अहमदाबाद टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज रिसर्च एसोसिएशन बनाम बॉम्बे राज्य
(2) नेशनल यूनियन ऑफ कामर्शियल एंपलाइज बनाम औद्योगिक अधिकरण बॉम्बे
(3) सलेम एडवोकेट्स बार एसोसिएशन बनाम भारत संघ
(4) सेंट्रल मशीन टूल्स इंस्टीट्यूट बनाम उपपंजीयन श्रम संगठन

Ans. [3]

Examination – IX [2016]

13. आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2013 को पारित करने के समिति जो कि गठित की गई थी, उस के प्रमुख कौन थे
(1) न्यायमूर्ति दलवीर भंडारी
(2) न्यायमूर्ति अल्तमस कबीर
(3) न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा
(4) न्यायमूर्ति जे. एस. आनंद

Ans. [3]

16. सजा के एक सिद्धांत के अनुसार बुराई को बदला बुराई से ही मिलना चाहिए । इस सिद्धांत को कहा जाता है ।
(1) सुधारात्मक सिद्धांत
(2) बचाने वाला सिद्धांत
(3) निरोधक सिद्धांत
(4) दंड देने वाला सिद्धांत

Ans. [4]

24. निजी रक्षा करने का अधिकार
(1) सभी परिस्थितियों के तहत उपलब्ध है
(2) उपलब्ध है, जब सरकारी अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त करने का समय है
(3) उपलब्ध है जब वहाँ सरकारी अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त करने का कोई समय नहीं है
(4) उपर्युक्त सभी।

Ans. [3]

46. धारा 34 स्थापित करने के लिए –
(1) साझा आशय सिद्ध किया जाना चाहिए, लेकिन प्रत्यक्ष इरादा साबित किया जाना आवश्यक नहीं है
(2) साझा आशय और प्रकट कृत्य दोनों साबित किया जाने की आवश्यकता है
(3) साझा आशय सिद्ध किए जाने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन प्रकट कृत्य साबित किया जाना आवश्यक है ।
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [2]

64. आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 2013 के प्रकाश में निम्नलिखित में से कौन कथन सही हैं ?
(1) भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 375 में शब्द 'बलात्कार' को यौन उत्पीड़न के स्थान पर प्रतिस्थापित किया गया है
(2) बलात्कार अब एक लिंग तटस्थ अपराध है
(3) संशोधन के तहत आम सहमति से सेक्स के लिए उम्र 16 साल तय की गई है
(4) उपर्युक्त सभी ।

Ans. [Grace]

66. अपहरण में नाबालिग की सहमति
(1) पूर्णतः अर्थहीन है
(2) आंशिक रूप से अर्थहीन है
(3) पूर्णतः अर्थपूर्ण है
(4) आंशिक रूप से अर्थपूर्ण है।

Ans. [1]

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (CrPC, 1973)

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	36,37,38,39,40,41,42,59,85	9	9%
AIBE 4th (2012)	1,2,4,5,6,8,9,12	8	8%
AIBE 5th (2013)	2,3,16,48,49,50,51,52,89,93	10	10%
AIBE 6th (2014)	1,2,3,4,5,6,7,8,9,10	10	10%
AIBE 7th (2014)	8,17,31,32,33,51,52,53,54,55,78,79	12	12%
AIBE 8th (2015)	27,28,30,33,34,55,67,85,86,87,97	11	11%
AIBE 9th (2016)	54,65,72,73,74,75,76,85,86,87	10	10%

Examination – III [2012]

36. निम्न कथनों में से कौनसा दांडिक मामलों में संस्वीकृति संबंधी सर्वाधिक सही है?

(1) स्व – दोषारोपण के विरुद्ध विशेषाधिकार के कारण, पुलिस अधिकारी को या विचारण पर ग्रहणनीय मजिस्ट्रेट को संस्वीकृति नहीं दी जाए ।
(2) पुलिस अधिकारी को संस्वीकृति केवल विचारण पर ग्रहणनीय है, यदि अभियुक्त को पहले से यह चेतावनी दी गई है कि वे किसी कथन को करने को बाध्य नहीं है।
(3) संस्वीकृति ग्रहणनीय प्रावधान कि अभियुक्त के अधिकारों का रक्षण किया जाए. सर्वाधिक महत्वपूर्णता उसमें विधिक सलाह का अधिकार तथा यातना नहीं देने का अधिकार सम्मिलित है।
(4) संस्वीकृति ग्रहणनीय प्रावधान कि अभियुक्त ने उसे स्वेच्छा से दिया है और पुलिस अधिकारी ने अभिलेखन दांडिक प्रक्रिया संहिता, 1973 में दी गई सभी प्रक्रियाओं के अनुसरण में किया है
(5) संस्वीकृति ग्रहणनीय प्रावधान कि अभियुक्त ने उसे स्वेच्छा से दिया है और मजिस्ट्रेट ने उसका अभिलेखन दांडिक प्रक्रिया संहिता, 1973 में दी गई सभी प्रक्रियाओं के अनुसरण में किया है।

Ans. [5]

37. निम्नलिखित में से कौन सा आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के तहत गिरफ्तार व्यक्ति के मूल अधिकारों में से एक नहीं है?

(1) अनावश्यक रोके नहीं रखने संबंधी अधिकार।
(2) पूछताछ कक्ष में हर समय अधिवक्ता का मौजूद रहने का अधिकार।
(3) यातना नहीं देने या अभिरक्षा में हिंसा न करने और पूछताछ के लिए मानवीयता बने रखने संबंधी अधिकार।
(4) गिरफ्तारी के चौबीस घंटे के अन्दर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने का अधिकार।
(5) गिरफ्तारी के आधार से सूचित होने का अधिकार।

Ans. [2]

38. निम्नलिखित में से किस पर विचार करने की कम से कम संभावना है कि अदालत जमानत के लिए आवेदन पर विचार करते समय सामान्य रूप से विचार करेगी?

(1) प्रस्तुत साक्ष्य का स्वरुप।
(2) पुलिस अधिकारी मामले को संभालने में क्या चाहता है।
(3) चाहे तो क्या अभियुक्त न्यायालय में पेश होगा, या अधिकारीता क्षेत्र में अनुमति।
(4) अपराध की प्रकृति एवं गंभीरता।
(5) गवाहों से अभियुक्त के छेड़-छाड़ करने की विवेचना।

Ans. [2]

39. आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सबसे कम सटीक है?

(1) चूंकि यह केन्द्रीय विधान है, केवल संसद इसे संशोधित कर सकती है, राज्य विधान मंडल नहीं।
(2) अपराधों में अन्वेषण के लिए नियमों तथा प्रक्रिया का यह प्रावधान करता है।
(3) यह अपराधों के विचारण के लिए नियमों तथा प्रक्रिया का प्रावधान करता है।
(4) यह सांरत दांडिक कानून के क्रियान्वयन के लिए प्रक्रियात्मक कानून का प्रावधान करता है।
(5) यह अभियुक्त के अधिकारों तथा अपराध से समाज को बचाने के लिए जरुरत का संतुलन करता है।

Ans. [1]

40. ए को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। पुलिस अधिकारी को सूचित किया गया कि ए पिछले दिन की एक घटना के गवाहों में से एक था जहां एक व्यक्ति ने दूसरे पर हमला किया था। पुलिस अधिकारी को यह नहीं पता कि ए भी उस व्यक्ति पर हमले में शामिल था, लेकिन किसी अन्य गवाह के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही वह रुक गया था। क्या A पुलिस अधिकारी के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए बाध्य है?

(1) नहीं, क को किसी भी सवाल का जवाब नहीं देना होता है, जैसा कि वह खुद हमले में दोषारोपित हो सकता है।
(2) हां, उसे अधिकारी के सभी सवालात के जवाब देने होते हैं क्योंकि वह संदिग्ध है, जो आरोपित नहीं है, इसलिए वह उपरोक्त सिद्धांत के बचाव का लाभ नहीं ले सकता ।
(3) नहीं, जो किसी सवाल का जवाब नहीं देना होता है, यदि वह ऐसा नहीं चाहे, जैसा कि कोई और आपराधिक मामलों में सम्मिलित उसे स्व – दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार है।
(4) हां, उसे सभी सवालात के जवाब देने होते हैं, मगर चूंकि वह संदिग्ध बन जाएगा, वह अधिवक्ता की मौजूदगी के लिए हकदार है।
(5) हां, उसे उस बिन्दु तक सवालात के उत्तर : देने है जहां से आगे वह हमले में स्वयं दोषारोपित हो जाए।

Ans. [5]

41. एक पुलिस अधिकारी ए के घर जाता है और उसे बताता है कि वह गिरफ्तारी के अधीन है, और उसे अधिकारी के साथ पुलिस स्टेशन चलना चाहिए। क ने अधिकारी के साथ जाने से इंकार कर दिया। अधिकारी यह कहते हुए चला जाता है कि वह अगले दिन और पुलिस अधिकारियों के साथ वापस आएगा। ए कहता है कि वह अगले दिन पुलिस अधिकारियों के साथ जाएगा। क्या इस स्तर पर A गिरफ़्तार है और क्यों?

(1) हां, क्योंकि पुलिस अधिकारी ने क से स्पष्ट रुप से कहा कि वह गिरफ्तार होता है। और क अधिसूचित था कि उसे अगले दिन पुलिस थाना ले जाया जाएगा।
(2) हां, पुलिस अधिकारी ने क से स्पष्ट रूप से, कहा कि वह गिरफ्तार होना हैं और क ने अधिकारियों के साथ अगले दिन जाने की सन्मति दी, इसलिए वह प्रस्तुत होना स्थापित है।
(3) नहीं, मगर क को अधिकारिता क्षेत्र छोड़ने की अनुज्ञा नहीं क्योंकि उसने अगले दिन गिरफ्तार होने की सहमति जताई है।
(4) नहीं, क्योंकि क ने पुलिस अधिकारी के साथ जाने से मना किया है, पुलिस अधिकारी क को छू नहीं पाया था या अन्यथा से रोक नहीं पाया था इसलिए क अब तक गिरफ्तार नहीं है।
(5) नहीं, मगर अस्थायी गिरफ्तारी पर है, जैसा कि क इस सूचना के अंतर्गत है कि पुलिस क को अगले दिन ले जाएगी।

Ans. [4]

42. क को हत्या का आरोपी बनाया गया! उसके विचारण' में न्यायाधीश ने माना कि क के खिलाफ समुचित साक्ष्य नहीं है, इस साक्ष्य की कमी हैं कि हालांकि 'क स्थल पर था और उन्मोचन कां फैसला दिया। इससे पुलिस हताश हो गई और उसने और तलाशी ली तथा स्थल की जांच की। अंगुलियों के कुछ निशान लेने में समर्थ रही जिसे उसने क से मिलता हुआ बताया। क्या क फिर से हत्या के लिए विचारित हो सकता है?

(1) हां, क फिर से विचारित हो सकता है, 'क्योंकि नए साक्ष्य मिले हैं।
(2) नहीं, के फिर से विचारित नहीं हो सकता, क्योंकि वह क के खिलाफ उसी अपराध के लिए फिर से विचारण करने के श्रेणी का हो जाएगा।
(3) नहीं, क फिर से विचारित नहीं हो सकता, मगर क सदोष मानव वध के लिए विचारित हो सकता है क्योंकि नए साक्ष्य है ।
(4) हां, क फिर से विचारित हो सकता है, मगर केवल तभी यदि पुलिस या अभियोजन प्रथम प्रारंभिक उन्मोचन खत्म हो गया है।

(5) नहीं, कं फिर से विचारित नहीं हो सकता, मगर एक बार जब उन्मोचन खत्म हो गया है, क आपराधिकमानव वध के लिए विचारित हो सकता है।

Ans. [2]

59. निम्न में से किस दार्शनिक ने सुझाव दिया कि समाज को क्या 'न्याय' है? पर ध्यान केन्द्रित करने की बजाय इस पर चिन्तन करना चाहिए कि अन्याय के सभी प्रारुप को कम किया जाए।

(1) रोसी प्राउंड
(2) अमर्त्य सेन
(3) रोनाल्ड – डोर्विन
(4) जॉन रॉल्स
(5) एच. एल. ए. हर्ट ।

Ans. [2]

Examination – IV [2012]

1. जमानती अपराध में, जमानत की मंजूरी अधिकार के मामले की तरह मंजूर की जाती है'-

(1) पुलिस अधिकारी की ओर से
(2) न्यायालय के ओर से
(3) पुलिस अधिकारी तथा न्यायालय, दोनों की ओर से
(4) या तो (1) अथवा (2) ।

Ans. [3]

2. अपराध का कौनसा वर्गीकरण दांडिक प्रक्रिया संहिता के अधीन आता है।

(1) संज्ञेय एवं असंज्ञेय
(2) जमानती एवं गैर जमानती
(3) समन मामले एवं वारंट मामले
(4) उपरोक्त सभी।

Ans. [4]

4. असंज्ञेय अपराध परिभाषित है

(1) धारा 2 (क) के अधीन
(2) धारा 2 (ड़) के अधीन
(3) धारा 2 (च) के अधीन
(4) धारा 2 (झ) के अधीन

Ans. [4]

5. यह अनिवार्य है कि गिरफ्तार व्यक्ति को चौबिस घंटे के अन्दर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाए जो इस के अधीन गिरफ्तार हुआ है"

(1) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 56
(2) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 57
(3) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 58
(4) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 59

Ans. [2]

6. दांडिक प्रक्रिया की धारा 161 के अधीन किए गए सवाल का जवाब देने से इनकार करना इसके अधीन अपराध है"

(1) भारतीय दंड संहिता धारा 176
(2) भारतीय दंड संहिता धारा 179
(3) भारतीय दंड संहिता धारा 187
(4) न तो (1) न (2) न (3)।

Ans. [2]

8. अन्वेषण अधिकारी अन्वेषण के दौरान साक्षी के बयान इसके अधीन दर्ज करता है -

(1) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 160
(2) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 162
(3) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 161
(4) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 164

Ans. [3]

9. दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 2 (घ) के अधीन जैसा प्रावधान है, शिकायत -

(1) केवल लिखित में हो सकती है
(2) मौखिक हो सकती है
(3) या तो लिखित में या मौखिक
(4) हावभाव से हो सकती है।

Ans. [3]

12. अन्वेषण के दौरान गवाह का बयान दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 161 के अधीन जो लिखित में दर्ज किया गया है और बयान देने वाले. व्यक्ति की ओर से जिस पर हस्ताक्षर किया गया है, वह इससे टकराता है

(1) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 161 (2)
(2) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 161 (3)
(3) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 162 (1)
(4) दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 162 (2)

Ans. [3]

Examination – V [2013]

2. दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 223 के अधीन कौन से व्यक्ति संयुक्त से आरोपित तथा साथ में विचारित हो सकते हैं।

(1) एक ही संव्यवहार के अनुक्रम में कारित एक ही अपराध के अभियुक्त व्यक्ति
(2) अपराध के अभियुक्त व्यक्ति तथा उस अपराध को करने को उकसाने या प्रयास करने वाले अभियुक्त व्यक्ति
(3) विभिन्न अपराधों के अभियुक्त व्यक्ति जो एक ही संव्यवहार में कारित हुए ।
(4) उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

3. दांडिक कानून के अधीन पीड़ित को मुआवजा संबंधित है -

(1) धारा 336
(2) धारा 331
(3) धारा 335
(4) धारा 357

Ans. [4]

16. लोक सेवक को उसके लोक कार्य के निर्वाह में बाधा डालना है ।

(1) गैर जमानती अपराध
(2) जमानती अपराध
(3) सिविल गलत
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [2]

48. संहिता के अधीन कौन सा प्रावधान दोहरे जोखिम के विरुद्ध संकेत को नियम की तरह प्रदान करता है।

(1) धारा 300
(3) धारा 309
(2) धारा 305
(4) धारा 311

Ans. [1]

49. दांडिक प्रक्रिया संहिता के अधीन कौन सा प्रावधान कबूलियत तथा कथन दर्ज करने को मजिस्ट्रेट की ओर से अपनाई जाने वाली प्रक्रिया से संबंधित है?

(1) धारा 164 (2) धारा 162
(3) धारा 163 (4) धारा 164-A

Ans. [1]

50. कोई पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट से आदेश के बिना और वारंट के बिना उस किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकेगा जो पुलिस अधिकारी के उसके कर्त्तव्य निर्वाह में बाधा डालता है या जो भाग गया है, या भागने की कोशिश विधि सम्मत हिरासत से की है, किस धारा के अधीन -

(1) धारा 41(a)
(2) धारा 41(c)
(3) धारा 41 (e)
(4) धारा 41(d)

Ans. [3]

51. सौदा अभिवाक् करना केवल उन अपराधों के संबंध में प्रयुक्तनीय है जिनके लिए सजा के रुप में कारावास इतने तक का है-

(1) 7 वर्ष (3) 10 वर्ष
(2) 2 वर्ष (4) 5 वर्ष

Ans. [1]

52. यदि अभियुक्त पर बड़े अपराध का आरोप है मगर वह उसके अंतर्गत दोषी नहीं पाया जाता है, उसे गौण अपराध का दोष सिद्ध किया जा सकता है. यदि स्थापित तथ्य संकेत उस गौण अपराध कारित का करते है। इसकी अभिपुष्टि इस मामले में की गई –

(1) संगरा बोनिया श्रीनु बनाम आंध्रप्रदेश राज्य
(2) हिमाचल प्रदेश राज्य बनाम तारा दत्त
(3) शमशेरसिंह बनाम पंजाब राज्य
(4) नलिनी बनाम तमिलनाडु राज्य

Ans. [2]

89. अग्रिम जमानत मंजूरी का आदेश सक्रिय होता है

(1) गिरफ्तारी पर
(2) गिरफ्तारी से पूर्व
(3) न्यायालय की ओर से आदेश को पारित करने पर
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

93. संहिता की धारा 195 के प्रावधान अनिवार्य है और उनकी गैर-अनुपालना से अभियोजन तथा सभी अन्य परिणामी आदेश निष्प्रभावी होंगे।" किस मामले में न्यायालय ने ऐसा अभिपुष्ट किया-

(1) सी. मुनियप्पन बनाम तमिलनाडू राज्य
(2) किशुन सिंह बनाम बिहार राज्य
(3) कर्नाटक राज्य बनाम पेस्टर पी. राजू
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

Ans. [1]

Examination – VI [2014]

1. दांडिक प्रक्रिया संहिता सुनिश्चित करती है कि

(1) राज्य के प्रत्येक अंग की शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं किया गया है
(2) राज्य के प्रत्येक अंग की शक्तियों के संयोजन के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं होता है ।
(3) (1) एवं (2)
(4) राज्य के प्रत्येक अंग की शक्तियों का पृथकीकरण भंग हो ।

Ans. [1]

2. दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 6 परिभाषित करती है?

(1) दांडिक न्यायालयों की श्रेणियां।
(2) जिला न्यायालयों की श्रेणियां।
(3) नगरपालिका न्यायालयों की श्रेणियां ।
(4) दीवानी न्यायालयों की श्रेणियां।

Ans. [1]

3. कब अपराध जमानत योग्य है:

(1) किसी व्यक्ति को गिरफ्तारी पर जमानत पर रिहा होने का अधिकार नहीं हो ।
(2) व्यक्ति को गिरफ्तारी पर जमानत पर रिहाई का अधिकार हो।
(3) रिहाई का अधिकार न्यायिक स्व विवेक के उपयोग पर निर्भर है।
(4) व्यक्ति 24 घंटे के अन्दर रिहा होगा।

Ans. [2]

4. दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 273 के अनुसार, साक्ष्य कैसे लिया जाए?

(1) अभियुक्त की उपस्थिति में
(2) जब अभियुक्त की व्यक्तिगत उपस्थिति की छूट दी गई है, उसके अभिवचनकर्ता की उपस्थिति में ।
(3) पुलिस की उपस्थिति में ।
(4) (1) एवं (2) दोनों ।

Ans. [4]

5. यदि मृत्यु दंडादेश वाली महिला गर्भवती पाई जाती है , उच्च न्यायालय दंड के निष्पादन का आदेश करेगा'

(1) स्थगित की जाए ।
(2) यदि ठीक माने तो सजा आजीवन कारावास में की जाए।
(3) चिकित्सा सहायता के लिए भेजा जाए।
(4) शक्तियों का अन्यायिक आदेश ।

Ans. [2]

6. दंड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अधीन, जब अन्वेषण चौबीस घंटे के अन्दर पूरा नहीं हो सकता, प्रक्रिया का वर्णन है?"

(1) धारा 165
(2) धारा 167
(3) धारा 166
(4) धारा 164

Ans. [2]

7. दंड प्रक्रिया संहिता 1973 से क्या प्रावधानित है?

(1) संहिता दांडिक न्याय प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए प्रक्रिया का प्रावधान करती है।
(2) यह अपराधों के विचारण में अन्वेषण के लिए क्रियाविधि का प्रावधान करती हैं।
(3) संहिता दीवानी न्याय प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए प्रक्रिया का प्रावधान करती है।
(4) (1) एवं (2) दोनों।

Ans. [4]

8. धारा 2 (ग) के अनुसार संज्ञेय अपराध है?"

(1) जहां पुलिस अधिकारी वारंट के बिना गिरफ्तार करें
(2) जहां पुलिस अधिकारी वारंट के बिना गिरफ्तार नहीं कर सकती.
(3) जहां पुलिस अधिकारी न्यायालय की अनुमति से गिरफ्तार करें
(4) सार्वजनिक रूप से कोई व्यक्ति गिरफ्तार हो सकता है

Ans. [1]

9. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 100 संदर्भ करती है?

(1) जब्ती
(2) तलाशी

(3) समन
(4) तलाशी - वारंट

Ans. [2]

10. क्या कोई अधिकतम अवधि है जिसके लिए विचाराधीन दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436- क के अधीन निरुद्ध किया जा सकता है?
(1) हां, उस अपराध के लिए विनिर्दिष्ट कारावास की अधिकतम अवधि का आधा
(2) कोई अवधि विहित नहीं है
(3) न्यायालय निश्चित कर सकता है
(4) अधिकतम 90 दिवस

Ans. [1]

Examination – VII [2014]

8. भरण-पोषण के आदेश के निष्पादन के लिए अवधि की सीमा उसके बकाया होने की तिथि से है।
(1) 1 वर्ष
(3) 9 वर्ष
(3) 5 वर्ष
(4) 15 वर्ष

Ans. [1]

17. यदि सत्र न्यायालय से नीचे का न्यायालय हत्या प्रकरण का विचारण करता है, वह न्यायालय कहा जाता -
(1) कोराम सब ज्यूडिस
(2) कोराम नॉन ज्यूडिस
(3) कोराम नॉन सब ज्यूडिस
(4) कोराम ज्यूडिस

Ans. [2]

31. दांडिक प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के अनुसार, धारा 93 (1) (ग) में प्रयुक्त शब्द 'निरीक्षण' संदर्भ है -
(1) वस्तुओं या दस्तावेज से
(2) केवल दस्तावेजों से
(3) स्थान और स्थानीयता से
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [3]

32. दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 161 के अधीन अन्वेषण के दौरान दर्ज किए गए विवरण का उपयोग विचारण के दौरान इसके लिए किया जा सकता हैं –
(1) साक्षी की संपुष्टि
(2) साक्षी का प्रतिवाद
(3) 1 और 2 दोनों
(4) न तो 1 न 2

Ans. [2]

33. "यदि अभियुक्त पर बड़े अपराध का आरोप है मगर उसके अंतर्गत दोषी नहीं पाया जाता है. उसे गौण अपराध का दोष सिद्ध किया जा सकता है, यदि स्थापित तथ्यों से संकेत होता है कि वह गौण अपराध हुआ।" इसे इस प्रकरण में अभिपुष्ट किया गया –
(1) संगर बोनिया श्रीनु बनाम आंध्रप्रदेश राज्य
(2) हिमाचल प्रदेश राज्य बनाम तारादत्ता
(3) शमशेरसिंह बनाम पंजाब राज्य
(4) नालिनी बनाम तमिलनाडु राज्य

Ans. [2]

51. कार्यकारी मजिस्ट्रेट आदतन अपराधी से अच्छा व्यवहार बनाए रखने की प्रत्याभूति उस अवधि के लिए वांछित कर सकता है जो इससे अधिक न हो-
(1) छह माह
(2) एक वर्ष
(3) दो वर्ष
(4) तीन वर्ष

Ans. [4]

52, दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 167 प्रावधान करती है कि हिरासत का स्वरूप न्यायिक हिरासत से पुलिस हिरासत में और विपर्ययेन बदला जा सकता है। यह बदलाव प्रथमतः अवधि के दौरान किया जा सकता है-
(1) पन्द्रह दिन
(2) सोलह दिन
(3) चौदह दिन
(4) बारह दिन

Ans. [1]

53. दांडिक प्रक्रिया संहिता की किस धारा के प्रावधान के अधीन पुलिस अधिकारी के लिए गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार तथा जमानत के अधिकार की जानकारी देना अनिवार्य है यदि अपराध गैर जमानती है।
(1) धारा 150
(2) धारा 105
(3) धारा 50
(4) धारा 510

Ans. [3]

54. दांडिक प्रक्रिया संहिता में धारा 41- ख निम्न में से किस निर्णय के आधार पर समाविष्ट की गई-
(1) नंदिनी सत्पति बनाम पी. एल. धानी
(2) सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन
(3) प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली प्रशासन
(4) डी. के. बासु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य

Ans. [4]

55. सिविल शल्य चिकित्सक विक्षिप्त मन के व्यक्ति को नैदानिक मनो वैज्ञानिक / मनोचिकित्सक को संदर्भ कर सकता है। तथापि धारा के प्रभाव से व्यथित अभियुक्त उस चिकित्सा मंडल के समक्ष अपील पेश कर सकेगा जो आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा मनोचिकित्सक की अध्यक्षता का है।
(1) धारा 328
(2) धारा 328 (1क)
(3) धारा 328 (2)
(4) धारा 346

Ans. [3]

78. दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 173 के अधीन दाखिल आरोप पत्र उदाहरण है-
(1) लोक दस्तावेज का
(2) निजी दस्तावेज का
(3) पेटेंट दस्तोवज का
(4) अव्यक्त दस्तावेज का

Ans. [1]

79. आपराधिक मामलों के अन्वेषण की प्रक्रिया दांडिक प्रक्रिया संहिता के , अध्याय में अंतर्विष्ट है-

(1) अध्याय 11
(2) अध्याय 12
(4) अध्याय 9
(3) अध्याय 10

Ans. [2]

Examination – VIII [2015]

27. सौदा अभिवाक् से सम्बंधित अध्याय किसके द्वारा जोड़ा गया है -
(1) दांडिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 1993
(2) दांडिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2005
(3) दांडिक प्रक्रिया संहिता (संशोधन) अधिनियम, 2001
(4) दांडिक संहिता (संशोधन) अधिनियम, 1993.

Ans. [2]

28. धारा 41 ख निम्न में से किस फैसले के आधार पर दाडिंक प्रक्रिया संहिता के अन्दर निर्गमित है।
(1) नंदिनी सत्पति बनाम पी. एल. दानी
(2) सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन
(3) प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली प्रशासन
(4) डी. के. बासु बनाम पश्चिम बंगाल सरकार

Ans. [4]

30. भरण पोषण के आदेश के निष्पादन की सीमा अवधि..... उस तारीख से है जिससे वह बकाया होता है।
(1) 1 वर्ष
(2) 5 वर्ष
(3) 6 वर्ष
(4) 15 वर्ष

Ans. [1]

33. दांडिक प्रक्रिया संहिता के अनुसार, तलाशी का अन्वेषण बिना वांरट के किया जा सकता है।
(1) न्यायिक अधिकारी
(2) कोई व्यक्ति
(3) अन्वेषण अधिकारी
(4) कोई पुलिस अधिकारी

Ans. [3]

34. केवल मानहानि के अपराध के लिए अभियोजन शुरू किया जा सकता है।
(1) व्यथित पक्ष की शिकायत पर
(2) प्राथमिकी के आधार पर
(3) पुलिस प्रतिवेदन के आधार पर
(4) यदि वह मामला परिवार के घरेलू मामलों से संबंधित है

Ans. [1]

55. दांडिक प्रक्रिया संहिता का कौन सा प्रावधान पूर्वदोषमुक्ति / पूर्व दोष सिद्धि के सिद्धांत को प्रतिबिंबित करता है
(1) धारा 300
(2) धारा 305
(3) धारा 306
(4) धारा 311

Ans. [1]

67. दांडिक प्रक्रियां संहिता की धारा 206 के अधीन विशेष सम्मन किस क द्वारा जारी किया जा सकता है
(1) केवल मजिस्ट्रेट
(2) सत्र न्यायालय की तरह मजिस्ट्रेट भी
(3) सत्र न्यायालय
(4) उच्च न्यायालय

Ans. [1]

85. वारंट निष्पादन करने वाला पुलिस अधिकारी तब पर्याप्त बल का उपयोग उस स्थान पर पहुंच कर सकेगा जहां तलाशी की जानी है, जब-
(1) अबाध प्रवेश संभव नहीं हो
(2) स्थान का मालिक दुर्दात अपराधी है और उसके भाग जाने की संभावना हो
(3) इलाका इस तरह का है कि वहां समस्या किसी भी समय उत्पन्न हो सकती हो
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [1]

86. एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट को आदतन अपराधियों से अधिक से अधिक अवधि तक अच्छा व्यवहार बनाए रखने के लिए सुरक्षा की आवश्यकता हो सकती है-
(1) 6 महीने (2) 3 महीने
(3) 1 वर्ष (4) 3 वर्ष

Ans. [4]

87. दांडिक प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के अनुसार शिकायत के पुलिस रिपोर्ट में विलय की स्थिति में विचारण के लिए प्रक्रिया का अनुसरण किस का होगा-
(1) शिकायत का मामला
(2) पुलिस रिपोर्ट पर दाखिल मामला
(3) विचारण के दौरान सुविधा के अनुसार दोनों
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [2]

97. विचारण शुरू होने से पहलें अभियुक्त व्यक्ति की ओर से किया गया कथन, जिसके द्वारा वह अपराध करना स्वीकार करता है, लेकिन जिसे वह विचारण पर उससे इनकार करता है, उसे ऐसा कहा जाता है-
(1) वादेत्तर स्वीकारोक्ति
(2) न्यायिक स्वीकारोक्ति
(3) मुकरी हुई संस्वीकृति
(4) स्वैच्छिक स्वीकारोक्ति

Ans. [3]

Examination – IX [2016]

54. सम्मन पूर्व साक्ष्य की रिकॉर्डिंग को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 200 के तहत के साथ अस्वीकृत किया जा सकता है, यदि
(1) शिकायत, शिकायतकर्ता के शपथ पत्र द्वारा समर्थित है
(2) यदि शिकायत, एक लोक सेवक द्वारा लिखित रूप में अपने सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन में की जाती है
(3) (1) और (2) दोनों सही हैं
(4) केवल (1) सही है, लेकिन (2) गलत है।

Ans. [2]

65. पीछा करना, दूसरे या उसके बाद के अपराध पर है
(1) गैर संज्ञेय और जमानती
(2) संज्ञेय और जमानती
(3) संज्ञेय और गैर जमानती
(4) गैर संज्ञेय और गैर जमानती

Ans. [3]

72. एक जमानती अपराध में अधिकार के रूप में जमानत प्रदान की जाती है

(1) पुलिस अधिकारी द्वारा
(2) न्यायलय द्वारा
(3) पुलिस अधिकारी औरन्यायलय , दोनों द्वारा
(4) या तो 1 और या फिर 2

Ans. [3]

73. एक वांछित व्यक्ति, जिसकी घोषित संपत्ति की कुर्की कर दी गई है, संपत्ति या फिर बिक्री से प्राप्त आय का दावा कर सकता है, यदि वह उपस्थित होता है

(1) कुर्की होने के 6 महीने के भीतर
(2) कुर्की होने के 2 वर्ष के भीतर
(3) कुर्की होने के 3 वर्ष के भीतर
(4) कुर्की होने के 1 वर्ष के भीतर

Ans. [2]

74. सवाल कि क्या कथन अन्वेषण के दौरान दर्ज किया गया है एक

(1) कानून का सवाल है
(2) तथ्यों का सवाल है
(3) कानून और तथ्यों का मिश्रित सवाल है
(4) कानून का या तथ्यों का, यह निर्भर करेगा तथ्यों और परिस्थितियों पर ।

Ans. [2]

75. जहां पुलिस दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173 (2) के तहत कार्रवाई समाप्त करने को लेकर, दंडाधिकारी के समक्ष अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करें तो दंडाधिकारी

(1) उसे स्वीकार कर सकता है
(2) उसे अस्वीकार कर सकता है
(3) उसे अस्वीकार कर आगे की अन्वेषण के आदेश दे सकता है
(4) ऊपर का कोई भी

Ans. [4]

76. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत आदेश हैं

(1) प्रकृति में सारांश में है, लेकिन अंततः संबद्ध समूहों के अधिकारों और दायित्वों का निर्धारण करता है
(2) प्रकृति में सारांश में है, लेकिन अंत में संबद्ध समूहों के अधिकारों और दायित्वों का निर्धारण नहीं करता, जिसे कि बाद में व्यवहार न्यायालय निर्धारित करता है
(3) प्रकृति में ठोस है, लेकिन अंततः संबद्ध समूहों के अधिकारों और दायित्वों का निर्धारण करता है
(4) प्रकृति में ठोस है और एक व्यवहार न्यायालय द्वारा पार्टियों के अधिकार के निर्धारण के अधीन नहीं हैं

Ans. [2]

85. भारतीय दंड संहिता के तहत एक संज्ञेय मामले में पुलिस को

(1) वारंट के बिना एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार है
(2) बिना न्यायाधिकारी की अनुमति के, अपराध की अन्वेषण करने का अधिकार है
(3) दोनों (1) और (2)
(4) या तो (1) या (2)

Ans. [3]

86. अन्वेषण के दौरान, वारंट के बिना खोज का कार्य आयोजित किया जा सकता है

(1) किसी भी पुलिस अधिकारी द्वारा
(2) अन्वेषण अधिकारी द्वारा
(3) दोनों (1) और (2)
(4) या तो (1) या फिर (2)

Ans. [3]

87. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 209 के तहत प्रतिबद्ध कार्यवाही की प्रकृति है

(1) अन्वेषण में सहयोगी
(2) जांच
(3) विचारण
(4) या तो जांच या विचारण

Ans. [2]

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023
(IEA, 1872)
Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	No. of Questions	Total No. of Ques.	Weightage
AIBE 3rd (2012)	50,51,52,53,54,55, 56	7	7%
AIBE 4th (2012)	10,11,13,14,15,16,17,18	8	8%
AIBE 5th (2013)	1,36,37,39,40,41,91,92	8	8%
AIBE 6th (2014)	11,12,13,14,15,16,17,18	8	8%
AIBE 7th (2014)	4,5,16,74,77	5	5%
AIBE 8th (2015)	35,41,51,53,56,91,93	7	7%
AIBE 9th (2016)	51,52,53,70,71,81,82,83,84	9	9%

Examination – III [2012]

50. निम्न में से कौन सा कम संभावित साक्ष्य के रूप में भारत में न्यायालय में ग्रहण किया जाता है।

(1) विशेषज्ञ साक्ष्य (2) तीसरा पक्ष साक्ष्य
(3) दस्तावेजी साक्ष्य (4) माध्यमिक साक्ष्य

Ans. [2]

51. भारत में न्यायेत्तर संस्वीकृति के बारे में निम्न कथनों में से कौन सा कथन सर्वाधिकं सही है।

(1) न्यायेत्तर संस्वीकृति विधि सम्मत है।
(2) न्यायेत्तर संस्वीकृति अग्राहय है।
(3) न्यायेत्तर संस्वीकृति केवल अभियुक्त की अनुमति से ग्राहय है
(4) न्यायेत्तर संस्वीकृति ग्राहय है, मगर वह साक्ष्य का कमजोर प्रारुप है।

Ans. [4]

52. निम्न कथनों में से कौनसा कथन सूचक प्रश्न के बारे में सर्वाधिकं सही है?

(1) सूचक प्रश्न उत्तर : इंगित करने का कोई प्रश्न कि न्यायालय को प्राप्त करने की अपेक्षा है।
(2) सूचक प्रश्न मुख्य परीक्षा के दौरान अनुज्ञात है।
(3) सूचक प्रश्न पुनः परीक्षा के दौरान अनुज्ञात है ।
(4) सूचक प्रश्न प्रतिपरीक्षा के दौरान अनुज्ञात है।

Ans. [4]

53. अवैध रुप से शामिल साक्ष्य के बारे में निम्न में से कौन सा कथन सर्वाधिक सही है?

(1) अभियुक्त की दोषसिद्धि पर अवैध रुप से हासिल साक्ष्य पर भरोसा नहीं किया जा सकता मगर केवल सिविल मामलों में समर्थन प्रतिरोधों पर भरोसा किया जा सकता है।
(2) अवैध रुप से अर्जित साक्ष्य पर न्यायालय की ओर से भरोसा नहीं किया जा सकता।
(3) अवैध रुप से अर्जित साक्ष्य का उपयोग अपराध के आरोप के पक्ष के विरुद्ध किया जा सकता है।
(4) अवैध रूप से आर्जतं साक्ष्य पर तभी भरोसा किया जा सकता है, यदि वह दूसरे साक्ष्य से संतुष्ट होता है।

Ans. [3]

54. अपने पति की हत्या के लिए विचारित। अपने विचारण में, उसने दावा किया कि उसने हत्या गहरे और अनायास उत्तेजना के अधीन की। निम्न कथनों में से कौन सा कथन निम्न सिद्धान्त की प्रयुक्तनीयता का सर्वाधिक सही सही है ?

(1) के हत्या का दोषी है जैसा कि यह स्वीकार्य स्वीकारोक्तिकी श्रेणी का है।
(2) गहरी तथा अनायास उत्तेजना को प्रमाणित करने का भार क पर है।
(3) गहरी तथा अनायास उत्तेजना को गलत साबित करने का भार अभियोजन पर है।
(4) गहरी तथा अनायास उत्तेजना को साबित करने का भार अभियोजन पर है।

Ans. [2]

55. क पर कूटकरण करने का आरोप लगाया गया है। ग गवाह ने न्यायालय में कहा कि क ने कुटकरण की। ग ने पहले न्यायालय में कहा था कि क ने कूटकरण नहीं की थी। निम्न में से कौन सा कथन सर्वाधिक सही-सही निम्न सिद्धांत का लागू वाला है।

(1) ग का साक्ष्य स्वीकार्यहोगा।
(2) ग का साक्ष्य अस्वीकार्य होगा और कोई पक्ष ग के विवरण पर भरोसा करने में समर्थ नहीं होगा।
(3) ग का साक्ष्य अस्वीकार्य होगा जैसा कि उससे अभियोजन प्रकरण का समर्थन नहीं होता
(4) ग का साक्ष्य स्वीकार्य होगा, मगर केवल बाद में, ग ने पूर्व में न्यायालय में मिथ्यावादी के लिए झूठी साक्ष्य की कोशिश की।

Ans. [1]

56. क मुद्रा नोट की कुटकरण का अभियुक्त और सक्षम अधिकारिता के न्यायालय की ओर से भारत के ख राज्य में दोषसिद्ध तथा विहित न्यूनतम सजा के लिए दंडित किया गया। चूंकि कार्यवाही के कारण का भाग भारत के राज्य ग में उत्पन्न होता है, राज्य ग में सक्षम अधिकारिता का न्यायालय ने उन्हीं तथ्यों पर क का विचारण चाहा । निम्न सिद्धांत की प्रयुक्तता को निम्न कथनों में से कौन सा सर्वाधिक सही- सही है।

(1) क अपनी पिछली दोषसिद्धी और सजा के फैसले को प्रस्तुत कर सकता है जिसे राज्य. ख में न्यायालय की ओर से दिया गया, जो कि प्रासंगिक तथ्य हो जाएगा, और राज्य ग के न्यायालय को उन्हीं तथ्यों पर दूसरा विचारण करने से रोक पाएगा।
(2) क अपने पिछले दोषसिद्ध तथा सजा के फैसले को प्रस्तुत नहीं कर सकता जिसे राज्य ख के न्यायालय की ओर से दिया गया, जैसा कि वह प्रासंगिक नहीं है और राज्य. ग में न्यायालय के विचारण करने को नहीं रोक पाएगा।
(3) क अपने पिछले दोषसिद्ध तथा सजा के फैसले को प्रस्तुत नहीं कर सकता जिसे राज्य ख में न्यायालय की ओर से दिया गया क्योंकि राज्य ख में न्यायालय की ओर से दी गई पिछली सजा राज्य ग में प्रभावी नहीं है ।
(4) क अपने पिछले दोषसिद्ध तथा सजा के फैसले को प्रस्तुत नहीं कर सकता जिसे राज्य ख में न्यायालय की ओर से दिया गया है, प्रावधान कि राज्य ग के उच्च न्यायालय ने उसकी अनुज्ञा की है।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

10. साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अधीन निम्न में से कौन सा प्रासंगिक तथ्य है ?

(1) उद्देश्य से संबंधित तथ्य
(2) संबंधित आचरण के बिना बयानों से संबंधित तथ्य
(3) आचरण से जुड़े बयानों से संबंधित तथ्य
(4) तथ्य जो अन्य प्रासंगिकता करते है और तथ्य जो पूर्ण संभावना के है।

Ans. [1]

11. साक्ष्य के सामर्थ्य का परीक्षण है" :

(1) बुद्धिमता का होने से
(2) वयस्क होना जरूरी
(3) प्रश्न की प्रकृति की समझ
(4) प्रश्न की प्रकृति की समझ और युक्ति संगत उत्तर देने की क्षमता

Ans. [4]

13. पति और पत्नी के मध्य संप्रेषण विशेषाधिकार जैसा माना जाता है यदि संप्रेषण

(1) गोपनीयता के वादे से शादी के दौरान किया गया था
(2) शादी के दौरान किया गया था, भले ही गोपनीयता के बिना
(3) शादी से पहले गोपनीयता के वादे के साथ किया गया
(4) शादी के बाद उसे किया गया।

Ans. [2]

14. सुचक प्रश्न न्यायालय की अनुमति के बिना भी इस दौरान किया जा सकता है

(1) मुख्य परीक्षा में
(2) प्रति परीक्षा

(3) पुनः परीक्षा में
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [2]

15. सुने - सुनाए साक्ष्य के नियम के रूप में अपवाद कौन-सा है ?
(1) मृत्यु पूर्व बयान
(2) उसी संव्यवहार के भाग को बनाने के तथ्य
(3) मौजूद न होने के तर्क को बनाने के तथ्य
(4) अभियुक्त के चरित्र से संबंधित तथ्य

Ans. [1]

16. विवाधक तथ्य क्या है?
(1) परोक्ष रूप से सम्मिलित तथ्य
(2) आवश्यक तथ्य जो पहुंचता अधिकारों, जिम्मेवारियों या समुदाय का निर्धारण करता है
(3) दोनों
(4) कोई नहीं ।

Ans. [4]

17. प्रासंगिक तथ्य है?
(1) विवाधक तथ्य से तार्किकता से प्रासंगिक तथ्य
(2) विवाधक तथ्य से विधिकता से प्रासंगिक तथ्य
(3) दोनों
(4) कोई नहीं ।

Ans. [1]

18. शब्द "साक्ष्य" से आप क्या समझते है?
(1) प्रकरण से संबंधित प्रत्येक तथ्य
(2) न्यायालय में प्रस्तुत तथ्य
(3) दोनों
(4) कोई नहीं ।

Ans. [4]

Examination – V [2013]

1. विशेषज्ञों की राय की प्रासंगिकता से सम्बंधित कौन से प्रावधान भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के तहत है?'
(1) धाराएं 49 ओर 50
(2) धाराएं 23 ओर 24
(3) धाराएं 45 ओर 46
(4) धाराएं 81 ओर 82

Ans. [3]

36. दस्तावेजों की विषय वस्तु को प्रमाणित किया जा सकेगा या तो "-
(1) प्राथमिक साक्ष्य या माध्यमिक साक्ष्य के जरिए
(2) प्रत्यक्ष साक्ष्य या परिस्थिति जन्य साक्ष्य के जरिए
(3) प्राथमिक साक्ष्य या दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए
(4) प्राथमिक साक्ष्य या प्रत्यक्ष साक्ष्य के जरिए

Ans. [1]

37. दस्तावेज की विषय वस्तु का मौखिक वर्णन किसी व्यक्ति की ओर से दिया गया जैसा कि खुद उसने देखा, वह है
(1) प्रत्यक्ष साक्ष्य
(2) अच्छा साक्ष्य
(3) परिस्थिति जन्य साक्ष्य
(4) माध्यमिक साक्ष्य

Ans. [4]

39. "भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 के अधीन विचारित निष्कर्ष उपधारणा का डी.एन.ए. परीक्षण विखंडन नहीं कर सकता। पक्षकार उस निष्कर्षात्मक उपधारणा की कठोरता को टाल सकते है केवल अ-पहुंच को प्रमाणित करके, जो नकारात्मक प्रमाण है ।" यह इस प्रकरण में अभिधारित किया गया"-
(1) शेख फकरुद्दीन बनाम शेख मोहम्मद हसन, ए.आई. आर. 2006 आंध्रप्रदेश 48
(2) सिद्द रमेश बनाम कर्नाटक राज्य, (2010) 3. एस. सी. सी. 152
(3) कैलाश बनाम मध्यप्रदेश राज्य, ए.आई.आर. 2007 एस.सी. 107
(4) सोमवंती बनाम पंजाब राज्य, ए.आई.आर. 1963 एस.सी. 151

Ans. [1]

40. मृत व्यक्तियों के कथन इस प्रावधान के अंतर्गत सुसंगत है-
(1) धारा 48 (2) धारा 49
(3) धारा 32(4) (4) धारा 13 (3)

Ans. [3]

41. साक्षी न्याय की आंखें एवं कान है। यह कथन किसका है?
(1) लॉर्ड अटकिन (2) बेंथम
(3) लॉर्ड डेनिंग (4) किपसन

Ans. [2]

91. एक सह साथी श्रेय के योग्य नही है जब तक कि वह 'तात्विक' विशेष से संपुष्ट नहीं है, यह है"-
(1) तथ्य की उपधारणा
(2) विधि की उपधारणा
(3) प्रमाण का निश्चयात्मकता
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

92. व्याख्याकरण दस्तावेजों में पेटेंट अस्पष्टता उसे बनाती है -
(1) आरोग्य साध्य
(2) आरोग्य असाध्य
(3) आरोग्य साध्य एवं आरोग्य असाध्य
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

Examination – VI [2014]

11. विधि की उपधारणा है।
(1) खंडनीय
(2) अनिवार्य एवं खंडनीय
(3) अनिवार्य एवं अखंडनीय
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

12. सेल्वी के प्रकरण में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने परीक्षणों की संवैधानिकता परीक्षा की जैसे नार्को विश्लेषण, पोलीग्राफ एवं ब्रेन मेपिंग का इसकी कसौटी पर
(1) Art. 20(3) and Art. 21
(2) Art. 21 and Art. 23(2)
(3) Art 23 and Art. 21
(4) Art. 20(2) and Art. 20(1)

Ans. [1]

13. भारतीय विधि आयोग के 69वें प्रतिवेदन के अनुसार, भारतीय साक्ष्य अधिनियम आधारित है
(1) आत्मनिरीक्षण का सिद्धांत

(2) प्रमाण लेख दोषारोपण का सिद्धांत
(3) पुष्टि का सिद्धांत
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

14. भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 99 कहती है कि व्यक्ति जो दस्तावेज के पक्षकार अथवा उनके प्रतिनिधि नहीं है, ऐसे किसी भी तथ्य का साक्ष्य दे सकेंगे, जो दस्तावेज के निबंधनों का परिवर्तन करने वाले किसी समकालीन करार को दर्शि तकरने की प्रवृति रखते हो। यह इस सिद्धांत पर आधारित है

(1) पैक्टा टर्टी एनईसी नोसेंट एनईसी प्रोसंट
(2) पैक्टा संट सर्वदा
(3) एक्शन पर्सनैलिस मोरिटुरकम पर्सोना
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

15. यह प्रमाणित करने का भार कि वह व्यक्ति जीवित है जो सात वर्ष के लिए उस पर नहीं सुना गया

(1) वह जो इंकार करता है
(2) वह जो इसकी पुष्टि करता है
(3) कोई तीसरा व्यक्ति / अजनबी
(4) उपरोक्त में कोई नहीं

Ans. [2]

16. सूचक प्रश्नों की अनुमति देने का न्यायालय का विवेकाधिकार केवल उन मामलों तक ही सीमित है

(1) परिचयात्मक तथ्य
(2) अविवादित तथ्य
(3) न्यायालय की संतुष्टि के लिए पर्याप्त रूप से पहले ही प्रमाणित तथ्य
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

17. सवाल यह है कि क्या ए ने बी की हत्या की है। जिस स्थान पर हत्या की गई थी, उस स्थान पर या उसके निकट संघर्ष के कारण जमीन पर बने निशान सुसंगत तथ्य हैं।

(1) धारा 7 (2) धारा 6
(3) धारा 8 (4) धारा 11

Ans. [1]

18. भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 93 स्पष्ट संदिग्धता से इस तरह सम्बंधित है-

(1) साध्य (2) असाध्य
(3) उचित (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

Examination – VII [2014]

4. दस्तावेज के साक्ष्यों के संदर्भ में अर्थरहितता का होना कहलाता है, तथ्य कहा जाता है

(1) पेटेंट अस्पष्टता (2) अव्यक्त अस्पष्टता
(3) दोनों (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

5. मूल दस्तावेज बेहतर साक्ष्य है। इस नियम से अपवाद इसमें अंतर्निहित -

(1) भारतीय साक्ष्य अधिनियम
(2) दांडिक प्रक्रिया संहिता
(3) बैंकर्स बुक साक्ष्य अधिनियम
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [2]

16. निमो मोरिटुरस प्रैसुमंटुर मेंटिरी का अर्थ है-

(1) मरने वाला आदमी कभी सच नहीं बोल सकता
(2) मरने वाला आदमी कभी असत्य नहीं बोल सकता
(3) मरने वाला आदमी सच बोल सकता है
(4) मरने वाला आदमी असत्य नहीं बोल सकेगा

Ans. [2]

74. रविन्द्र कुमार पाल उर्फ दारा सिंह बनाम भारत गणराज्य प्रसिद्ध प्रकरण है जो साक्ष्य अधिनियम की धारा 30 के अधीन आता है जो इस रूप में भी जाना जाता है -

(1) ग्राहम स्टेन हत्या प्रकरण (2) ग्राहम बेल हत्या प्रकरण
(3) ग्राहम स्ट्रीट हत्या प्रकरण (4) ग्राहम स्टोइट्स हत्या प्रकरण

Ans. [1]

Examination – VIII [2015]

35. जीवन की निरंतरता की उपधारणा साक्ष्य अधिनियम की धारा में अंतर्निहित है-

(1) 107 (3) 207
(2) 108 (4) 115

Ans. [1]

41. विवादग्रस्त तथ्य या तथ्यों के अस्तित्व या गैर अस्तित्व के बारे में साक्षी मुद्दे में साक्षी है

(1) मौखिक साक्ष्य (2) मौलिक साक्ष्य
(3) प्रत्यक्ष साक्ष्य (4) (1) तथा (2) दोनों

Ans. [3]

51. साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के अधीन पति-पत्नी के लिए विवाहित के दौरान संसूचनाए करता है -

(1) तलाक से विवाह विच्छेद के बाद विशेषाधिकार बना रहेगा मगर ऐसा मृत्यु के बाद नहीं
(2) तलाक से विवाह विच्छेद के बाद विशेषाधिकार नहीं बना रहता मगर मृत्यु के बाद विशेषाधिकार बना रहता है
(3) विशेषाधिकार तलाक से विवाह या मृत्यु बाद विशेषाधिकार बना नहीं रहता है
(4) तलाक से विवाह विच्छेद या मृत्यु के बाद विशेषाधिकार संप्रेषण बना रहता है।

Ans. [4]

53. विबंधन उससे शासित जिससे मुकदमें का पक्ष है—

(1) तथ्य के अभिनिश्चय या मना करने से रूका हुआ है
(2) व्यक्तिगत पेश होने से रोका गया
(3) साक्ष्य छिपाने से रोका गया
(4) (1) तथा (2) दोनों ।

Ans. [1]

56. सूचक प्रश्न को इस दौरान पूछा जा सकता है।

(1) पुनः परीक्षा (2) मुख्य परीक्षा में
(3) प्रति परीक्षा (4) इसमें से काई नहीं।

Ans. [3]

91. क ने ख को कक्ष से भागते हुए देखा, उसके बाद देखा कि ग खून में सना हुआ उसी कमरे में पड़ा हुआ है । ख को भागते हुए देखने का क का साक्ष्य प्रत्यक्ष है मगर जहां तक हत्या का, वह -

(1) प्राथमिक साक्ष्य (2) परिस्थितिजन्य साक्ष्य
(3) वास्तविक साक्ष्य (4) सारवान् साक्ष्य

Ans. [2]

93. धारा 45 के अधीन विशेषज्ञो की राय है
(1) निष्कर्षात्मक सबूत (2) निष्कर्षात्मक सबूत नहीं
(3) स्वरूप में समर्थन एवं संपुष्टि कारी (4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [3]

Examination – IX [2016]

51. एक स्वीकारोक्ति, जिस पर बाद में मुकरा गया हो
(1) केवल दोषसिद्धि आधार बनाया जा सकता है
(2) केवल दोषसिद्धि आधार नहीं बनाया जा सकता है
(3) केवल दोषसिद्धि आधार नहीं बनाया जा सकता है, जब तक कि उसकी पुष्टि न हो
(4) दोनों और सही हैं।

Ans. [3]

52. अधिनियम की धारा 25 के तहत एक स्वीकारोक्ति अस्वीकार्य करने के लिए इस
(1) जिसके लिए अपराधी पर आरोप लगाया है, उसी अपराध से संबंधित होना चाहिए
(2) उसी अपराध के लिए, जिसके लिए अपराधी का आरोप लगाया है, से संबंधित हो सकती है
(3) किसी अन्य अपराध से संबंधित होना चाहिए
(4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं ।

Ans. [1]

53. एक महत्वपूर्ण साक्षी का कथन दर्ज करने की अन्वेषण अभिकारी की और से अनुचित और अस्पष्टिकृत लम्बी देरी ऐसे साक्षी के साक्ष्य को प्रस्तुत कर देगी
(1) अविश्वसनीय
(2) अस्वीकार्य
(3) अस्वीकार्य और अविश्वसनीय
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

70. भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होता है
(1) अधिकरणों के समक्ष कार्यवाही में
(2) मध्यस्थ के समक्ष कार्यवाही में
(3) न्यायलय में न्यायिक कार्यवाही
(4) उपरोक्त सभी ।

Ans. [3]

71. विवाघक तथ्यो का आशय है-
(1) तथ्य, अस्तित्व या गैर अस्तित्व में हैं, जिन्हें कि पक्षों द्वारा स्वीकार किया जाता है
(2) तथ्य, अस्तित्व या गैर अस्तित्व में हैं, जिनमें कि पक्षों का विवाद है
(3) तथ्य, अस्तित्व या गैर अस्तित्व में हैं, जिनमें कि पक्षों का विवाद नहीं है
(4) उपर्युक्त सभी

Ans. [2]

81. साक्ष्य की स्वीकार्यता के लिए आवश्यकता नियम तब लागू होता है जब कथन देने वाला
(1) मृत है या साक्ष्य देने में असमर्थ हो गया है
(2) एक व्यक्ति जो खोजा तो जा सकता है, लेकिन उसकी उपस्थिति अनुचित देरी या खर्च के विना सुनिश्चित नहीं की जा सकती
(3) एक व्यक्ति जो खोजा नहीं जा सकता है
(4) उपर्युक्त सभी।

Ans. [4]

82. एक दस्तावेज के द्वितीयक साक्ष्य का आशय है ?
(1) दस्तावेज की प्रतियां
(2) दस्तावेजों की सामग्री का मौखिक विवरण
(3) दोनों (1) और (2)
(4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans. [3]

83. किसी वसीयत को साबित करने के लिए आवश्यक है कि कम से कम एक अनुप्रमाणित करने वाले साक्षी को बुलाया जाए
(1) जब यह पंजीकृत हो
(2) जब यह अपंजीकृत हो
(3) जब इसे स्वीकार किया जा रहा हो
(4) उपरोक्त सभी ।

Ans. [1]

84. साक्ष्य अधिनियम की धारा 106 में कोई भी व्यक्ति संदर्भित किया जाता है
(1) वाद के लिए संबद्धित पक्ष हो
(2) वाद के लिए असंबद्धित पक्ष हो
(3) एक व्यक्ति जो वाद के लिए संबंधित पक्ष तो नहीं है, लेकिन इसके परिणाम में उसकी दिलचस्पी है
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [1]

पारिवारिक विधि

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	89	1	1%
AIBE 4th (2012)	68,69,70,71	4	4%
AIBE 5th (2013)	10,28,29,58,59	5	5%
AIBE 6th (2014)	72,73,74,75	4	4%
AIBE 7th (2014)	64,66	2	2%
AIBE 8th (2015)	24,29	2	2%
AIBE 9th (2016)	27,97	2	2%

Examination – IV [2012]

68. सुन्नी मुस्लिम किताबया लड़की से विवाह करता है; शादी है : "
(1) वैध
(2) शून्य
(3) अनियमित
(4) इनमें से कोई नहीं।

Ans. [1]

69. मुस्लिम विवाह विच्छेद अधिनियम 1939 कौन से मुस्लिम विचारधारा पर आधारित है?
(1) हनफी विचारधारा
(2) शफी विचारधारा
(3) मलिकी विचारधारा
(4) जैदी विचारधारा

Ans. [1]

70. हिन्दू कानून के अधीन शून्य तथा शून्यकरणीय शादी से जन्मा शिशु है:
(1) वैध
(2) अवैध
(3) गैरकानूनी
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [1]

71. हिन्दू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनिमय, 1956 के अधीन महिला हिन्दू को दत्तकता में पुत्र या पुत्री लेने का सामर्थ्य है यदि: "
(1) वह विवाहित नहीं है
(2) वह विवाहित है
(3) वह विधवा है और कोई पुत्र या पुत्री नहीं मगर विधवा पुत्र वधु है
(4) वह किस तरह से गोद नहीं ले सकती

Ans. [1]

Examination – V [2013]

10. धारा 9 हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 से सम्बंधित है
(1) दांपत्य अधिकारों की पुनर्निर्माण
(2) शून्य विवाह
(3) न्यायिक पृथकीकरण
(4) तलाक के आधार

Ans. [1]

28. मुस्लिम कानून के अधीन मुबारत संदर्भ करता है
(1) वर्तमान पत्नी को तलाक का
(2) क्रूरता
(3) इला
(4) आपसी सहमति से विवाह विच्छेद

Ans. [4]

29. भारतीय तलाक अधिनियम (अब तलाक अधिनियम) की धारा 10 के विभेदकारी पहलुओं को नई धारा की प्रतिस्थापना से हटाया गया था।"
(1) भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2001
(2) भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2002
(3) भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2006
(4) भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2012

Ans. [1]

58. हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 का कौन सा प्रावधान मेल मिलाप से संबंधित है।
(1) धारा 23
(2) धारा 23 (2)
(3) धारा 23(3)
(4) धारा 22

Ans. [2]

59. संयुक्त पारिवारिक संपति के अंतर्गत संदर्भ के साथ पुत्री पुत्र के समान है।
(1) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2002
(2) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 1976
(3) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 1998
(4) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005

Ans. [4]

Examination – VI [2014]

72. A, B की माँ है। वह विधवा हो जाती है और पुनर्विवाह करती है। बी मर जाता है. क्या A उसकी माँ के रूप में उत्तराधिकारी हो सकती है? (दोनों हिंदू हैं)
(1) नहीं
(2) हां
(3) उनके मत पर निर्भर
(4) केवल तब जब ख के पुत्र नहीं है

Ans. [2]

73. हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम की धारा 6 का उल्लेख करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि "उसके बाद" शब्द का अर्थ 'पिता के जीवन काल के बाद' नहीं है। वास्तव में, इसका अर्थ है 'अनुपस्थिति में। यदि पिता गैर है- उदासीनता, शारीरिक या मानसिक अक्षमता जैसे विभिन्न कारणों से अभिभावक के रूप में कार्यात्मक, उस स्थान से दूर जहां बच्चा मां के साथ रहता है, आपसी समझ से, इसे पिता की 'अनुपस्थिति' के रूप में माना जा सकता है। किस मामले में?
(1) लिली थॉमस प्रकरण
(2) सरला मुद्गल प्रकरण
(3) गीता हरिहरण प्रकरण
(4) गोवर्धन लाल प्रकरण

Ans. [3]

74. हाल के एक संशोधन के द्वारा जन्म से सहदायिक की बेटी अपने आप में पुत्र के समान ही सहदायिक बन जाती है कौन सा संशोधन?
(1) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2004
(2) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005
(3) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2006
(4) हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012

Ans. [2]

75. शमीम आरा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य संबंधित है
(1) मुस्लिम पति के लिए तलाक देने के लिए पूर्व शर्त स्थिति तलाक की घोषणा है जो साक्ष्य पर साबित है
(2) यौवनारंभ का विकल्प
(3) विवाह में संरक्षणत्व
(4) दहेज

Ans. [1]

Examination – VII [2014]

64. हिन्दू विवाह की शर्ते हिन्दू विवाह अधिनियम, की अधीन निर्धारित की गई है।
(1) धारा 9
(2) धारा 10
(3) धारा 5

(4) धारा 13

Ans. [3]

66. हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005-

(1) दिवगंत की पुत्रियों को पुत्री से समान अधिकारों की अनुज्ञा करता हैं
(2) दिवगंत के पुत्रों को विधवा से समान अधिकारों की अनुज्ञा करता हैं
(3) दिवगंत के पुत्रियों को पत्नी से समान अधिकारों की अनुज्ञा करता हैं
(4) दिवगंत की पुत्रियों को पुत्रों से समान अधिकारों की अनुज्ञा करता है

Ans. [4]

Examination – VIII [2015]

24. तलाक- ए- तफविज़ है

(1) प्रत्यायोजन से तलाक
(2) तीन बार तलाक
(3) अनुबंध से तलाक
(4) अनुचित तलाक

Ans. [1]

29. महिला हिन्दू के अधिपत्य की कोई जो संपति अचल हिन्दू उताराधिकार अधिनियम के प्रारंभ होने से पहले या बाद में अवाप्त की गई है, अधिनियम के प्रारंभ होने के बाद उसके द्वारा आयोजित किया जाएगा।

(1) सीमित स्वामी
(2) पूर्ण स्वामी
(3) कोई स्वामित्व नहीं
(4) संपूर्ण मालिक जैसा नहीं

Ans. [2]

Examination – IX [2016]

27. सोसायटी से हटाने के लिए का उचित बहाना साबित करने का दायित्व दुसरे का है

(1) याचिकाकर्ता
(2) प्रतिवादी
(3) (1) और (2) दोनों
(4) या तो (1) या (2)

Ans. [2]

97. एक अयोग्य घोषित व्यक्ति / वारिस

(1) अपने वारिस को संपत्ति दे देता या देती है।
(2) अपने वारिस को संपत्ति नहीं देता या देती है।
(3) अदालत के निर्णय के अनुसार अपने वारिस, को संपत्ति दे या नहीं दे सकता या सकती है।
(4) केवल अन्य वारिसों की सहमति से ही अपने वारिस को संपत्ति दे सकता या सकती है।

Ans. [2]

भारतीय संविदा अधिनियम, 1872

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	23, 25, 27,	3	3%
AIBE 4th (2012)	19-23 25-31, 33	12	12%
AIBE 5th (2013)	43, 53, 54, 55, 56, 63-73	16	16%
AIBE 6th (2014)	19-20, 22-28	9	9%
AIBE 7th (2014)	1, 19, 27, 69, 70, 71, 76, 100	8	8%
AIBE 8th (2015)	3, 6, 7, 8, 37, 42, 49, 84	8	8%
AIBE 9th (2016)	55, 77, 88, 89, 90, 93	6	6%

Examination – III [2012]

23. निम्न में से कौन सा कथन सहसंबंध के सिद्धांत का बेहतर वर्णन करता है जिससे कि वह संविदा कानून से प्रयुक्तनीय है?

(1) संविदा सिवाय उस संविदा के पक्षों के किसी व्यक्ति को सामान्यतः अधिकार प्रदान नहीं करता या उसके अधीन दायित्व लागू नहीं करता।
(2) संविदा निबंधन किसी तीसरे पक्ष को जाहिर नहीं किए जा सकते जब तक कि संविदा में स्पष्ट रूप से ऐसा प्रावधान न हो।
(3) संविदा के निबंधन किसी तीसरे पक्ष को जाहिर नहीं किए जा सकते जब तक कि दोनों पक्ष ऐसा करने के लिए सहमत न हो।
(4) जब तक कि वचन के लिए विचारण है, यह तत्व रहित है यदि तीसरे पक्ष को वह प्रावधानित है।
(5) तीसरा पक्ष संविदा के निष्पादन की मांग करने का हकदार है, यदि संविदा उस तीसरे पक्ष के लाभगत नतीजे का है।

Ans. [1]

25. निम्न कथनों में से कौन सा भारत में संविदा कानून के अधीन 'प्रस्ताव' के संबंध में कम से कम बिल्कुल ठीक है।

(1) प्रस्ताव तब तक विधि मान्य नहीं जब तक दूसरे पक्ष को उसका संप्रेषण नहीं किया जाए।
(2) प्रस्ताव तब स्वीकृतिकर्त्ता के विरुद्ध पूर्ण जैसा है जब प्रस्तावकर्त्ता के नियंत्रण से बाहर संचारण की विधि में प्रस्ताव कर्ता उसे रखता है।
(3) प्रस्ताव तब व्यपगत होता है जब प्रति प्रस्ताव किया जाए ।
(4) प्रस्ताव प्रतिसंहरण के जरिए व्यपगत: जब तक कि वह प्रस्ताव उस प्रस्ताव की स्वीकृति से पहले प्रति संहरित है।
(5) प्रस्ताव तीसरे पक्ष की ओर से प्रस्ताव के निबंधनों की स्वीकार्यता पर व्यपगत है।

Ans. [5]

27. क ने कूरियर कंपनी को अनुज्ञा पत्र सुपुर्द किया, जिसने उसे क के कागज मिल को बिना विलंब के पहुंचाने की सहमति की। क ने कूरियर कंपनी को सूचित किया कि उसकी फैक्ट्री तब तक उत्पादन फिर से शुरु नहीं कर सकती जब तक उन्हें अनुज्ञा पत्र न मिल जाए। कूरियर कंपनी ने अकारण विलंब अनुज्ञा पत्र भिजवाने में किया। जापानी कंपनी से प्रलाभी संविदा का असमान्यतः नुकसान, क को इससे हुआ। क्या मुआवजा है जिसे कूरियर कंपनी से प्राप्त करने को क हकदार है।

(1) क उस लाभ की औसत राशि पाने का हकदार है जो उसे विलंब की अवधि के दौरान फैक्ट्री में काम होने से होता, मगर जापानी कंपनी से संविदा के नुकसान के माध्यम से कोई क्षति धारित नहीं।
(2) क अपनी फैक्ट्री के ऊपरी खर्च के बराबर राशि का मुआवजा पाने का हकदार है जो खर्च विलंब की अवधि के दौरान हुआ।
(3) क किसी भी मुआवजे का हकदार नहीं है।
(4) क मुआवजे के रूप में उस लाभ को पाने का हकदार है जिसे जापानी कंपनी से असामान्यतः प्रलाभी संविदा से वह प्राप्त कर पाता ।
(5) क मुआवजे के रुप में उस लाभ को पाने का हकदार है जिसे उसी तरह से भारतीय कंपनी से प्रलाभी संविदा से वह प्राप्त कर पाता ।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

19. सामान्य नियम की तरह, विचारण के बिना किया गया करार है -

(1) शून्य (2) विधि मान्य
(3) शून्य लायक (4) ग़ैरक़ानूनी

Ans. [1]

20. संविदा के मानक प्रारूप का निम्न में से कौनसा सही है?

(1) वह विधि मान्य संविदा है
(2) पक्षकार के पास संविदा के स्वीकार और हस्ताक्षर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है
(3) (1) तथा (2) दोनों
(4) सन्मति मुक्त सन्मति नहीं है

Ans. [3]

21. प्रसिद्ध प्रकरण कार्लिल बनाम कार्बोलिक स्मोक बाल कंपनी, (1893) 1 क्यू बी डी 256 में माननीय न्यायालय ने अभिधारित किया कि संविदा इस रूप से स्वीकार्य थी -

(1) संप्रेषित (2) कार्रवाई की गई
(3) अस्वीकार करना (4) विज्ञापित ।

Ans. [2]

22. आकस्मिक करार जो धारा 36 के अधीन असंभव घटना पर आधारित है वह है-

(1) शून्य
(2) शून्य योग्य
(3) तब तक शून्य जब तक असंभव ज्ञात न हो
(4) तब शून्य जब घटना असंभव बन जाए

Ans. [1]

23. एक ही बात पर एक ही अर्थ में " मतैक्य" का अर्थ है-

(1) आम मतैक्य
(2) करार तक आना
(3) उसी अर्थ में उसी चीज पर मन का मिलना
(4) उपरोक्त सभी।

Ans. [3]

24. Jus in personam का अर्थ है अधिकार इसके विरूद्ध

(1) विनिर्दिष्ट व्यक्ति (2) स्वच्छंद जनता
(3) विनिर्दिष्ट बात (4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [1]

25. अविवाहित बने रहने का करार है

(1) वैध (2) शून्य
(3) शून्य करणीय (4) अप्रवर्तनीय

Ans. [2]

26. प्रतिफल की अपर्याप्तता से संविदा को नहीं बनाती "

(1) शून्य
(2) शून्य करणीय
(3) अप्रवर्तनीय
(4) न तो शून्य न शून्यकरणीय

Ans. [1]

27. प्रस्ताव जब स्वीकृत तब वह होता है -

(1) धारा 2 (ख) के अधीन वचन के अधीन करार
(2) धारा 2 (ड़) के तहत समझौता
(3) धारा 2(ज) के अधीन संविदा
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

28. दुकानदार की ओर से माल का प्रदर्शन है-

(1) विक्रय के लिए प्रस्ताव
(2) प्रस्ताव के लिए आमंत्रण
(3) प्रस्ताव

(4) स्वीकार्यता

Ans. [2]

29. धारा 2 (क) के अधीन पेशकश है-
(1) एक व्यक्ति से दूसरे को संप्रेषण
(2) एक व्यक्ति से दूसरे को सुझाव
(3) कुछ करने की उत्सुकता या दूसरे से उसमें सन्मति हासिल करने के क्रम में कार्रवाई करने से बचना
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

30. करार कानून से प्रवर्तनीय है
(1) प्रवर्तनीय स्वीकार्यता (2) स्वीकार्यता प्रस्ताव
(3) स्वीकृत पेशकश (4) संविदा

Ans. [4]

33. शून्य करार सूचक है -
(1) करार स्वरूप में अवैध है
(2) करार कानून की ओर से प्रवर्तनीय नहीं है
(3) करार विधिक प्रक्रिया का उल्लंघन कारक है
(4) करार लोक नीति के विपरीत है ।

Ans. [2]

Examination – V [2013]

43. कर्जदार ने एक ही कर्जदाता से अनेक अलग-अलग कर्ज लिए और भुगतान किया जो सभी कर्जों की भरपाई को अपर्याप्त है। ऐसी स्थिति में, प्रश्न उठता है कि कौन सा कर्ज जिसका भुगतान समुचित है। संविदा अधिनियम की कौनसी धाराएं उस प्रश्न के उत्तर : को प्रदान करती है।
(1) धारा 59 से 61 (2) धारा 22 से 31
(3) धारा 10 से 12 (4) धारा 55 से 60

Ans. [1]

53. अभिकरण की संविदा का सार अभिकर्ता का
(1) प्रतिनिधित्व क्षमता तीसरे पक्ष से प्रधान के विधिक संबंधों को प्रभावित करने की शक्ति सहित
(2) संपति जिससे व्यवहृत उसकी शक्ति तथा स्वत्व
(3) व्यापार से व्यवहार करने की प्राधिकारिता और दर्जा
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

54. संविदा दो या अधिक लोगों के बीच करार है जो इरादतन विधि पर प्रवर्तनीय है, तथा एक पक्ष की ओर से स्वीकृति प्रस्ताव की जो उसकी ओर से अन्य पक्ष को किया गया करने को या कोई कृत्य करने से बचने का संविदा का है- यह कथन किसका है?
(1) हाल्सबरी (3) फिपसन
(2) सलमंड (4) पोलोक

Ans. [1]

55. एक व्यक्ति की ओर से अन्य व्यक्ति को किसी प्रयोजन के लिए माल की प्रदानता इस संविदा पर कि जब प्रयोजन पूरा हो जाए, उन्हें प्रधानकर्ता व्यक्ति के निर्देशानुसार वे लौटा देंगे या निस्तारित कर देंगे। हम ऐसी संविदा को किस प्रकार की कहते हैं.
(1) क्षतिपूर्ति (3) उपनिधान
(2) प्रत्यभुति (4) गिरवी

Ans. [3]

56. क का भतीजा उसके घर से भाग गया। उसने अपने लापता भतीजे का पता लगाने के लिए अपने नौकर को भेजा। नौकर जब चला गया, क ने घोषणा की कि पारितोष की जानकारी के बिना कोई भी उसके लापता भतीजे का पता लगाए । नौकर को जब पारितोष की जानकारी हुई, उसने उसकी वसूली के लिए क के खिलाफ कार्रवाई की। मगर उसकी कार्रवाई नाकाम रही। यह अभिधारित किया गया कि नौकर पारितोष का हकदार नहीं था क्योंकि उसने जब लापता लड़के को खोजा, उसे प्रस्ताव के बारे में पता नहीं था । तथ्यों पर पठन करके प्रकरण का नाम-
(1) लालमन शुक्ला बनाम गौरी दत्त
(2) डोनोग्यू बनाम स्टीवन्स
(3) ट्विडले बनाम एटकि-सन
(4) डटन बनाम पूले

Ans. [1]

63. न्यायाभिकर्ता ने संपत्ति विशेष को अपने एक मुवक्किल को बेची थी । पश्चात्वर्ती मुवक्किल ने आरोप लगाया कि संपत्ति पर्याप्त मात्रा में अधि मूल्यित थी और उसकी सन्मति ...... से ली गई थी, न्यायालय ने पक्षों के बीच संबंधता का विचारण किया और निर्णय पर पहुंचा.
(1) प्रपीडन (2) दुर्व्यपदेशन
(3) असम्यक असर (4) विबंध

Ans. [3]

64. किसी अन्य समाधान की स्वीकृति निष्पादन से अतिरिक्त मूल सहमति जाना जाता है
(1) व्यतिकारी करार
(2) व्यतिकारी स्वीकार्यता
(3) व्यतिकारी समझौता और समाधान
(4) समझौता और समाधान

Ans. [4]

65. 'जहां दो पक्षों ने संविदा की है जिनमें से एक ने वह भंग-नुकसान किया है जिसे दूसरे पक्ष को पाना चाहिए उस संविदा के भंग के बारे में या निष्पक्षता से और वाजिब रुप से विचार करना चाहिए जो स्वाभाविक रुप से उत्पन्न है यथा बातों के आम तौर के अनुक्रम से संविदा के उस भंग स्वमेव से या ऐसा जो संभवतया उचितताः से पक्षों में उस समय विचारित हो जिस समय उन्होंने संविदा की उस तरह जैसे उसके भंग का नतीजा संभावित हो किस मामले में ऐसा सिद्धांत निर्धारित किया गया था?
(1) क्लेग बनाम हेंड्स
(2) फ्रॉस्ट बनाम नाइट
(3) कपूर चंद बनाम हिमायत अली खान
(4) हेडली बनाम बेक्सेंडल

Ans. [4]

66. जब दुर्व्यपदेशन की गई है, तब व्यथित के पास कौन सा विकल्प खुला होता है?
(1) वह संविदा को टाल सकता या विखंडन कर सकता है
(2) वह संविदा की अभिपुष्टि तथा की गई दुर्व्यपदेशन पर जोर दे सकता है
(3) वह दुर्व्यपदेशन पर भरोसा कर सकता है, संविदा पर कार्रवाई के लिए बचाव के रूप में
(4) उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

67. 'संविदा के कानून का मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यक्ति जो अपेक्षा करता है वह पूरी हो जाए और जो वादा किया है वह निभाया जाएगा।' यह कथन किसका है?

(1) लॉर्ड ब्लेक
(2) हेंडरसन
(3) एनसन
(4) सेलमण्ड

Ans. [3]

68. राघव से मुरली ने रुपए 10,000 /- लिए। यह कर्ज परिसीमा अधिनियम से काल बाधित है। जबकि मुरली ने लिखित में वादा राघव को रुपए 4,500/- का भुगतान कर्ज के खाते पर करने का वचन किया और दस्तावेज पर दस्तखत किए। यह संविदा है"

(1) प्रवर्तनीय (2) अप्रवर्तनीय
(3) शून्य (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

69. विधिक दायित्व नहीं बनाने का इरादा पक्षों के आचरण से स्पष्ट था निम्न में से कौन सा प्रसिद्ध प्रकरण इस विषय से संबंधित है.

(1) बेलफोर बनाम बेलफोर
(2) डोनोग्यू बनाम स्टीवन्सन
(3) डेरी बनाम पीक
(4) बिरस बनाम बिरस

Ans. [1]/

70. भारतीय विधि के अनुसार विधि सम्मत संविदा में, प्रतिफल "

(1) केवल वचनग्रहिता से गतिमान होना चाहिए
(2) गतिमान वचनग्रहिता या किसी अन्य व्यक्ति से हो सकेगा
(3) ऐसा किसी भी स्तर पर आवश्यक नहीं
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

71. अभिकरण का समापन किया जा सकता है?

(1) पक्षों के मध्य करार से
(2) अभिकर्ता की ओर से त्याग से
(3) अभिकरण के व्यवसाय की पूर्णता से
(4) उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

72. किस तरह के नुकसान की भरपाई क्षतिपूर्ति की संविदा से नहीं होती।

(1) दुर्घटनाओं से उत्पन्न नुकसान जैसे कि आग या समुद्री संकट
(2) वचनदाता स्वयं या तीसरे व्यक्ति की ओर से किया गया नुकसान
(3) मानवीय अभिकरण से उत्पन्न नुकसान
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

73. उच्चतम न्यायालय ने माना है कि एक वकील अपनी फीस के लिए उसे सौंपी गई मुकदमेबाजी फ़ाइल पर ग्रहणाधिकार का दावा नहीं कर सकता है... किसी भी पेशेवर को संबंधित वापसी योग्य रिकॉर्ड को रोकने का अधिकार नहीं दिया जा सकता है। अवैतनिक पारिश्रमिक के किसी भी दावे के आधार पर उनके द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किया गया कार्य मायने रखता है। विकल्प यह है कि संबंधित पेशेवर ऐसे अवैतनिक पारिश्रमिक के लिए अन्य कानूनी उपायों का सहारा ले सकता है। विशिष्ट मामले का संदर्भ लें

(1) आर.डी. सक्सेना बनाम बलराम प्रसाद शर्मा
(2) वी.सी. रणदुरै बनाम डी. गोपालन
(3) एम्परर बनाम दादूराम
(4) जी. नरन स्वामी बनाम चल्लपल्लि

Ans. [1]

Examination – VI [2014]

19. वचन अथवा वचनों का संवर्ग एक-दूसरे का प्रतिफल का गठन करता है-जो है "

(1) प्रस्ताव (2) प्रतिफल
(3) करार (4) संविदा

Ans. [3]

20. भारतीय विधि के अधीन पूर्व प्रतिफल है

(1) विधि अमान्य (2) विधि मान्य
(3) शून्य (4) शून्य लायक

Ans. [2]

22. एक ही बात पर एक ही भाव में सहमत, अर्थात् "

(1) सद् विश्वास
(2) तीसरे पक्षकारों की राय
(3) प्रस्ताव गृहीता की राय
(4) मस्तिष्क मिलन

Ans. [4]

23. विवाह के अवरोध में करार है

(1) समाश्रित संविदा (2) शर्त
(3) शून्य (4) विधि मान्य

Ans. [3]

24. क ने दुकानदार ख से कहा- "य को माल दे, मैं आपको भुगतान करूँगा", यह संविदा है

(1) उपनिधान (2) अभिकरण
(3) प्रत्याभूति (4) क्षति की पूर्ति

Ans. [3]

25. किसी तीसरे व्यक्ति के वचन को पूरा करने या उसके डिफ़ॉल्ट की स्थिति में उसके दायित्व का निर्वहन करने का अनुबंध एक अनुबंध है

(1) प्रत्याभूति (2) व्यतिक्रम
(3) क्षतिपूर्ति (4) भागीदारी

Ans. [1]

26. "जो कोई कार्य दूसरे के माध्यम से करता है, वह स्वयं भी करता है" का अनुबंध है

(1) विक्रय (2) क्रय
(3) अभिकरण (4) भागीदारी

Ans. [3]

27. जब वचन करने वाले की इच्छा पर, वचनग्रहिता या कोई अन्य व्यक्ति कुछ किया है या करने से विरत रहा है या कुछ करता है या करने से विरत रहता है या करने का वचनकरता है या कुछ करने से विरत रहता है, तो ऐसे कार्य या विरतता या वचन को कहा जाता है

(1) प्रस्ताव (2) प्रतिफल
(3) स्वीकार्यता (4) करार

Ans. [2]

28. भ ने म से रूपए 20,000 उधार लिए मगर वह कर्ज परिसीमा अधिनियम से बाधित था। भ ने रूपए 15,000 का भुगतान कर्ज के बदले में करने का लिखित वचन निष्पादित किया। यह है

(1) विधि अमान्य (2) शून्य
(3) विधि मान्य (4) शून्य योग्य

Ans. [3]

ALL INDIA BAR EXAMINATION (AIBE) PAPERATHON

भारतीय संविदा अधिनियम, 1872

Examination – VII [2014]

1. 'संविदात्मक संबंध' की धारणा इसमें नामंजूर हुई थी-
(1) विंटरबोटम बनाम राइट
(2) डोनोग्य बनाम स्टीवन्सन
(3) लोंगमेड बनाम हॉलिडे
(4) हेवन बनाम पैंडर

Ans. [3]

19. फ्रोस्ट बनाम नाइट इस पर प्रमुख प्रकरण है-
(1) धारा 32 (2) धारा 33
(3) धारा 34 (4) धारा 35

Ans. [3]

27. अधिकतम अवधि जिसके दौरान संपति का निवेश हो सकता है"-
(1) केवल पन्द्रह वर्ष
(2) एक या अधिक जीवन या अन्तरण की तिथि के रूप में तथा अजात व्यक्ति की नाबालिगी
(3) अंतरणकर्ता के जीवन के दौरान और अजात व्यक्ति की नाबालिगी अवधि
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

69. उपनिधान में यदि माल धरोहर दार को उसके उपयोग के लिए निःशुल्क उधार दिया गया इसे की ओर से उपनिधान जैसा जाना जाता है-
(1) निक्षेप
(2) गिरवी
(3) सुविधाप्रद
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

70. जहां प्रस्ताव तथा स्वीकारोक्ति पत्रों के माध्यम से है, वहां संविदा उस स्थान पर की जाए जहाँ –
(1) स्वीकृति मिली है
(2) स्वीकृति का पत्र जहाँ से भेजा गया है
(3) उपरोक्त दोनो
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

71. सभी संविदाएं जो विधि सम्मत नहीं और शून्य हैं वे कही जाती है -
(1) अवैध संविदाए
(2) निरर्थक संविदाएं
(3) शून्यकरणीय संविदाएं
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

76. पंधम् इससे संबंधित है-
(1) वर्तमान घटना (2) अतीत की घटना
(3) भविष्य की घटना (4) इनमें से कोई

Ans. [4]

100. ज़मानतदार को 'मुक्त किया जाता है' -
(1) मौत
(2) निरसन
(3) उसकी सहमति के बिना संविदा की शर्तों में भिन्नता
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

Examination – VIII [2015]

3. उस उदाहरण को बताइए जो उपनिधान की संविदा से संबंधित नहीं है।
(1) मरम्मत के लिए घड़ी या रेडियो सुपुर्द करना ।
(2) वाहन खड़े करने के स्थान पर कार या स्कूटर छोड़ना ।
(3) सामान क्लोक रूम में छोड़ना।
(4) अंश धारक कंपनी के पक्ष का करार / बंधपत्र निष्पादित करता है जिसके जरिए उसके अपने कृत्य के नतीजतन हुई किसी हानि के लिए कंपनी की संतुष्टि के लिए सहमति होती है।

Ans. [4]

6. अभिकर्ता की संविदा का कौन सा सही है?
(1) अभिकर्ता तथा मालिक के मध्य रिश्ता विश्वास का है
(2) यह केवल तभी जब व्यक्ति दूसरे के प्रतिनिधि के रूप में में संविदात्मक दायित्वों को बनाने, सुधार करने या समापन करने का कृत्य करता है: इस क्रम और तीसरे व्यक्तियों के बीच, जो कि अभिकर्ता है।
(3) अभिकरण का सार केवल अभिकर्ता की प्रतिनिधित्व की क्षमता है
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans. [2]

7. निम्न में से गलत कथन की पहचान कीजिए?
(1) क्षतिपूर्ति हानियों की प्रतिपूर्ति के लिए है, जबकि प्रत्याभूति ऋणदाता की प्रतिभूति के लिए है।
(2) क्षतिपूर्ति की संविदा में क्षतिपूरक की जिम्मेवारी माध्यमिक है और तब उत्पन्न होती है। जब समाश्रित घटनाएं होती है। प्रत्याभूति की संविदा के मामले में, प्रतिभू की जिम्मेवारी प्राथमिक है और तब उत्पन्न होती है जब मुख्य कर्जदार चूक करता है।
(3) वादे का अपना हिस्सा पूरा करने के बाद क्षतिपूर्तिकर्ता के पास तीसरे पक्ष के खिलाफ कोई अधिकार नहीं है और वह तीसरे पक्ष पर तभी मुकदमा कर सकता है जब उसके पक्ष में कोई कार्य हो ,जबकि प्रतिभूति के संविदा में जमानतदार अपनी देनदारी के निर्वहन पर लेनदार के जूते में कदम रखता है और मुख देनदार पर मुकदमा कर सकता है
(4) क्षतिपूर्ति की संविदा में क्षतिपूरक की जिम्मेवारी प्राथमिक है तथा तब उत्पन्न होती है जब समाश्रित घटना घटती है। प्रत्याभूति की संविदा की स्थिति में प्रतिभूति की जिम्मेवारी माध्यमिक है तथा तब उत्पन्न होती है जब मुख्य कर्जदार चूक करता है।

Ans. [2]

8. एक कोर्पोरेट समाधान तब तक प्रस्ताव नहीं है जब तक की इससे संप्रेषित करने का प्रयास नही किया जाता है। कौन सा मामला ऐसा था?
(1) ब्लेयर बनाम वेस्टर्न म्यूचुअल बेनिफिट एसोसिएशन
(2) आर. बनाम दाऊद
(3) हरवेला इन्वेस्टमेंट लिमिटेड बनाम रॉयल ट्रस्ट कंपनी कनाडा
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

37. हैडले बनाम बेक्सेन्डले में व्यक्त सिद्धांत भारतीय संविदा अधिनियम की धारा का आधार है।
(1) 74 (3) 87
(2) 55 (4) 73

Ans. [4]

42. तिलहन की आपूर्ति के लिए संविदा हुई थी लेकिन सरकार ने भारत रक्षा नियम के अधीन तिलहन के क्रय और विक्रय को अवैध घोषित कर दिया। प्रभाव को पहचानिए

(1) डिफ़ॉल्ट रूप से पार्टी को उत्तरदायी ठहराया जाता है
(2) दोनों पक्ष उस संविदा के निष्पादन मुक्त करदिया जाता है
(3) दोनों पक्षों को संविदा के विनिर्दिष्ट निष्पादन का निर्देश दिया जाता है
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

49. A ने अपनी भतीजी C को रुपए 500 हस्तांरित किए। यदि वह अपने पति को त्याग देगी। यह अंतरण है -

(1) शून्य
(2) शून्य करणीय
(3) वैध
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

84. पीक बनाम गुरनी मामला इससे संबंधित प्रसिद्ध प्रकरण है -

(1) गलती
(2) दुर्विनियोग
(3) कपट
(4) संविदा का नैराश्य

Ans. [2]

Examination – IX [2016]

55. बिना प्रतिफल किए, लिखित में किया गया संविदा जो कि पंजीकृत किया गया जो कि प्राकृतिक प्यार और स्नेह के आधार पर किया गया है वह

(1) शून्य
(2) उचित
(3) वैध
(4) अप्रवर्तनीय

Ans. [3]

77. धारा 35 के तहत एक आपातिक संविदा , जो कि विनिर्दिष्ट अनिश्चित घटनाओं के आधार पर है, यदि निश्चित समय के अंदर नहीं हो रहा है-

(1) भले ही घटना न हो, लेकिन संविदा उस निश्चित समयावधि के लिए वैध रहता है.
(2) समय की समाप्ति पर संविदा शून्य हो जाता है
(3) शून्य हो जाता है, यदि समय की समाप्ति के पूर्व ही तय हो जाता है कि घटना का होना असंभव है
(4) दोनों (2) और (3)

Ans. [4]

88. Which is correct?/ कौन सा सही है

(1) प्रस्थापना + प्रतिग्रहन = वायदा
(2) वचन + प्रतिफल = करार
(3) करार + प्रवर्तन = संविदा
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

89. प्रतिग्रहन का संचार प्रस्तावक के खिलाफ पूरा होता है

(1) जब यह प्रस्तावक के ज्ञान में आता है
(2) जब यह उसके लिए संसूचना की प्रक्रिया में डाल दिया जाता है, ताकि प्रतिग्रहन के शक्ति के बाहर रहे
(3) जब प्रतिग्रहन प्रस्तावक को संसूचना कर दी जाती है
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [2]

90. एक वैध संविदा के लिए सामान्य प्रस्ताव के मामलों में

(1) प्रतिग्रहन को प्रस्ताव के विवरण की जानकारी की आवश्यकता नहीं है
(2) प्रतिग्रहण को प्रदर्शन से पहले प्रतिग्रहन के प्रस्ताव का ज्ञान होना चाहिए
(3) स्वीकर्ता प्रतिग्रहन के लिए शर्त के प्रदर्शन के पश्चात प्रस्ताव का ज्ञान प्राप्त कर सकता है।
(4) ज्ञान से कोई फर्क नहीं पड़ता जब तक कार्य किसी जानकारी के साथ या बिना जानकारी के साथ किया जाए ।

Ans. [2]

93. जहां सह-निर्णय देनदार संयुक्त वचनदाता की स्थिति में हैं, प्रत्येक

(1) डिक्री धारक के लिए संयुक्त और पृथक रूप से उत्तरदायी नहीं
(2) डिक्री धारक के लिए संयुक्त और पृथक रूप से उत्तरदायी
(3) केवल डिक्री धारक के लिए संयुक्त रूप से उत्तरदायी
(4) केवल डिक्री धारक के लिए पृथक रूप से उत्तरदायी

Ans. [2]

विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	No. of Questions	Total No. of Ques.	Weightage
AIBE 3rd (2012)	24	1	1%
AIBE 4th (2012)	24, 32, 36	3	3%
AIBE 5th (2013)	15, 22, 17	3	3%
AIBE 6th (2014)	36, 37	2	2%
AIBE 7th (2014)	20, 21, 34, 38, 47	5	5%
AIBE 8th (2015)	-	-	-
AIBE 9th (2016)	38, 58, 59	3	3%

Examination – III [2012]

24. निम्न दृष्टांतों में से कौन सा संविदात्मक दायित्व का विनिर्दिष्ट निष्पादन जो अधिकतम संभाव्य मंजूर हुआ है?
(1) संविदा जहां चल संपत्ति अंतरण के लिए है।
(2) संविदा जहां अचल संपत्ति अंतरण के लिए है।
(3) न्यासी जहां न्यासी की शक्तियों को भंग कर संविदा में शामिल होते है।
(4) संविदा जहां समाप्य है
(5) संविदा जहां सतत कर्त्तव्य के निष्पादन के लिए है ।

Ans. [2]

Examination – IV [2012]

24. Jus in personam का अर्थ है अधिकार इसके विरूद्ध
(1) विनिर्दिष्ट व्यक्ति
(2) स्वच्छंद जनता
(3) विनिर्दिष्ट बात
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [1]

32. निम्न कथनों में से कौनसा कथन सही है-
(1) धारा 7 के अधीन विशेष चल संपति की वसूली के लिए या विकल्प में क्षतिपूर्ति के लिए वाद हो सकेगा
(2) धारा और वितीय क्षतिपूर्ति के अधीन वस्तुओं की क्षति के लिए वादी को पर्याप्त राहत नहीं है और जो प्रार्थना राहत की वह वस्तुओं को निस्तारित करने से प्रतिवादी को रोकने की निषेधाज्ञा की है या अन्यथा उस के चोट पहुंचाने या छिपाने की या उसे लौटाने की ।
(3) (1) और (2) दोनों
(4) सभी गलत है।

Ans. [4]

36. निम्न कथनों में से कौनसा कथन गलत है-
(1) विशिष्ट राहत अधिनियम, 1963 जम्मू एवं कश्मीर राज्य के अलावा पूरे भारत तक विस्तारित है
(2) विशिष्ट निस्पादन वहां अनुदत जहां हानि के अभिनिश्चय के लिए कोई मानदंड नहीं है
(3) जहां व्यथित पक्ष धन में पर्याप्त से भरपाई पाता है, वह केवल हानियों के लिए आज्ञप्ति पाएगा, न कि वसूली अधिकार
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

Ans. [4]

Examination – V [2013]

15. विशिष्ट राहत अधिनियम की धारा 41 के अधीन निषेधाज्ञा नहीं दी जा सकती
(1) किसी व्यक्ति को उस न्यायालय जिससे निषेधाज्ञा चाही गई है उससे अधीनस्थ नहीं वाले न्यायालय में किसी कार्यवाही को प्रस्तुत या अभियोजित करने से रोकने के लिए
(2) किसी विधायी निकाय को आवेदन करने से किसी व्यक्ति को रोकने के लिए
(3) दांडिक मामले में किसी कार्यवाही को पेश या अभियोजित करने से रोकने के लिए
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

22. विशिष्ट राहत की प्रदानता न केवल वैयक्तिक नागरिक अधिकारों को प्रवर्तन करने के प्रयोजन के लिए हो सकती है केवल दंड कानून के प्रवर्तन के लिए नहीं। कौनसा प्रावधान इस प्रतिबंध में लाया जाता है।
(1) धारा 4
(2) धारा 5
(3) धारा 7
(4) धारा 10

Ans. [1]

17. न्यासी की ओर से अपनी शक्तियों से अतिरेक में या न्यास के भंग में किया गया संविदा विशेषतया प्रवर्तन नहीं हो सकता, अनुसार"
(1) धारा 12
(2) धारा 11 (2)
(3) धारा 12(2)
(4) धारा 13

Ans. [2]

Examination – VI [2014]

36. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम की धारा 9 के तहत, जिस व्यक्ति के विरुद्ध अनुतोष का दावा किया गया है वह बचाव के लिए किसी आधार पर अभिवचन कर सकता है जो उसके पास उपलब्ध है।
(1) अपकृत्य कानून अधीन
(2) संविदा से संबंधित किसी कानून के अधीन
(3) भारतीय दंड संहिता के अधीन
(4) दांडिक प्रक्रिया संहिता के अधीन

Ans. [2]

37. निम्नलिखित संविदा विशेष रूप से प्रवर्तन नहीं हो सकती"
(1) संविदा जिसके निर्वाह में कर्तव्य का सतत निर्वाह सम्मिलित, जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण नहीं कर सकता
(2) संविदा जिसके निर्वाह में कर्तव्य का सतत निर्वाह सम्मिलित, जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण कर सकता
(3) एक अपकृत्य जिसके निर्वहन में निरंतर दायित्व का प्रदर्शन शामिल होता है
(4) ऐसा अनुबंध जिसका पालन न करने पर मुआवज़ा पर्याप्त राहत नहीं है

Ans. [1]

Examination – VII [2014]

20. निम्न में से कौन सा साम्या पर आधारित विधि है ?
(1) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872
(2) भारतीय दंड संहिता, 1863
(3) भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932
(4) विशिष्ट राहत अधिनियम, 1963

Ans. [4]

21. विशिष्ट राहत अधिनियम की कौनसी धारा अस्थायी निषेधाज्ञा का वर्णन करती है-
(1) धारा 45
(2) धारा 41
(3) धारा 37
(4) धारा 36

Ans. [3]

34. एक्स डोलो मालो ओरिटूर एक्टियो है-
(1) कारवाई जो तभी उभरती है जब अधिकार का अतिलंघन हुआ है।
(2) कार्रवाई विधिक अधिकार को रोक नहीं सकती थी
(3) अनैतिक कृत्य पर कोई कार्रवाई नहीं
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

38. विशिष्ट राहत अधिनियम, 1963 की धारा 6 में इस प्रकार कहा गया है: यदि किसी व्यक्ति को उसकी सहमति के बिना अचल संपत्ति से कानून के उचित प्रावधानों के अलावा बेदखल कर दिया जाता है, तो वह या उसके माध्यम से दावा करने वाला कोई भी व्यक्ति, ... द्वारा कब्ज़ा वापस पा सकता है। उसके; किसी भी अन्य शीर्षक के बावजूद जो ऐसे मुकदमे में स्थापित किया जा सकता है।

(1) आवेदन
(2) प्रत्यवस्थापन आवेदन
(3) वाद
(4) संदर्भ

Ans. [3]

47. विशिष्टं राहत अधिनियम, 1963 के अनुसार उस स्थिति की पहचान करिए, जिसमें संविदा में हित वाला कोई व्यक्ति उसके विखंडन के लिए वाद ला सकेगा और उस विखंडन का अधिनिर्णय न्यायालय की ओर से किया जा सकेगा।

(1) जहां संविदा वादी की ओर से शून्य किए जाने या बर्खास्त किए जाने लायक है
(2) जहां संविदा विधिपूर्वक नहीं जिसका कारण उसके स्तर पर प्रकट नहीं तथा प्रतिवादी का आक्षेप वादी की तुलना में ज्यादा है
(3) (1) और (2) दोनों
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans. [3]

Examination – IX [2016]

38. सतत निषेधाज्ञा के लिए क्या सच है

(1) यह एक न्यायिक प्रक्रिया है
(2) यह प्रकृति में निवारक है
(3) किसी कार्य का गलत तरीके से रोका गया
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [2]

58. विशिष्ट राहत अधिनियम की धारा 6 के तहत दावा किया जा सकता है

(1) अतिचारी द्वारा
(2) किरायेदार द्वारा कब्ज़ा
(3) नौकर
(4) प्रबंधक द्वारा

Ans. [2]

59. एक दावा में निषेधाज्ञा की अनुमति नहीं दी जा सकती है"

(1) जिसमें विशिष्ट प्रदर्शन लागू नहीं कर सकते
(2) विशिष्ट संविदा लागू करने के लिए नकारात्मक अनुबंध का उल्लंघन
(3) घोषणा के लिए जहां वादी का कब्जा है
(4) न तो (1), न ही (2) न ही (3)

Ans. [1]

संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	43, 44, 47, 63, 71-77	11	11%
AIBE 4th (2012)	34, 35	2	2%
AIBE 5th (2013)	57, 60	2	2%
AIBE 6th (2014)	31-34	4	4%
AIBE 7th (2014)	22, 27	2	2%
AIBE 8th (2015)	4, 43	2	2%
AIBE 9th (2016)	53, 57, 91, 92, 93	5	5%

Examination – III [2012]

43. निम्न कथनों में से कौन सा कथन अचल संपत्ति के स्वत्व की परीक्षा के संबंध में कम से कम सही है।

(1) अचल संपत्ति के स्वत्व की परीक्षा सार्वजनिक अभिलेखों में उपलब्ध सूचना को आवृत करती है मगर निजी अभिलेखों की नहीं।
(2) अचल संपत्ति के स्वत्व की परीक्षा सामान्यतया स्वत्व के उद्धरण को तैयार करने के साथ शुरु होती है।
(3) अचल संपत्ति के स्वत्व की परीक्षा विगत संलेखों, न्यासों और संपत्ति पर अन्य भारों की समीक्षा करना सम्मिलित करती है।
(4) अचल संपत्ति के स्वत्व की परीक्षा स्वत्व में किसी दोष को उद्धारित करना चाहती है।
(5) अचल संपत्ति के स्वत्व की परीक्षा का ध्येय यह अभिनिश्चय करना है कि चाहे तो क्या स्वत्व प्रत्येक नए स्वामी को सही रूप से पारित हुआ है।

Ans. [1]

44. निम्न में से कौन सा कथन संपत्ति के अंतरण के विलेख से उद्भूत पक्षों के संबंध में सर्वाधिक सही-सही है।

(1) उस विलेख के दोनों पक्षों को संविदा करने के लिए सक्षम होने की जरुरत है।
(2) उस विलेख का पक्ष अवयस्क नहीं हो सकता।
(3) संविदा से उद्भूत विलेख से अलग, संपत्ति के अंतरण से उद्भूत विलेख को दो पक्षों की जरुरत नहीं।
(4) व्यक्ति जिस पर उस विलेख के अधीन कोई दायित्व लगाया गया है वह संविदा करने के लिए सक्षम हो।
(5) निःशक्त व्यक्ति उस विलेख का पक्ष नहीं हो सकता।

Ans. [4]

47. क जो बतीस वर्ष की उम्र का है, उसने अपनी पुत्री ख को भूखंड के अंतरण का उपहार विलेख निष्पादित किया, पुत्री की आयु नौ वर्ष उस समय है। दस वर्ष बाद ख ने भूखंड का अंतर अपने चचेरे भाई ग को रियायती मूल्य रुपए बीस हजार मात्र पर किया । क्या ग के पास संपत्ति का विधिं मान्य स्वत्व है?

(1) ग को संपत्ति का विधि मान्य स्वत्व प्राप्त क्योंकि पहला और दूसरा, दोनों अंतरण मान्य अंतरण थे, जैसा कि दोनों मामलों में संविदा के लिए अंतरक सक्षम था।
(2) ग को संपत्ति का विधि मान्य स्वत्व प्राप्त है क्योंकि संपत्ति के अंतरण से संबंधित विलेख में अंतरिती अवयस्क हो सकता है।
(3) ग को संपत्ति का विधि मान्य स्वत्व नहीं है क्योंकि ख दूसरे कार्य-विवरण में संविदा के लिए सक्षम नहीं था।
(4) चाहे तो ग के विधि मान्य के स्वत्व का अभिनिश्चय इस आधार पर न्यायालय की ओर से किया जाए कि चाहे तो रियायती कीमत को समुचित विचारण माना जाए।
(5) ग को संपत्ति का विधि मान्य स्वत्व नहीं अवयस्क संपत्ति का अंतरण केवल तभी कर सकता है जब अवयस्क पर अंतरण के लिए विचारण का कोई दायित्व न हो ।

Ans. [5]

63. क ने ख के साथ पट्टा करार पर हस्ताक्षर किए। पट्टा दस्तावेज का कथ्य के क अपने 'खाद्य अति बाजार' का पट्टा ख को करेगा। निम्न कथनों में से कौन सा कथन 'अति बाजार' के अर्थ के संबंध में सिद्धांत की प्रयुक्तता पर सर्वाधिक सही-सही है।

(1) अति बाजार' का अर्थ पूर्वगामी शब्द से सीमित अर्थात दुकान जो कि जहां खाद्य तथा अन्य तीव्र चल उपभोक्ता माल बिकता है।
(2) 'अति बाजार' का अर्थ पूर्वगामी शब्द से सीमित अर्थात दुकान जहां खाद्य भी बेचा जाता है ।
(3) 'अति बाजार' का अर्थ पूर्वगामी शब्द से सीमित अर्थात दुकान जहां खाद्य की सामग्री बेची जाती है ।
(4) अति बाजार के अर्थ में स्वतः ही खाद्य सामग्री के साथ ही विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं का विक्रय सम्मिलित है ।
(5) 'अति बाजार' का अर्थ पूर्वगामी शब्द से समर्थित है जिसका अर्थ दुकान जहां खाद्य की उच्च पौष्टिक सामग्री का विक्रय होता है।]

Ans. [3]

71. 'निहित हित' और 'समाश्रित हित' के मध्य संबंध को निम्न में से कौन सा कथन सर्वाधिक सटीकता से वर्णित करता है भारत में संपत्ति अंतरण के संचालन कर्त्ता कानून का ध्यान रखते हुए।

(1) समाश्रित हित निहित हित का उप समुच्य है
(2) निहित हित समाश्रित हित का उप समुच्य है
(3) निहित हित समाश्रित घटना विशेष घटने पर समाश्रित हित बन जाता है
(4) समाश्रित हित समाश्रित घटना विशेष घटने पर निहित हित बन जाता है
(5) निहित हित वैसा ही है जैसा समाश्रित हित है ।

Ans. [4]

72. भारत में संपत्ति अंतरण के संचालन के कानूनों से मान्य बंधक का प्रारुप निम्न में से कौनसा नहीं है?

(1) साम्यपूर्ण बंधक
(2) माल की सशर्त बिक्री से बंधक
(3) भोग – बंधक
(4) अंग्रेजी – बंधक।
(5) स्वत्व विलेख जमा के जरिए बंधक ।

Ans. [2]

73. निम्न में से कौनसा अनुज्ञेय संपत्ति अंतरण है?

(1) सरकार से सिविल पेंशन के लिए अधिकार का अंतरण
(2) सुखाधिकार अधिकारों का अंतरण।
(3) क्षति के लिए मुकदमा करने के अधिकार का अंतरण।
(4) सार्वजनिक अधिकारी के वेतन के अधिकार का अंतरण।
(5) कर्ज देनदारी का अंतरण अंतरक को।

Ans. [5]

74. निम्नलिखित में से किस प्रकार के बंधक में निर्धारित समय के भीतर बंधक-धन का भुगतान न करने पर 'पुरोबंध' स्वीकार्य उपाय है?

(1) सामान्य बंधक
(2) अंग्रेजी बंधक
(3) स्वत्व विलेख जमा के जरिए बंधक
(4) सुखाचार बंधक
(5) सशर्त बिक्री के जरिए बंधक

Ans. [5]

75. ए ने घर के पंजीकृत स्वामित्व विलेख बी को प्रदान करके अपने स्वामित्व वाले घर को बी, उसकी पोती को उपहार में दे दिया। दो गवाहों ने पंजीकृत शीर्षक कार्यों को सत्यापित किया। क्या उपहार वैध है और क्यों?

(1) दान विधि मान्य है क्योंकि उपरोक्त सिद्धांत इस मामले में प्रयुक्त नहीं होता, जैसा कि क का घर चल संपत्ति है, और केवल भूमि जिस पर घर बना है, वह अचल है
(2) दान विधि मान्य है, क्योंकि घर जबकि अचल संपत्ति है, स्वत्व विलेख के जरिए दान नियम से अपवाद है।
(3) दान विधि मान्य है, क्योंकि क ने अचल संपत्ति का पंजीकृत स्वत्व विलेख सुपुर्द किया है, जिसे दो गवाहों की ओर से दान की तरह सत्यापित किया गया था।

(4) दान विधि मान्य नहीं है, क्योंकि घर अचल संपत्ति है, और इसीलिए घर का दान पंजीकृत तथा गवाहों की ओर से सत्यापित होना चाहिए।
(5) दान विधि मान्य नहीं है क्योंकि क के घर का पंजीकृत स्वत्व विलेख सुपुर्द करने के बावजूद दान संव्यवहार का कोई साक्षी नहीं है।

Ans. [4]

76. A, एक हिंदू, अपने पिता B से अलग हो गया है। A, C को तीन फ़ील्ड बेचता है: D, E, और F। A, C को दर्शाता है कि वह ऐसा करने के लिए अधिकृत है। इन क्षेत्रों में से, F, A से संबंधित नहीं है। पारिवारिक संपत्ति के विभाजन के दौरान F को B द्वारा बरकरार रखा गया था। इसके बाद, B की मृत्यु हो जाती है और A को B के उत्तराधिकारी के रूप में संपत्ति प्राप्त होती है: निम्नलिखित में से कौन सा कथन नीचे दिए गए सिद्धांत का सबसे सटीक अनुप्रयोग है?

(1) ग, को विक्रय के सविदा का विखंडन प्राप्त नहीं है, क से च को उसे देना वांछित कर सकेगा।
(2) क संपत्ति का अंतरण ग को सूचना किए बिना वास्तविक अंतरिती को कर सकता है।
(3) ग को धारा 43 का लाभ सुलभ नहीं, जैसा कि वह यह मानने में भुलावे में नहीं था कि क कोच का अंतरण करने की शक्ति है।
(4) ग आनुग्रहिक अन्तरिती च के संबंध में है, और इसलिए धारा 43 का फायदा नहीं उठा सकता।
(5) चूंकि च को बेचने का अनुबंध शुरु ही से शून्य है और बीत चुका है, ग धारा 43 के अंतर्गत अधिकार का उपयोग नहीं कर सकता।

Ans. [1]

77. ए, एक विवाहित हिंदू महिला, अपनी कुछ अचल संपत्ति अपने बेटे सी के लाभ के लिए ट्रस्ट में रखने के लिए बी को हस्तांतरित करती है, जब तक कि ए की अजन्मी बेटी वयस्क नहीं हो जाती। हालाँकि, ट्रस्ट डीड में यह प्रावधान है कि यदि उसकी अजन्मी बेटी धर्म के बाहर शादी करती है, तो अचल संपत्ति ट्रस्ट के पक्ष में वापस कर दी जाएगी और सी को हस्तांतरित कर दी जाएगी। निम्नलिखित में से कौन सा कथन हस्तांतरण के संबंध में नीचे दिए गए सिद्धांत का सबसे सटीक अनुप्रयोग है अजन्मी बेटी को?

(1) अंतरण विधि मान्य नहीं, जैसा कि क ने अचल संपत्ति का अंतरण न्यास को किया है, और अतः जीवित व्यक्ति को कोई अग्रगामी अंतरण नहीं है।
(2) अंतरण विधि मान्य नहीं है, क्योंकि वह सशर्त है इस पर कि चाहे तो क्या क की अजात पुत्री धर्म के अन्दर विवाह करती है, तथा यह संपत्ति में बाकी हित का समूचा अंतरण नहीं है।
(3) अंतरण विधि मान्य है।
(4) अंतरण विधि मान्य नहीं है क्योंकि क ने संपत्ति का अंतरण ग को किया है और उसकी अजात पुत्री को उसी न्यास विलेख से।
(5) अंतरण विधि अमान्य नहीं है क्योंकि उसकी अजात पुत्री को अंतरण सशर्त है उसके व्यस्क होने की, और यह संपत्ति में बाकी हित का समूचा अंतरण नहीं है।

Ans. [2]

Examination – IV [2012]

34. संपति अंतरण अधिनियम, 1882 अजन्मा व्यक्ति निहित हित अपने लाभ के अंतरण पर अवाप्त करता है संपति अंतरण अधिनियम के अधीन "-

(1) अपने जन्म पर
(2) अपने जन्म के सात दिन बाद
(3) अपने जन्म के पन्द्रह दिन बाद
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [1]

35. संपति अंतरण अधिनियम की कौन सी धारा दुर्भर दान से व्यवहत है?

(1) धारा 127
(2) धारा 126
(3) धारा 125
(4) धारा 124

Ans. [1]

Examination – V [2013]

57. किस संपति का अंतरण संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 6 के अंतर्गत नहीं किया जा सकता"-

(1) अधिष्ठायी संपत्ति को छोड़कर सुखाधिकार
(2) संपत्ति में हित उसके उपभोग में निषिद्ध मालिक के लिए वैयक्तिक
(3) भविष्य में रख रखाव के लिए अधिकार जिस किसी तरीके में उत्पन्न, सुरक्षित या निर्धारित
(4) उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

60. क ने संपत्ति का जिसका वह स्वामी है ख को अंतरण न्यास में किया जिसके लिए क तथा उसकी आशयित पत्नी उत्तरोत्तर अपने जीवन के लिए. ओर उत्तरजीवी की मृत्यु के पश्चात, ज्येष्ठ पुत्र के लिए आशयित विवाह जीवन के लिए और उसके निधन के बाद क के दूसरे पुत्र के लिए क्या ज्येष्ठ पुत्र के लाभ के लिए बना हित प्रभाव पाता है -

(1) हां
(2) नहीं
(3) यह विधि मान्य अंतरण है
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

Examination – VI [2014]

31. संपत्ति अंतरण अधिनियम अंतरण पर लागु होता है

(1) संयुक्त परिवार में बंटवारे द्वारा
(2) जीवित व्यक्तियों के बीच
(3) सजीव एवं असजीव दोनों वस्तुओं के बीच
(4) सजीव एवं निर्जीव व्यक्तियों के बीच

Ans. [2]

32. ए की संपत्ति, जिसका वह मालिक है, बी को ए और उसकी इच्छित पत्नी के ट्रस्ट में क्रमिक रूप से उनके जीवन के लिए, और, उत्तरजीवी की मृत्यु के बाद, इच्छित विवाह से उत्पन्न सबसे बड़े बेटे के लिए, और उसकी मृत्यु के बाद दूसरा बेटा को में स्थानांतरित कर देता है। ज्येष्ठ पुत्र के लाभ के लिए इस प्रकार रुचि पैदा की गई

(1) प्रभाव प्राप्त नहीं करता
(2) प्रभाव प्राप्त करता है
(3) आंशिक प्रभाव प्राप्त करता है
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

33. अग्रिम या ऋण के माध्यम से दिए जाने वाले धन, मौजूदा या भविष्य के ऋण, या किसी संलग्न बाध्यता को सुरक्षित करने के उद्देश्य से विशिष्ट अचल संपत्ति में हित का अंतरण जो आर्थिक दायित्व को जन्म दे सकता है – कहलाता है –

(1) क्रय
(2) उपहार
(3) बंधक
(4) पट्टा

Ans. [3]

34. अचल संपत्ति का पट्टा साल-दर-साल, या एक वर्ष से अधिक किसी भी अवधि के लिए या वार्षिक किराया आरक्षित करके, केवल एक व्यक्ति द्वारा ही किया जा सकता है।

(1) मौखिक करार (2) लिखित करार
(3) विभाजन (4) पंजीकृत विलेख

Ans. [4]

Examination – VII [2014]

22. भरण-पोषण राशि जो अंतरित हो सकती है.......

(1) भविष्यकार भरण-पोषण
(2) भविष्य के भरण-पोषण का अधिकार
(3) तिथि विशेष तक भरण-पोषण का बकाया
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

27. अधिकतम अवधि जिसके दौरान संपति का निवेश हो सकता है"-

(1) केवल पन्द्रह वर्ष
(2) एक या अधिक जीवन या अन्तरण की तिथि के रूप में तथा अजात व्यक्ति की नाबालिगी
(3) अंतरणकर्ता के जीवन के दौरान और अजात व्यक्ति की नाबालिगी अवधि
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

Examination – VIII [2015]

4. संपति अंतरण अधिनियम, 1882 के अधीन कौनसी धारा अचल संपति के क्रेता और विक्रेता के अधिकारों और जिम्मेवारियों के बारे में विचार-विमर्श करती है?

(1) 45 (2) 54
(3) 55 (4) 44

Ans. [3]

43. 'क' ने 'ख' को संपति का हस्तांतरण जीवन भर के लिए किया, तथा उसकी मृत्यु के बाद ग और घ में उनके बीच बराबर बांटते हुए या उनमें से बचे हुए लोगों को । ग का निधन ख के जीवन काल के दौरान ही हो गया । 'घ' जीवित 'ख' का 'ख' की मृत्यु पर ....

(1) संपति घ को मिलती है
(2) संपति क के वारिसों को वापस हो जाती है
(3) संपति स्वामीहीन जैसी घोषित होती है
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Examination – IX [2016]

56. संपत्ति अधिनियम, 1882 के तहत स्थानांतरण

(1) एक लोक अधिकारी के वेतन को स्थानांतरित किया जा सकता है
(2) एक लोक अधिकारी के वेतन को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है
(3) सार्वजनिक कार्यालय स्थानांतरित किया जा सकता है
(4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans. [2]

57. जहां एक उधार स्थानांतरित किया जा रहा है, जिसका प्रयोजन मौजूदा या भविष्य में कर्ज हासिल करना है, यदि अंतरणकर्ता द्वारा प्राप्त किया जाता है या स्थानांतरण करने वाला इसे प्राप्त करता है तो इस तरह का स्थानांतरण, जो कि किया गया है, में वसूली की लागत का भुगतान प्रथम होगा। यह प्रावधान है

(1) बंधक ऋण (2) दान
(3) अनुयोज्य दावे (4) पट्टा संबंधी।

Ans. [1]

91. संपत्ति स्थानांतरण अधिनियम, 1882 के प्रावधान के तहत, अजन्मा व्यक्ति अपने लाभ के लिए हस्तांतरण को प्राप्त करता है 1

(1) अपने जन्म पर
(2) अपने जन्म के 7 दिनों के पश्चात
(3) अपने जन्म के 12 दिनों के पश्चात
(4) ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

Ans. [1]

92. अचल संपत्ति के प्रत्येक हस्तांतरण, जो कि अंतरणकर्ता के लेनदारों को पराजित करने या देरी करने के इरादे से होगा, शून्यकरणीय कर दिया जाएगा जब

(1) लेनदार के विकल्प, जो कि पराजित हुआ है या देरी हुई है
(2) ऋणी के विकल्प पर
(3) न्यायलय के विकल्प पर
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

93. जहां सह-निर्णय देनदार संयुक्त वचनदाता की स्थिति में हैं, प्रत्येक

(1) डिक्री धारक के लिए संयुक्त और पृथक रूप से उत्तरदायी नहीं
(2) डिक्री धारक के लिए संयुक्त और पृथक रूप से उत्तरदायी
(3) केवल डिक्री धारक के लिए संयुक्त रूप से उत्तरदायी
(4) केवल डिक्री धारक के लिए पृथक रूप से उत्तरदायी

Ans. [2]

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	22	1	1%
AIBE 4th (2012)	38, 39	2	2%
AIBE 5th (2013)	-		-
AIBE 6th (2014)	29, 30, 38	3	3%
AIBE 7th (2014)	72, 73, 75	3	3%
AIBE 8th (2015)	46, 48	2	2%
AIBE 9th (2016)	14, 94	2	2%

Examination – III [2012]

22. निम्न में से कौन सा कथन पराक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की शब्दावली में पराक्राम्य लिखत के संबंध में कम से कम सही-सही है?

(1) पराक्राम्य लिखत' का अर्थ वचन पत्र, विनिमय पत्र अथवा चैक जो या तो आदेश या धारक को भुगताननीय है।

(2) 'पराक्राम्य एक लिखत का, अर्थात वचन पत्र, विनिमय पत्र या किसी व्यक्ति को चैक का अन्तरण जो व्यक्ति को लिखत का धारक करता है।

(3) व्यक्ति जो लिखत पर हस्ताक्षर संलग्नक करता है लिखत के पराक्राम्य के प्रयोजन के लिए वह 'पृष्ठांकनकर्ता के रुप में जाना जाता है।

(4) 'पराक्राम्य लिखत केवल धन के भुगतान के लिए होता है ।

(5) पराक्राम्य लिखत का अनुमान उपधारणा के लिए करने का आहरण का नहीं हो सकता।

Ans. [5]

Examination – IV [2012]

38. पराक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 प्रभावी हुआ

(1) 9 दिसम्बर, 1881 को

(2) 19 दिसम्बर, 1881 को

(3) 1 मार्च, 1882 को

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

39. शब्दावली "पराक्राम्य लिखित" पराक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 में परिभाषित है

(1) धारा 12 (2) धारा 13

(3) धारा -13- क (4) धारा 13 - ख

Ans. [2]

Examination – VI [2014]

29. जब कोई परक्राम्य लिखत सशर्त रूप से या किसी विशेष उद्देश्य के लिए संपार्श्विक सुरक्षा के रूप में या केवल सुरक्षित अभिरक्षा के लिए वितरित किया जाता है, न कि उसमें पूरी तरह से संपत्ति हस्तांतरित करने के उद्देश्य से, इसे कहा जाता है

(1) कल्पित हुंडी (2) असंपूर्ण विलेख

(3) निलंब लेख (4) निर्बन्ध हुंडी

Ans. [3]

30. निम्न में से कौनसा वचन पत्र है जब क ने विलेख पर हस्ताक्षर किए है?

(1) मैं ख को रूपए 10,000 /- का भुगतान मांग पर करने का वचन करता हूं

(2) ख मैंने आपसे रूपए 10,000 /- उधार लिए

(3) मैं ख को रूपए 10,000 /- भुगतान करने का वचन करता हूं और ऐसी अन्य धन राशि का जो उसमें शेष होगी

(4) मैं ख को उसके आग्रह पर रूपए 10,000/- का भ के निधन पर भुगतान करने का वचन करता हूं।

Ans. [1]

38. A एक नाबालिग को टीवी बेचता है, जो इसका भुगतान चेक के माध्यम से करता है। ए चेक एक्स को पृष्ठांकित करता है । एक्स इसे अच्छे विश्वास और मूल्य के आधार पर लेता है। प्रस्तुत करने पर यह चेक अनादरित हो गया। एक्स चेक का भुगतान लागू कर सकता है

(1) नाबालिग के विरूद्ध

(2) ए और नाबालिग के विरूद्ध

(3) केवल ए के विरूद्ध

(4) किसी के विरूद्ध प्रवर्तन नहीं कर सकता

Ans. [3]

Examination – VII [2014]

72. रेखण का रद्दकरण भी कहा जाता है -

(1) चिन्ह करण (2) रेखण का प्रारंभकरण

(3) रद्दकरण (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

73. पराक्राम्य लिखत अधिनियम की ...... टिप्पण लेखन से व्यवहृत है-

(1) धारा 100 (2) धारा 101

(3) धारा 102 (4) धारा 99

Ans. [4]

75. बैंक की ओर से जारी पराक्राम्य दावा सावधि जमा के लिए लौटाने में कहलाता है -

(1) शेयर प्रमाण पत्र (2) निगमन प्रमाण पत्र

(3) निक्षेप प्रमाण पत्र (4) सावधि जमा

Ans. [3]

Examination – VIII [2015]

46. ए/एन .... वह है जो एक व्यक्ति द्वारा निकाला जाता है और दूसरे द्वारा स्वीकार किया जाता है, बिना किसी प्रतिफल के, केवल आहरणकर्ता को बिल पर छूट देकर धन जुटाने में सक्षम बनाने के लिए।

(1) सेट में बिल

(2) दस्तावेजी बिल

(3) धारक लिखत

(4) समायोजन बिल

Ans. [4]

48. पराक्रम्य लिखत अधिनियम की कौनसी धारा लिखत के सामग्री परिवर्तन तथा उसके प्रभाव के बारे में विचार-विमर्श करती है ?

(1) धारा 77 (2) धारा 88

(3) धारा 87 (4) धारा 78

Ans. [3]

Examination – IX [2016]

14. यदि किसी लिखत को वचनपत्र या विनिमय बिल के रूप में माना जा सकता है तो यह

(1) एक वैध साधन है

(2) एक अस्पष्ट साधन है

(3) एक वापसी योग्य साधन है

(4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं ।

Ans. [2]

94. परक्राम्य प्रपत्र अधिनियम, 1881 की धारा 21 को संदर्भित किया जाता है

(1) प्रस्तुति पर (2) मांग पर

(3) दृष्टि में आने पर (4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं।

Ans. [2]

मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	No. of Questions	Total No. of Ques.	Weightage
AIBE 3rd (2012)	1,2,3,4,7	5	5%
AIBE 4th (2012)	40,45,46,50,84	5	5%
AIBE 5th (2013)	61,74	2	2%
AIBE 6th (2014)	44,45,46	3	3%
AIBE 7th (2014)	45,46	2	2%
AIBE 8th (2015)	80, 81, 82	3	3%
AIBE 9th (2016)	1,30,33,100	4	4%

Examination – III [2012]

1. निम्न में से कौनसा कथन मध्यस्थता करार के बारे में कम से कम भारत में ठीक-ठीक है?

(1) मध्यस्थता करार इस विचार का होना चाहिए कि मध्यस्थम् अधिकरण का फैसला उसके पक्षों पर बंधनकारी होगा।
(2) मध्यस्थता करार इस अपेक्षा का होना चाहिए कि मध्यस्थम् अधिकरण पक्षकारों के मुख्य अधिकारों का निर्धारण करेगा।
(3) मध्यस्थता करार की विद्यमानता विधि मान्य मध्यस्थता के लिए जरुरी है।
(4) मध्यस्थता करार का यह कथ्य होना चाहिए कि मध्यस्थम् अधिकरण के सदस्य कौन होंगे ।
(5) मध्यस्थता करार भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अधीन विधि मान्य होना चाहिए।

Ans. [4]

2. निम्न में से कौनसा आधार मध्यस्थता एवं समझौता अधिनियम, 1996 के अधीन मध्यस्थता अधिनिर्णय को अपास्त करने के लिए नहीं है?

(1) मध्यस्थता अधिनिर्णय सार्वजनिक नीति से टकराता है।
(2) मध्यस्थता अधिनिर्णय साक्ष्य का विवेचन समुचितता से करने में विफल रहा है।
(3) मध्यस्थता करार कानून की दृष्टि में विधि अमान्य है ।
(4) मध्यस्थता अधिनिर्णय मध्यस्थता करार के रुपरेखा संदर्भ के विषय क्षेत्र से परे था।
(5) माध्यस्थम् अधिकरण अवैध मामले में संयोजित था ।

Ans. [2]

3. विशेषज्ञ निर्धारण के बारे में निम्न में से कौनसा कथन कम से कम ठीक-ठीक है?

(1) विशेषज्ञ का निर्धारण वांछित करता है कि विवाद स्वतंत्र तीसरे पक्ष को संदर्भित हो।
(2) विशेषज्ञ का निर्धारण मध्यस्थता अधिनिर्णय की तरह प्रवर्तनीय नहीं है।
(3) विशेषज्ञ के निर्धारण को न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है।
(4) विशेषज्ञ का निर्धारण पक्षकारों के बंधन के मंतव्य का नहीं ।
(5) विशेषज्ञ को निर्धारण के लिए कारण देने की आवश्यकता नहीं ।

Ans. [3]

4. निम्न में से कौनसा मध्यस्थी कार्यवाही में निपटारा करार का कम से कम संभाव्य वांछित है?

(1) निपटारा करार संतुलित तथा प्रत्येक पक्ष के लिए लाभ को प्रतिबिंबित करने वाला होना चाहिए
(2) निपटारा करार लिखित में होना चाहिए
(3) निपटारा करार निर्णय भाषा में अभिव्यक्त होना चाहिए
(4) निपटारा करार में उसका क्रियान्वयन करने में प्रत्येक पक्ष के उत्तरदायित्व का वर्णन होना चाहिए
(5) निपटारा करार में यह कथन होना चाहिए कि पक्षों का भविष्य में क्या संबंध हो।

Ans. [3]

7. क तथा ख ने विवाद का मध्यस्थम् अधिकरण को संदर्भ किया। अधिकरण ने अधिनिर्णय पारित किया परन्तु दोनों पक्षों का सोचना है कि अधिकरण ने विधि के प्रयुक्तनीय बिन्दु पर गलत दृष्टिकोण अपनाया है। क्या पक्ष इस आदेश के विरुद्ध न्यायालय में संपर्क कर सकते हैं?

(1) नहीं, जब तक वे यह दलील न करें कि अधिनिर्णय लोक नीति के विरुद्ध है।
(2) हां, क्योंकि न्यायालय उनके विधि के वैकल्पिक विचार का समर्थन कर सकता है।
(3) हां, मगर केवल तभी जब दोनों पक्ष सहमत हों कि अधिकरण का अधिनिर्णय गलत है।
(4) हां, मगर केवल तभी यदि अधिकरण अधिनिर्णय को अधिनिर्णय अपील योग्य बनाता है।
(5) हां, मगर केवल नए सिरे से वाद के रुप में, और अधिकरण अधिनिर्णय से अपील जैसा नहीं।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

40. भारत में यह मध्यस्थता एवं समझौता अधिनियम का अधिनियम इस वर्ष में हुआ था

(1)	1992	(2)	1993
(3)	1994	(4)	1996

Ans. [3]

45. भारतीय मध्यस्थता परिषद इस वर्ष में स्थापित हुई थीं

(1)	1956	(3)	1965
(2)	1976	(4)	1996

Ans. [3]

46. कानून मध्यस्थ अर्थात् " -

(1) मध्यस्थम अधिकरण भारत में कार्यरत, सिंगापुर में प्रयुक्त
(2) उचित कानून
(3) मध्यस्थता कानून
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

Ans. [4]

50. मध्यस्थता एवं समझौता अधिनियम की धारा 10 की उप-धारा (i) इसके बारे में बात कहती है

(1) मध्यस्थता की शक्ति
(2) मध्यस्थता की संख्या
(3) मध्यस्थता की क्षमता
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

84. दावा अधिकरण के पंचाट के विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अधीन इसके अधीन की जा सकती है:

(1)	धारा 171	(2)	धारा 172
(3)	धारा 173	(4)	धारा 174

Ans. [3]

Examination – V [2013]

61. मध्यस्थता कार्यवाही का प्रारंभ होना माध्यस्थम एवं समझौता अधिनियम, 1996 की धारा 9 के अधीन अनुज्ञा या मनाही के रूप में अंतरिम राहत पर निर्भर नहीं। किस प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने यह अभिधारित किया।"

(1) फर्म अशोक ट्रेडर्स एवं अन्य बनाम गुरुमुख दास सलूजा एवं अन्य
(2) एम.एम.टी.सी. लिमिटेड बनाम स्टेरिल इंडस्ट्रीज (भारत) लिमिटेड
(3) नेशनल थर्मल पॉवर कारपोरेशन बनाम फ्लोमोर (प्राइवेट) लिमिटेड
(4) मैग्मा लीजिंग लि. बनाम एम ई पी सी माइक्रोन लि.

Ans. [1]

74. .... प्रक्रिया है जिसके जरिए इच्छुक पक्ष विवाद का निपटारा करते है, कार्रवाई के अनुक्रम पर सहमत होते है, वैयक्तिक या सामूहिक फायदों की सौदेबाजी करते है, तथा / अन्यथा उन नतीजों का कर्म करते है जिससे उनके आपसी हित थे ।

(1)	विशेषज्ञ निर्धारण	(2)	माध्यस्थम्
(3)	समाभाधान	(4)	समझौता

Ans. [4]

Examination – VI [2014]

44. माध्यस्थ एवं सुलह अधिनियम के अधीन मध्यस्थ करार इस रूप में हो
(1) केवल संविदा में मध्यस्थता खंड
(2) केवल पृथक करार के रूप में
(3) संविदा अथवा पृथक करार के रूप में मध्यस्थ खंड
(4) वाणिज्यिक प्रथा

Ans. [3]

45. माध्यस्थम अधिकरण की ओर से निर्णय कि संविदा नगण्य और शून्य है, होगा
(1) मध्यस्थता खंड का स्वयं विधि की ओर से विधि अमान्यता होना
(2) मध्यस्थता खंड का स्वयं विधि की ओर से विधि अमान्यता न होना
(3) मध्यस्थता खंड का वस्तुतः विधि अमान्यता होना
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

46. मध्यस्थता अधिकरण को आबद्ध नहीं होना चाहिए
(1) दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 अथवा भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 से
(2) भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 से
(3) दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 से
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Examination – VII [2014]

45. किस प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने अभिधारित किया कि माध्यस्थम एवं समझौता अधिनियम का भाग प्रथम अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्था के लिए समान रूप में प्रयुक्त हो सकेगा जो भारत से बाहर होता है, जब तक कि सभी प्रावधानों को पक्षकारों के मध्य करार के जरिए बाहर न किया जाए।
(1) भाटिया इंटरनेशनल बनाम बल्क ट्रेडिंग एस. ए.
(2) यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड – बनाम एसोसिएटेड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड
(3) हाकमसिंह बनाम गेमन (इंडिया) लिमिटेड
(4) अजमेरा ब्रादर्स बनाम सूरज नरेश कुमार जैन

Ans. [1]

46. स्थायी लोक अदालतों की स्थापना विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा के अधीन अपेक्षित है।
(1) धारा 22 – ख
(2) धारा 22 (1)
(3) धारा 22-क
(4) धारा 22

Ans. [1]

Examination – VIII [2015]

80. सर्वोच्च न्यायायल ने कहा की भले ही किसी 'केन्द्रीय प्रबंधन और नियत्रंण' कहीं भी किया जाता हो , भारत में निगमित कंपनियां अपने मध्यस्थता के शासी कानून के रूप में विदेशी कानून का चयन नही कर सकती हैं ।
(1) टी डी एम इन्फ्रास्ट्रक्चर (प्राइवेट) लिमिटेड बनाम यू ई डवलपमेंट इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड
(2) कोर्नड् केमिकल्स लिमिटेड बनाम सी. एन. रामचंद
(3) श्रीजी ट्रेको (आई) प्राइवेट लिमिटेड बनाम पेपर लाइन इंटरनेशनल इंक
(4) भाटिया इन्टरनेशनल बनाम बल्क ट्रेडिंग

Ans. [1]

81. निर्णय .... एक ओर मध्यस्थ पंचाट की अंतिमता और दूसरी ओर अनुमेय न्यायिक समीक्षा के बीच, मॉडल कानून (और धारा 34 में निहित) द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए गए नाजुक संतुलन को बिगाड़ देता है।
(1) रेणु सागर पॉवर कंपनी बनाम जनरल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन
(2) ओ एन जी सी बनाम शॉ पाइप्स लिमिटेड
(3) सुन्दरम फाइनेन्स बनाम एन ई पी सी
(4) ओलिम्प्स सुपर स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम मीना विजय खेतान

Ans. [2]

82. मध्यस्थता अधिनियम 1996 की कौन सी धारा सुलह प्रक्रिया में पक्षों के सम्मिलित की अनुज्ञा करती है भले ही जबकि माध्यस्थम कार्यवाही चल रही है?
(1) धारा 30 (2) धारा 10
(3) धारा 40 (4) धारा 20

Ans. [1]

Examination – IX [2016]

1. सुलह प्रक्रिया है-
(1) किसी भी न्यायिक कार्यवाही में साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है।
(2) केवल मध्यस्थ कार्यवाही में साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है।
(3) केवल जज या मध्यस्थ के विवेक पर साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है।
(4) किसी भी न्यायिक या मध्यस्थता कार्यवाही में साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल नहीं की जा सकती।

Ans. [4]

30. वर्तमान 1996 का मध्यस्थता और सुलह अधिनियम पर आधारित है
(1) भारत के संविधान पर
(2) भारत के उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों पर
(3) यूरोपीय वाणिज्यिक मध्यस्थता प्रक्रिया पर
(4) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून पर संयुक्त राष्ट्र आयोग पर (यूनिसिट्रल)

Ans. [4]

33. मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 के प्रावधानों की व्याख्या 1940 अधिनियम के अंतर्निहित सिद्धांतों से अप्रभावित रह कर की जाना चाहिए। यह टिप्पणी की गई
(1) एमएमटीसी लिमिटेड बनाम स्टरलाइट उद्योग (इंडिया) लिमिटेड
(2) सुंदरम फाइनेंस लि बनाम वीएनईपीसी लिमिटेड
(3) ओलपंस सुपरस्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड विरूद्ध मीरा विजय
(4) ओरमा इंपेक्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम निसारी प्राइवेट लिमिटेड मामले में

Ans. [2]

100. इनमें से कौन सा गलत बयान है
(1) मध्यस्थता निर्णय एक संविदा है।
(2) मध्यस्थता निर्णय लिखित में होकर, हस्ताक्षरित होना चाहिए
(3) मध्यस्थता निर्णय में एक अंतरिम निर्णय भी शामिल है
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans. [1]

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	-	-	-
AIBE 4th (2012)	3, 10	2	2%
AIBE 5th (2013)	34	1	1%
AIBE 6th (2014)	90	1	1%
AIBE 7th (2014)	-	-	-
AIBE 8th (2015)	89, 90, 92	3	3%
AIBE 9th (2016)	49, 68	2	2%

Examination – IV [2012]

3. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 संयुक्त राष्ट्र महा सभा के प्रस्ताव का प्रधानता से आधारित है जो प्रस्ताव इसमें वार्ता से है:

(1) यूएन सी आई टी. आर ए एल
(2) यू एन सी टी ए डी
(3) यू एन ई सी ओ एस ओ यू
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

Ans. [4]

Examination – V [2013]

34, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम इस वर्ष में संचालन में लाया गया

(1) 1987 (3) 1985
(2) 1986 (4) 1984

Ans. [2]

Examination – VI [2014]

90. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार, राष्ट्रीय आयोग के पास उन शिकायतों पर अधिकार क्षेत्र होगा जहां वस्तुओं या सेवाओं का मूल्य और दावा किया गया प्रतिकर, यदि कोई हो, रुपये से अधिक हो।

(1) 2 लाख (2) 10 लाख
(3) 20 लाख (4) 50 लाख

Ans. [3]

Examination – VIII [2015]

89. जिला अदालत की ओर से किए गए आदेश से कोई व्यक्ति उस आदेश के खिलाफ अपील को उस आदेश की तारीख से . . . दिन के अन्दर कर सकेगा।

(1) राज्य आयोग, तीस दिन
(2) राज्य अधिकरण, तीस दिन
(3) राज्य मंच, तीस दिन
(4) राज्य आयोग, साठ दिन

Ans. [1]

90. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुरूप तीन अदालत में शिकायतकर्ता विचारार्थ ग्रहण करने के लिए प्रयुक्त अवधि सीमा क्या है?

(1) कार्रवाई का कारण उत्पन्न होने की तारीख से दो वर्ष
(2) सामग्री खरीद की तारीख से दो वर्ष
(3) तीन वर्ष
(4) उपराक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

92. राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग इस वर्ष गठित हुआ था ?

(1) 1998 (2) 1988
(3) 1999 (4) 2000

Ans. [2]

Examination – IX [2016]

49. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत राष्ट्रीय आयोग के समक्ष शिकायत दाखिल करने की सीमा की अवधि है

(1) उस तारीख से 1 साल, जिस पर कार्रवाई का कारण उत्पन्न हुआ हो
(2) उस तारीख से 2 साल, जिस पर कार्रवाई का कारण उत्पन्न हुआ हो
(3) उस तारीख से 3 साल, जिस पर कार्रवाई का कारण उत्पन्न हुआ हो
(4) उस तारीख से 4 साल, जिस पर कार्रवाई का कारण उत्पन्न हुआ हो

Ans. [2]

68. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों के तहत नकली सामान का अर्थ है

(1) ऐसी वस्तुएं और सेवा, जो कि घटिया गुणवत्ता के हैं
(2) ऐसी वस्तुएं और सेवा, जिनके वास्तविक होने का दावा तो किया जाता है लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं होता
(3) ऐसी वस्तुएं और सेवा, जो चोरी की हो सकती हैं
(4) ऐसी वस्तुएं और सेवा, प्रयोग करने के योग्य नहीं हैं।

Ans. [2]

अधिवक्ता अधिनियम, 1961

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	21,64,65,66,67,68,69,70	8	8%
AIBE 4th (2012)	37,42,43,44	4	4%
AIBE 5th (2013)	75,76,78	3	3%
AIBE 6th (2014)	39,40,41,42	4	4%
AIBE 7th (2014)	40,41,42,43	4	4%
AIBE 8th (2015)	66,74,75,76	4	4%
AIBE 9th (2016)	29,43,44,99	4	4%

Examination – III [2012]

21. क जो अधिवक्ता है, उसे सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना न्यायालय के न्यायाधीश को प्रभावित करने के प्रयास करने के जरिए करना पाया गया। क को अवमानना के लिए दंडित करने को, सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश कि क का अधिवक्ता के रूप में कार्य करने का अनुज्ञप्ति पत्र रद्द किया जाए। क्या सर्वोच्च न्यायालय यह करता है?

(1) हां, सर्वोच्च न्यायालय अधिवक्ता के रुप में वृत्ति कार्य करने का 'क' का अनुज्ञप्ति पत्र रद्द कर सकता है, चूंकि वह अभिलेख न्यायालय है और उसे स्वयं की अवमानना के लिए दंड देने की शक्ति है ।
(2) हां, सर्वोच्च न्यायालय अधिवक्ता के रूप में वृत्ति कार्य करने का 'क' का अनुज्ञप्ति पत्र रद्द कर सकता है चूंकि वह देश में उच्चतम न्यायालय है तथा अधिवक्ता जो सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना में है, कार्यवृति करने का उसे अधिकार नहीं होना चाहिए।
(3) नहीं, सर्वोच्च न्यायालय 'क' का कार्यवृति का अनुज्ञप्ति पत्र रद्द नहीं कर सकता, चूंकि अधिवक्ता का अनुज्ञप्ति पत्र एक बार अनुदत्त हो गया है, किसी आधार पर जो कोई हो अपरिवर्तनीय है ।
(4) नहीं, सर्वोच्च न्यायालय ऐसा नहीं कर सकता, चूंकि अवमानना के लिए सजा देने की उसकी शक्तियां जुर्माना या करावास तक विस्तारित है, परन्तु अधिवक्ता का कार्यवृति का अनुज्ञप्ति पत्र रद्द करने तक नहीं।

Ans. [4]

64. अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के अनुसार, निम्न में से कौन कम संभवतया अधिवक्ता जैसा प्रतिगृहीत

(1) व्यक्ति जो यातायात अपराध का दोषी है।
(2) व्यक्ति जो न्यायालय की सिविल अवमानना का दोषी है।
(3) व्यक्ति जो छुआछूत (अपराध) अधिनियम, 1955 के अधीन अपराध का दोषसिद्ध हुआ है ।
(4) व्यक्ति जो आत्महत्या के प्रयास का अभियुक्त है।
(5) व्यक्ति जिससे पूर्व में पुलिस की ओर से पूछताछ की गई थी।

Ans. [3]

65. अधिवक्ताओं के नियोजन पर पाबन्दी के बारे में कम सही है?

(1) वकालात करने वाला अधिवक्ता व्यक्तिगत रुप से किसी व्यवसाय में नहीं लग सकता।
(2) वकालात करने वाला अधिवक्ता कंपनी के निदेशक मंडल का अध्यक्ष नहीं हो सकता!
(3) वकालात करने वाला अधिवक्ता कंपनी का निदेशक हो सकता है।
(4) वकालात करने वाला अधिवक्ता का किसी व्यक्ति का पूर्वकालीन वेतन भोगी कर्मचारी नहीं हो सकता।
(5) वकालात करने वाला अधिवक्ता प्रतिष्ठान में निष्क्रिय भागीदार हो सकेगा।

Ans. [2]

66. निम्न में से कौन सा कथन अधिवक्ता के कर्त्तव्य का वर्णन नहीं करता है?

(1) अधिवक्ता को उस प्रकरण में पेश नहीं होना चाहिए जिसमें अधिवक्ता का मानना है कि वह उसमें साक्षी होगा।
(2) अधिवक्ता अपराध के अभियुक्त व्यक्ति का बचाव करेगा, इस संदर्भ के बिना कि अभियुक्त की राय है कि अभियुक्त दोषी है।
(3) अधिवक्ता का कर्त्तव्य है कि मुवक्किल कोई भी जानकारी संप्रेषित करे, उसका संरक्षण करे, भले ही यदि अवैद्य प्रयोजन के अनुसरण में है।
(4) अधिवक्ता को किसी भी समय मुकदमेवाजी को नहीं भड़काना चाहिए।

Ans. [3]

67. अधिवक्ता के सूचना पट्ट के संबंध में विशिष्टता के बारे में निम्न कथनों में से कौन सा कथन कम सही है।

(1) वह वाजिब आकार का होना चाहिए।
(2) उसमें अधिवक्ता की विशेषज्ञता या वृत्ति के क्षेत्र का कथ्य हो।
(3) इसमें यह कथ्य नहीं होना चाहिए कि अधिवक्ता न्यायाधीश रहा है।
(4) इसमें यह कथ्य नहीं होना चाहिए कि अधिवक्ता बार कौंसिल का सदस्य है।
(5) इसमें यह कथ्य नहीं होना चाहिए कि अधिवक्ता किसी संगठन विशेष से सहयुक्त है ।

Ans. [2]

68. क जो अधिवक्ता है, उसने मुवक्किल ग की तरफ से धन प्राप्त किया। क ने ग को धन प्राप्त करने की जानकारी नहीं दी थी, मगर अपने खाते में दर्ज किया कि उसने ग की तरफ से धन प्राप्त किया था और राशि को उसके पूरे शुल्क के रुप में अपास्त कर दिया। यह पता लगने पर कि क ने धन प्राप्त किया है, ग ने धन की मांग की। क ने ग को आश्वस्त किया कि एक बार जब कार्यवाही पूरी हो जाए, ग को किसी भी तरीके से शुल्क का भुगतान करना होगा, और यह कि उसने अपने खाते में पहले ही दर्ज कर लिया है कि उसके शुल्क का पूरा भुगतान कर दिया गया है। इन तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में, निम्न कथनों में से कौन सा कथन नीचे के सिद्धांत पर सर्वाधिक सही प्रयुक्त है ?

(1) क ने पंजिका में यह अभिलेखन करके कि उसने ग का धन शुल्क के रुप में प्राप्त किया, अपने कर्त्तव्य का स्पष्टतया पालन किया है।
(2) क ने पंजिका में यह अभिलेखन करके कि उसने ग का धन शुल्क के रुप में प्राप्त किया, अपने कर्त्तव्य को पूरा किया है, परन्तु उसे ग को उसकी मांग पर धन सुपुर्द करना चाहिए ।
(3) ग के धन को अनुमति के बिना शुल्क के लिए अपास्त करना क की त्रुटि है।
(4) क अपने शुल्क का हकदार है, और शुल्क के रुप में धन को अपास्त करना उसके अधिकार के अन्दर था, जैसा कि उसने अपने खातों में दर्ज किया था कि उसको शुल्क का पूरा भुगतान कर दिया गया है।
(5) धन ग की तरफ से प्राप्त किया गया था और ग से नहीं, इसलिए क धन को शुल्क के रुप में अपास्त करने का हकदार था ।

Ans. [3]

69. सी ने एक वकील ए को नियुक्त किया है। बी सी की मां है और वह ए से सी द्वारा दायर मुकदमा वापस लेने के लिए कहती है क्योंकि मुकदमा पूरे परिवार के लिए सार्वजनिक शर्मिंदगी का कारण बन रहा है। A को क्या करना चाहिए?
सिद्धांत: एक वकील का कर्तव्य है कि वह केवल ग्राहक के निर्देश पर कार्य करे, किसी और के नहीं

(1) क को वाद वापस लेना चाहिए क्योंकि परिवार का नाम दांव पर है।
(2) ख का स से न्यासीय संबंध है, और इसलिए क के लिए ख के अनुदेश पर ग के परिवार के हित के लिए वाद वापस लेना ठीक रहेगा।
(3) क का कर्त्तव्य है कि मुकदमेबाजी को उकसाने से बचे, और इसलिए उसे वाद वापस लेना चाहिए।
(4) क की व्यावसायिक जिम्मेवारी है कि केवल अपने मुवक्किल ग के अनुदेशों पर कार्य करें, और ख के अनुदेशों पर वाद वापस नहीं लेना चाहिए।
(5) क को वाद वापस लेना चाहिए, जैसा कि खग की मां है, और इसलिए वह भी क की वैसी ही मुवक्किल है।

Ans. [4]

70. क पांच बच्चों में से एक है। क तथा अन्य चार परिवार की संपत्ति के समान वारिस है । सहोदरों के बीच कलह की वजह से क ने अधिवक्ता ग से संपर्क किया, जिसने उन्हें राय दी कि न्यायालय से संपर्क न किया जाए. उसकी बजाय अपने विवाद को सौहार्द्रता से निपटाया जाए। क ने जोर दिया कि ग मामलों को न्यायालय में ले जाए। ग़ को बाद में संबंधित राज्य की बार कौंसिल से निपटारा का जोर न देने के लिए फटकार मिली। क्या ग त्रुटि पर है?

(1) हां, ग त्रुटि पर है, जैसा कि उसने उचित सलाह प्रदान न करके क को मुकदमेबाजी में धकेला।
(2) नहीं, ग ने मुवक्किल को मुकदमेबाजी को टालने की सलाह देते हुए और दिए गए मामले में सुलह को बढ़ावा देते हुए अपने कर्त्तव्य का निर्वाह किया है।
(3) हां, ग का कर्त्तव्य मुकदमे को उकसाने से बचने का कर्त्तव्य है मात्र सलाह देने से भी आगे और उसे हर कीमत पर मुकदमेबाजी को टालना चाहिए ।
(4) हां, ग का कर्त्तव्य है कि अपने मुवक्किल के संरक्षण के लिए अपने कर्त्तव्य को नकारते हुए मुकदमेवाजी को उकसाने से बचे।
(5) हां, ग त्रुटि पर है, जैसा कि उसने सुलह पर जोर नहीं दिया तथा मुकदमेबाजी के लिए इच्छापूर्वक सहमत हुआ।

Ans. [2]

Examination – IV [2012]

37. भारतीय बार कौंसिल में निम्न पदेन सदस्य होता है-

(1) भारत का महान्यायवादी (2) भारत का न्यायिककर्ता
(3) 1 एवं 2 दोनों (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

42. भारतीय बार समिति पहली बार सर एडवर्ड कार्नियर की अध्यक्षता में इस वर्ष में गठित की गई थी

(1) 1927 (3) 1949
(2) 1961 (4) 1923

Ans. [4]

43. अधिवक्ता अधिनियम कब पेश किया गया था

(1) 1962 (2) 1959
(3) 1961 (4) 1966

Ans. [3]

44. अनुशासन समिति की शक्ति अधिवक्ता अधिनियम के अधीन धारा के अंतर्गत प्रदान की गई है;

(1) धारा 42 (2) धारा 53
(3) धारा 40 (4) धारा 36

Ans. [1]

Examination – V [2013]

75. 'विधिक नीति परक का बुनियादी ध्येय विधि वृत्ति के मान और मर्यादा को बनाए रखना और न्यायपीठ तथा विधिज्ञ वर्ग के मध्य मैत्रिपूर्ण सहयोग की भावना सुनिश्चित करना न्याय के उच्चतम मानकों के प्रोत्साहन में माननीय तथा निष्पक्ष व्यवहार अधिवक्ता के अपने मुवक्किल प्रतिपक्षी और गवाहों के साथ स्थापित करना; विधिज्ञ वर्ग स्वयं में मातृत्व की भावना कायम करना, और विधिवेताओं सामान्यतया समुदाय के प्रति अपने उत्तरदायित्वों के निर्वाह को सुनिश्चित करना है।' यह कथन किसका है?

(1) मुख्य न्यायाधीश मार्शल
(2) मुख्य न्यायाधीश कोक
(3) मुख्य न्यायाधीश हाल्सबरी
(4) मुख्य न्यायाधीश बेकोन

Ans. [1]

76. भारत के बार काउंसिल के किन नियमों में अपने मुवक्किल के प्रति अधिवक्ता के कर्त्तव्य का विस्तृत उल्लेख है ।

(1) 33 to 38 (2) 11 to 33
(3) 23 to 27 (4) 33 to 36

Ans. [2]

78. अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की किस धारा के अधीन नामांकन से अयोग्यता से संबंधित है?

(1) धारा 25-A (2) धारा 26-A
(3) धारा 27-A (4) धारा 24-A

Ans. [4]

Examination – VI [2014]

39. बार परिषद की सदस्यता के लिए योग्यता और अयोग्यता विहित करने की प्राधिकारिता किसे है?

(1) राज्य बार परिषद
(2) भारतीय बार परिषद
(3) भारतीय सर्वोच्च न्यायालय
(4) सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन

Ans. [2]

40. विधिक सहायता एवं सलाह भारतीय परिषद बनाम भारतीय बार परिषद प्रकरण इस मुद्दे से सम्बंधित है

(1) अधिवक्ताओं के लिए पूर्व नामांकन प्रशिक्षण विहित करना
(2) अधिवक्ता के लिए न्यूनतम योग्यता विहित करना
(3) विधि न्यायालय में पेश होने वाले अधिवक्ताओं के लिए एकीकृत वेशभूषा विहित करना
(4) अधिवक्ताओं के नामांकन पर आयु वर्जन विहित करना

Ans. [4]

41. एक राज्य से दूसरे को नामावली अंतरण के लिए आवेदन पत्र किया जाए"

(1) भारतीय बार परिषद
(2) राज्य बार परिषद जहां कोई नामांकित है
(3) राज्य बार परिषद जहां कोई अंतरण चाहता
(4) राज्य का उच्च न्यायालय जहां कोई नामांकित है

Ans. [1]

42. निम्न में से किस समिति को राज्य बार परिषद की ओर से गठित नहीं किया जा सकता

(1) विशेष समिति (2) अनुशासन समिति
(3) विधिक सहायता समिति (4) विधिक शिक्षा समिति

Ans. [4]

Examination – VII [2014]

40. अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की किस धारा के अधीन नियम बनाने की भारत के बार परिषद् की सामान्य शक्ति विचारित है?

(1) धारा 48 (2) धारा 49
(3) धारा 2 (2) (4) धारा 4 क

Ans. [2]

41. वकालात के सात दीपो का श्रेय है-

(1) न्यायाधीश एबोट पेरी (2) न्यायाधीश हेवर्ड
(3) न्यायाधीश भगवती (4) न्यायाधीश ग्रे

Ans. [1]

42. अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के अधीन कौनसी धारा भारत के बार परिषद् को अनुशासनात्मक शक्ति के बारे में कहती है?

(1) धारा 35 (2) धारा 37
(3) धारा 36 (4) धारा 39

Ans. [3]

43. अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की विधिक सहायता समिति के गठन के बारे में कहती है।

(1) धारा 9 (2) धारा 10
(3) धारा 9क (4) धारा 10क

Ans. [3]

Examination – VIII [2015]

66. अधिवक्ता को आज्ञप्ति धारक के लिए जमा धन का प्रतिधारण यहां तक कि क्रियान्वयन कार्यवाही के बाद, उसे किस मामले में दुराचरण का दृष्टांत जैसा अभिधारित किया गया था।

(1) डी सी सक्सेना संदर्भ में
(2) एम. वीरेन्द्र राव बनाम टेकचंद
(3) शंभुराम यादव बनाम हनुमानदास खत्री
(4) प्रहलाद शरण गुप्ता बनाम बार कौंसिल ऑफ इंडिया

Ans. [4]

74. किस चर्चित मामले में ये मामला सामने आया था क्या वकील ने पेशेवर कदाचार किया है और अपमानजनक, असम्मानजनक और धमकाने वाली भाषा का उपयोग करके अदालत को धमकाने, भयभीत करने और दबाव डालने की कोशिश करके न्याय की प्रक्रिया में हस्तक्षेप और बाधा डालने के लिए अदालत की आपराधिक अवमानना के अपराध का दोषी है।

(1) विनयचंद्र मिश्रा संदर्भ में
(2) पूर्व केप्टन हरीश उप्पल बनाम भारत संघ
(3) हिकमत अली खान बनाम ईश्वर प्रसाद एवं अन्य
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

75. "कदाचार" में कोई भी गतिविधि या आचरण शामिल होगा जिसे उसके अच्छे ख्याति और योग्यता वाले पेशेवर भाई उचित रूप से अपमानजनक या अपमानजनक मानेंगे। यह ध्यान दिया जा सकता है कि "कदाचार" का दायरा आचरण के नियमों की तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं है। यह इस मामले में निर्णायक रूप से साबित हुआ- /"

(1) नोटेनमेन कोरासिया बनाम एम. आर. मुरली
(2) बार कौंसिल ऑफ महाराष्ट्र बनाम एम. वी. दाबोलकर
(3) एन. जी. दस्ताने बनाम श्रीकांत एस. शिन्दे
(4) बी. एम. वर्मा बनाम उत्तराखंड नियामक आयोग

Ans. [2]

76. किस मामले में, एक पक्ष के अधिवक्ता ने विरोधी पक्ष की अत्याधिक असुविधा के लिए आस्थगन जारी रखने के लिए कहा था, जिसे सर्वोच्च न्यायालय की ओर से अभिधारित किया गया था कि उन गवाहों से जिरह को टालने के लिए आस्थगन की चाह करना जो अन्य व्यवस्था किए बिना उपस्थित हुए थे उन साक्षी की परीक्षा करने के लिए, जो कर्तव्य का त्याग है, जो कि न्यायालय के प्रति अधिवक्ता की देनदारी है यह दुराचरण की कोटि में आता है ।

(1) एन. जी. दास्ताने बनाम श्रीकांत एस. शिन्दे
(2) शंभुराम यादव बनाम हनुमानदास खत्री
(3) नोरतन मन कोरीसिया बनाम एम. आर मुरली
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Examination – IX [2016]

29. वी.सी. रंगदुराई बनाम डी. गोपालन के मामले में आयोजीत सुप्रीम कोर्ट- एक वकील जिसे निलंबित या वकालत करने से वंचित किया गया उसे उचित अवधि की समाप्ति के बाद यह साबित करना होगा कि

(1) वह अपने कर्त्तव्य त्यागने की निरर्थकता की सराहना करता है।
(2) उसने गरीबी और सच्चाई के संगत जीवन बिताया है ।
(3) उसके पास व्यवसाय संबंधी व्यवहार के लिये जरूरी नेकी और मान की गारंटी दे सके ऐसा अच्छा चरित्र है ।
(4) यह सिद्ध करने का भार निवेदक का है कि वह बिना प्रतिबंध के वकालत शुरू करने के विशेष अधिकार के योग्य है ।

Ans. [3]

43. अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 35 के प्रावधानों के तहत राज्य बार काउन्सिल को अधिकार है कि वह –

(1) वकील को फटकार लगाए
(2) ऐसी समयावधि के लिए, जो वह उचित समझे अभ्यास से अधिवक्ता को निलंबित करे
(3) अधिवक्ताओं के राज्य रोल से अधिवक्ता का नाम हटाये
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

44. राज्य बार काउन्सिल द्वारा पोषित राज्य सूचियों में शामिल होने के लिए निम्न में से क्या सही नहीं है-

(1) न्यूनतम आयु आवश्यकता 21 वर्ष हो
(2) वह एक भारतीय नागरिक हो
(3) वह नैतिक अधमता सहित किसी अपराध का दोषी नहीं पाया गया हो
(4) वह अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के तहत किसी अपराध का दोषी नहीं पाया गया हो

Ans. [2]

99. बार काउंसिल ऑफ इंडिया का नियम जिसने निर्धारित किया की 45 साल और उसके उपर के व्यक्तियों को वकील के रूप में नामांकित नहीं किया जा सकता उसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा में हटा दिया गया।

(1) ई. एस. रेड्डी बनाम बार काउंसिल ऑफ इंडिया
(2) इंडीयन काउंसिल ऑफ लिगल एड़ बनाम बार काउंसिल ऑफ इंडिया
(3) पी. शानमुगम बनाम बार काउंसिल ऑफ इंडिया
(4) लिगल कमेटी बनाम बार काउंसिल ऑफ इंडिया

Ans. [2]

पर्यावरणीय विधि

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	100	1	1%
AIBE 4th (2012)	91	1	1%
AIBE 5th (2013)	-	-	-
AIBE 6th (2014)	-	-	-
AIBE 7th (2014)	23, 24, 26	3	3%
AIBE 8th (2015)	18, 22	2	2%
AIBE 9th (2016)	6, 7, 32, 35	4	4%

Examination – III [2012]

100. क जनजाति शिकारी है, क ने राष्ट्रीय उद्यान में घुसकर तीर-कमान का इस्तेमाल किया और तेंदुए को मार डाला। क ने फिर तेंदुए की खाल उतारी और खाल ख को बेच दी। जो कि अन्य जनजाति शिकारी है। ख ने शहर जाकर खाल ग को बेच दी जो कि दुर्लभ जानवरों की खाल का लालची संग्रहकर्त्ता है। इन तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में, नीचे वाले सिद्धांत पर निम्न कथनों में से कौन सा कथन सर्वाधिक सही रुप से प्रयुत्त होता है।

(1) क, ख और ग ने संभवतः क्रमशः अनुसूचित जीव जातियों का शिकार करने, अनुसूचित जीव जातियों के व्युत्पन्नों के व्यापार और अनुसूचित जीव जातियों के व्युत्पन्नों के कब्ज़े लिए कानून का उल्लंघन किया है।
(2) ग ने संभवतः वन्य जीव व्युत्पन्नों को रखने के लिए कानून का उल्लंघन किया है, तथापि क और ख दोनों संभवतया कानून से छूट वाले है चूंकि वे जनजाति के सदस्य हैं जो रोजी रोटी के लिए बन पर निर्भर है।
(3) क ने संभवतया कानून का उल्लंघन किया चूंकि अनुसूचित जीव जातियों का शिकार करना प्रतिबंधित है। तथापि ख और ग, दोनों संभवतया कानून से मुक्त है चूंकि उन्होंने केवल चर्म का सौदा किया है और प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से तेंदुए को मारने में – संलग्न नहीं थे।
(4) क़ तथा ख दोनों ने अनुसूचित जीव जाति का शिकार के लिए कानून का उल्लंघन किया है, क्रमशः अनुसूचित के व्युत्पन्न के व्यापार के लिए कानून का भी, तथापि ग कानून से संभवतया मुक्त है चूंकि ग केवल दुर्लभ खाल के संकलन में सम्मिलित था।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

91. पर्यावरण का संरक्षण है:

(1) संवैधानिक कर्त्तव्य (2) निदेशात्मक सिद्धांत
(3) मौलिक कर्तव्य (4) (2) एवं (3) दोनों

Ans. [4]

Examination – VII [2014]

23. प्रदूषक भुगतान करे सिद्धांत से तात्पर्य है -

(1) प्रदूषक को प्रदूषण की लागत वहन करनी चाहिए क्योंकि प्रदूषण के लिए उत्तरदायी है
(2) प्रदूषक को प्रदूषण की लागत का खर्च आवश्यक रूप से वहन नहीं करना चाहिए जैसा कि प्रदूषक प्रदूषण के लिए उत्तरदायी नहीं है।
(3) प्रदूषक प्रदूषण की लागत वहन कर सकेगा जैसा कि प्रदूषण के लिए प्रदूषक उत्तरदायी हो सकता है।
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

24. "प्रदूषण नागरिक गलती है। इसके उसी स्वरूप से, यह अपकृत्य है जो समूचे समुदाय के विरूद्ध होता है। इसलिए, व्यक्ति जो प्रदूषण फैलाने का दोषी है उसे पर्यावरण की बहाली के लिए क्षति (मुआवजे) का भी भुगतान करना है। उसे उनके नुकसान का भी भुगतान करना है जो अपराधी के कृत्य से नुकसान से ग्रसित है। और, अपराधी को उदाहरणीय क्षति के भुगतान के लिए भी जिम्मेवार कहा जा सकता है ताकि वह दूसरों के लिए निवारक जैसा कृत्य करे किसी तरह में प्रदूषण न करे। तथापि, न्यायालय। किसी विचारण के अभाव में तथा प्रासंगिक वैधानिक प्रावधानों के अधीन दोषी पाए जाने पर कोई प्रदूषण जुर्माना नहीं लगा सकता" यह मंतव्य इसमें व्यक्त किया गया"

(1) एन. सी. मेहता बनाम कमल नाथ
(2) कलकता टेनेरिज प्रकरण
(3) एम. सी. मेहता. बनाम भारत संघ
(4) एपी. पोलुशन कंट्रोल बोर्ड बनाम एम. वी. नायडु

Ans. [1]

26. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की .... "पर्यावरण" को परिभाषित करती है।

(1) धारा 2 (क) (2) धारा 3 (क)
(3) धारा 1 (क) (4) धारा 11 (क)

Ans. [1]

Examination – VIII [2015]

18. जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 को बुरी तरह नियंत्रण करता है।

(1) राष्ट्र का खतरनाक प्रदूषित पानी भू जल के अन्दर निर्वहन
(2) खतरनाक वायु प्रदूषित का उत्सर्जन
(3) समुद्र का अपशिष्ट निपटान
(4) खतरनाक पदार्थों का परिवहन।

Ans. [1]

22. पर्यावरणीय (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अनुसार "पर्यावरणीय प्रदूषक" अर्थ -

(1) कोई ठोस, तरल या गैसीला पदार्थ जो उस सकेन्द्रण में मौजूद यथास्थिति या रखा क जाने वाला, जो पर्यावरण के लिए नुकसान दायक है
(2) कोई पदार्थ जो उस सकेन्द्रण मौजूद या रखा जाने वाला है, यथास्थिति जो पर्यावरण के लिए नुकसान दायक है
(3) कोई ठोस, तरल या गैसीला पदार्थ उस सकेन्द्रण में है रखा जाने वाला है, यथास्थिति, जो व्यक्ति के लिए नुकसान दायक है
(4) कोई ठोस, तरल या गैसीला पदार्थ जो उस सकेन्द्रण में मौजूदा था रखा जाने वाला है, यथास्थिति जो समाज के लिए नुकसान दायी है

Ans. [1]

Examination – IX [2016]

6. वायु (निवारण) और प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम, 1981 की धारा 16 के प्रावधानों के तहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास कौन सी जिम्मेदारी है?

(1) प्रदूषण और इसकी रोकथाम, नियंत्रण और बढ़ावा देने संबंधी समस्याओं की अन्वेषण और अनुसंधान को अंजाम देना और प्रायोजित करना ।
(2) हवा की गुणवत्ता में सुधार करना।
(3) (1) और (2) दोनों
(4) (1) और (2) दोनों नहीं ।

Ans. [3]

7. विस्फोटक के इस्तेमाल से या पानी को जहरीला बनाकर मछलियों को नष्ट करना प्रतिबंधित है

(1) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
(2) जल (प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
(3) भारतीय मत्स्य अधिनियम, 1897
(4) राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010.

Ans. [3]

32. भारतीय वन अधिनियम, 1927 के तहत परिभाषा में निम्नलिखित में से कौन सा मवेशी शामिल नहीं है

(1) मेढ (2) मेमना
(3) बिल्ली का बच्चा (4) इनमें से कोई नहीं।

Ans. [3]

35. वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत, कोई भी व्यक्ति जो कि चिड़ियाघर में किसी जानवर को छेड़ता है उसे दंडित किया जा सकता है

(1) जुर्माना, जिसकी राशि बढ़ाकर 5000 रूपए तक हो सकती है
(2) कारावास, जिसे 1 साल तक विस्तारित किया जा सकता है
(3) (1) और (2) दोनों
(4) (1) और (2) दोनों नहीं ।

Ans. [4]

मोटर वाहन अधिनियम, 1988

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	95	1	1%
AIBE 4th (2012)	-	-	-
AIBE 5th (2013)	87	1	1%
AIBE 6th (2014)	89	1	1%
AIBE 7th (2014)	13	1	1%
AIBE 8th (2015)	63, 70	2	2%
AIBE 9th (2016)	69	1	1%

Examination – III [2012]

95. ख ने क को ख के स्वामित्व वाली बस के परिचालक के तौर पर नियोजित किया। एक दिन क ने बस को लापरवाही से चलाया और सड़क- पर अनेक लोगों को घायल कर दिया। नीचे वाले सिद्धांत पर निम्न कथनों में कौन सा कथन सर्वाधिक सही-सही प्रयुक्त होता है।

(1) क की लापरवाही के लिए ख जिम्मेवार है, और पीड़ितों को मुआवजे का भुगतान करने के लिए जिम्मेवार है।
(2) क की लापरवाही के लिए क तथा ख दोनों जिम्मेवार हैं।
(3) क की लापरवाही के लिए केवल क जिम्मेवार है, जैसा कि ख ने निर्देश नहीं किया था कि क को कार्य कैसे किया जाना था।
(4) क की लापरवाही के लिए ख जिम्मेवार नहीं है, जैसा कि क जब बस चालन कर रहा था, वह नियोजन के क्रम में नहीं था।
(5) क की लापरवाही के लिए क जिम्मेवार है, मगर ख जिम्मेवार है क को किराए पर रखने की लापरवाही के लिए।

Ans. [4]

Examination – V [2013]

87. मोटर वाहन अधिनियम की धारा 20 के अधीन व्यक्ति को यदि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 189 के अधीन दंडनीय अपराध के लिए दोष सिद्ध किया गया है. न्यायालय सामान्यतया इसके लिए आदेश करेगा -

(1) केवल जुर्माना लगाने
(2) केवल दंड
(3) दंड और जुर्माना दोनों
(4) अधिनियम के अधीन अयोग्य

Ans. [4]

Examination – VI [2014]

89. 50 सीसी से अधिक इंजन क्षमता वाली मोटर साइकिल को किसी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थान पर चलाया जा सकता है

(1) सोलह वर्ष की आयु के बाद
(2) अट्ठारह वर्ष की आयु के बाद
3) पन्द्रह वर्ष की आयु बाद
(4) इक्कीस वर्ष की आयु के बाद

Ans. [1]

Examination – VII [2014]

13. ड्राइविंग लाइसेंस का नवीनीकरण मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा के अंतर्गत परिकल्पित है।

(1) धारा 20 (3) धारा 22
(2) धारा 21 (4) धारा 15

Ans. [4]

Examination – VIII [2015]

63. मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अनुसार....... वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थल पर मोटर वाहन नही चलाएगा।

(1) 20 (2) 16
(3) 18 (4) 21

Ans. [3]

70. मोटर वाहन अधिनियम की धारा 47 (3) क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को मुकाम वाहन अनुज्ञा के संख्या की सीमा के लिए प्राधिकार देती है। कार्य परक उपयोग के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

(1) यह न्यायिक कार्य है, जैसा कि प्राधिकारी का निर्णय राजकीय नीति पर आधरित है
(2) यह अर्द्ध-न्यायिक कार्य है, जैसा कि प्राधिकारी का निर्णय राजकीय नीति पर आधरित है
(3) यह प्रशासनिक कार्य है, जैसा कि प्राधिकारी का निर्णय राजकीय नीति पर आधरित है
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

Examination – IX [2016]

69. मृत्यु या स्थायी विकलांगता के मामले में मुआवजे का भुगतान करने के लिए कौन उत्तरदायी है?

(1) वाहन का स्वामी
(2) राज्य सरकार
(3) चालक
(4) बीमा कंपनी।

Ans. [1]

प्रशासनिक विधि

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	18	1	1%
AIBE 4th (2012)	76, 78	2	2%
AIBE 5th (2013)	95, 96	2	2%
AIBE 6th (2014)	82, 83, 84	3	3%
AIBE 7th (2014)	38	1	1%
AIBE 8th (2015)	71	1	1%
AIBE 9th (2016)	-	-	-

Examination – III [2012]

18. किसी राज्य के उच्च न्यायालय के फैसले के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सबसे सटीक है?
(1) यह उस राज्य के प्रशासनिक न्यायाधिकरण पर बाध्यकारी है।
(2) यह भारत में सभी प्रशासनिक न्यायाधिकरणों पर बाध्यकारी है।
(3) यह उस राज्य के प्रशासनिक न्यायाधिकरण के लिए प्रेरक मूल्य का है।
(4) भारत के किसी भी प्रशासनिक न्यायाधिकरण के लिए इसका कोई मूल्य नहीं है।
(5) इसका उस राज्य के प्रशासनिक न्यायाधिकरण के लिए कोई मूल्य नहीं है।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

76. सूक्ति "डेलीगेटस नॉन पोटेस्ट डेल" का क्या अर्थ है
(1) प्रत्यायोजन का और आगे प्रत्यायोजन हो सकता है
(2) प्रत्यायोजन का और आगे प्रत्यायोजन नहीं हो सकता है
(3) प्रत्यायोजन को उद्देश्यपरक प्रत्यायोजन का विरोध करना जरूरी है।
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

78. कानून की सर्वोच्चता, कानून के समक्ष समानता, ओर विधिक भावना की प्रधानता इस मत के सिद्धांतों का आधार है
(1) कर्णजन्य विद्यान
(2) शक्तियों का अलगाव का सिद्धांत
(3) कानून का नियम का सिद्धांत
(4) अतिरिक्त प्रत्योजन का सिद्धांत

Ans. [3]

Examination – V [2013]

95. वैध अपेक्षा का सिद्धांत का विचार-विमर्श निम्न प्रकरण में किया गया था -
(1) रामकृष्ण डालमिया बनाम न्यायविद तेंदोलकर
(2) एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ
(3) उत्तर प्रदेश राज्य बनाम दीमन
(4) भारतीय खाद्य निगम बनाम मैसर्स कामधेनु केटल फीड इन्डस्ट्रीज

Ans. [4]

96. प्राकृतिक कानून का प्रत्यय है कि"_
(1) विधायी शासक की शक्ति की युक्ति संगत यथार्थ सीमा है
(2) विधायी शासक की शक्ति की कोई सीमा नहीं है
(3) विधान की ओर से रित अधिशाषी की शक्ति की सीमा है
(4) कानून संप्रभु का समादेश है।

Ans. [1]

Examination – VI [2014]

82. उत्प्रेषण की रिट इसके विरूद्ध जारी होती है
(1) निचले न्यायालय अथवा अर्द्ध न्यायिक निकाय
(2) सार्वजनिक पदधारी
(3) सदोष परिरोध
(4) सार्वजनिक पद का अनाधिकार ग्रहण

Ans. [1]

83. Audi Alteram Partem – का आशय
(1) पक्षपात
(2) दूसरे पक्ष को सुनना
(3) कोई भी अपने खुद के मामले में न्यायाधीश नहीं हो सकता
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

84. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग गठित किया गया
(1) 31 अगस्त, 2004
(2) 31 अगस्त, 2006
(3) 31 अगस्त, 2005
(4) 31 अगस्त, 2007

Ans. [3]

Examination – VII [2014]

38. भारत का संविधान अर्द्ध न्यायिक प्रशासनिक अधिनिर्णय के साधन के रूप में अधिकरणों की धारणा को मान्य करता है
(1) अनुच्छेद 39 (क) तथा 39 (ख)
(2) अनुच्छेद 323-क तथा 323-ख
(3) अनुच्छेद 368
(4) अनुच्छेद 202-क तथा 202 – ख

Ans. [2]

Examination – VIII [2015]

71. उन प्रशासनिक फैसलों में कारणों को देने की आवश्यकता जिनसे अधिकार तथा जिम्मेवारिया प्रभावित होते है उसे सर्वोच्च न्यायालय की ओर से इसमें अनिवार्य धारित किया गया
(1) एस. एन. मुखर्जी बनाम भारत संघ
(2) उड़ीसा राज्य बनाम डॉ. वीणा पाणि देई
(3) महाराष्ट्र राज्य बनाम जलगांव नगर परिषद
(4) मोतीलाल पदमपत शुगर मिल्स कंपनी लिमिटेड बनाम यूपी राज्य

Ans. [1]

अपकृत्य विधि

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3^{rd} - 9^{th}) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3^{rd} (2012)	48, 62, 95, 96	7	7%
AIBE 4^{th} (2012)	86, 87	2	2%
AIBE 5^{th} (2013)	80, 84, 86	3	3%
AIBE 6^{th} (2014)	85, 86, 87, 88	4	4%
AIBE 7^{th} (2014)	12, 65, 68	3	3%
AIBE 8^{th} (2015)	10, 88, 96, 99	4	4%
AIBE 9^{th} (2016)	40, 79, 80	3	3%

Examination – III [2012]

48. क पहली मंजिल की बालाकिनी पर कुछ भारी औजारों से कार्य कर रहा था । कार्य के दौरान एक औजार क के हाथ से फिसल कर ख पर गया जो – नीचे गली में चल रहा था। औजार के भार और धारदार हिस्से से ख का कंधा, पीठ और पांव पर चोटें आई। ख ने क के खिलाफ हुई क्षति की भरपाई के लिए वाद दाखिल किया। दोनों पक्षों की ओर से दाखिल अभिवचनों के संबंध में निम्न कथनों में से कौन सा कथन कम से कम सही-सही है?

(1) वाद पत्र में ख की ओर से भुगते नुकसान तथा दावे वाली नुकसान की राशि के विवरण को सम्मिलित करना जरुरी है ।
(2) वाद पत्र में औजार के वजन तथा तीक्ष्णता और तरीका जिससे ख को चोटें आई, उनके विवरण को सम्मिलित करना जरुरी है।
(3) वाद पत्र में इस तथ्य को सम्मिलित करना जरुरी कि औजार क के हाथ से फिसल गया और नीचे गली में चल रहे ख पर गिरा।
(4) वाद पत्र में चिकित्सक के इस प्रतिवेदन को सम्मिलित करने की जरुरत नहीं है कि कैसे औज़ार के हरेक भांग से ख चोटों से ग्रसित हुआ।

Ans. [2]

62. स्कूल ए का नियम है कि छात्रों के पालतू कुत्तों को स्कूल परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। छात्र बी, जो अंधा है, अपने मार्गदर्शक कुत्ते सी को स्कूल ए में लाता है। निम्नलिखित में से कौन सा कथन नीचे दिए गए सिद्धांत का सबसे सटीक अनुप्रयोग है?

(1) चूंकि छात्र ख नैत्रहीन है, वह विद्यालये आने में समर्थ नहीं होगा यदि वह अपने पथ प्रदर्शक को विद्यालय क के अन्दर नहीं ला सकता; चूंकि इस नियम का मंतव्य नैत्रहीन छात्रों को विद्यालय में आने से वर्जित करने का नहीं, छात्र ख पथ प्रदर्शक कुत्ते ग को विद्यालय के अन्दर ला सकेगा
(2) चूंकि कुत्ता ग पालतू कुत्ता उस संदर्भ में, छात्र ख पथ प्रदर्शक कुत्ते ग को क विद्यालय में नहीं ला सकता ।
(3) चूंकि यह नियम इस संदर्भ में कोई अर्थ नहीं बनाता, यह विधि मान्य नहीं, और छात्र ख पथ प्रदर्शक कुत्ते ख को विद्यालय क के अन्दर ला सकता है।
(4) चूंकि छात्र ख नेत्रहीन है, वह विद्यालय आने में समर्थ नहीं हो पाएगा, यदि वह अपने पथ प्रदर्शक कुत्ते ग को विद्यालय क में नहीं ला सकता, तथापि, संदर्भ नियम के अनुसार छात्र ख को नियम के संदर्भ की ओर देखना चाहिए तथा कुत्ते ग को विद्यालय लाने को टालना चाहिए जैसा कि वह अन्य विद्यार्थियों को आहत कर सकता था ।

Ans. [1]

95. ख ने क को ख के स्वामित्व वाली बस के परिचालक के तौर पर नियोजित किया। एक दिन क ने बस को लापरवाही से चलाया और सड़क- पर अनेक लोगों को घायल कर दिया। नीचे वाले सिद्धांत पर निम्न कथनों में कौन सा कथन सर्वाधिक सही-सही प्रयुक्त होता है।

(1) क की लापरवाही के लिए ख जिम्मेवार है, और पीड़ितों को मुआवजे का भुगतान करने के लिए जिम्मेवार है।
(2) क की लापरवाही के लिए क तथा ख दोनों जिम्मेवार हैं।
(3) क की लापरवाही के लिए केवल क जिम्मेवार है, जैसा कि ख ने निर्देश नहीं किया था कि क को कार्य कैसे किया जाना था।
(4) क की लापरवाही के लिए ख जिम्मेवार नहीं है, जैसा कि क जब बस चालन कर रहा था, वह नियोजन के क्रम में नहीं था।

Ans. [4]

96. क ने ख को ग के मिथ्या कारावास के लिए उकसाया। न्यायालय ने क तथा ख दोनों संयुक्त रूप से दुष्कृत्य के लिए जिम्मेवार ठहराया और ग को रुपए 50,000/- के मुआवजे का अभिनिर्णय किया। न्यायालय आगे व्यवस्था दी कि क मुआवजे की राशि के चालीस प्रतिशत के लिए जिम्मेवार, और ख मुआवजे की राशि के साठ प्रतिशत के लिए जिम्मेवार है । क ने मुआवजे के भुगतान से मना कर दिया, जबकि ख ने रुपए 20,000/- का भुगतान किया। निम्न कथनों में से कौन सा कथन नीचे वाले सिद्धांत पर कम सही प्रयुक्त होता है । "

(1) ग रुपए 30,000 /- का दावा क से कर सकता है।
(2) ग रुपए 20,000 / - क से तथा रुपए 10,000 / - ख से दावा कर सकता है।
(3) ग रुपए 30,000/- से ज्यादा का दावा ख से कर सकता है।
(4) ग रुपए 50,000/- का दावा क से कर सकता है।

Ans. [4]

Examination – IV [2012]

86. प्रतिनिधित्व दायित्व के अधीन, दायित्व है

(1) संयुक्त
(2) पृथक-पृथक
(3) (1) एवं (2) दोनों
(4) उपरोक्त में से कोई जो मामले के तथ्यों और हालात पर निर्भर

Ans. [3]

87. अपकृत्य में, मानहानि की स्थिति में

(1) मानहानि का इरादा जरूरी नहीं
(2) मानहानि का इरादा जरूरी
(3) (1) एवं (2) दोनों
(4) या तो (1) अथवा (2) दोनों।

Ans. [1]

Examination – V [2013]

80. अभिदायी लापरवाही आशय है

(1) व्यक्ति का या तो स्वयं या अपनी संपति की सुरक्षा के लिए वाजिब सतर्क रहने की नाकामी
(2) अन्यों की लापरवाही के लिए स्वैच्छिक भुगतान
(3) अन्यों की गलती के लिए धन का या धनीय मूल्य का अंशदान
(4) अन्यों को सिविल गलती के लिए भड़काना ।

Ans. [1]

84. जहां उद्यम जोखिम पूर्ण या अंतर्निहित खतरनाक गतिविधि में नियोजित है तथा उस जोखिम पूर्ण या अंतर्निहित खतरनाक गतिविधि के कारण किसी को आघात का नतीजा होता है, उदाहरण के लिए जहरीली गैस से बचाव में, उद्यम सख्तीपूर्वक तथा पूर्णतया उन सभी की क्षतिपूर्ति के लिए जिम्मेवार है जो दुर्घटना से प्रभावित हुए हैं और ऐसी जिम्मेवारी किसी ऐसे अपवाद के विषय से नहीं है जो सख्त जिम्मेवारी के .... सिद्धांत के मुकाबले में संचालित है- प्रकरण में अभिधारित

(1) फ्रांसिस कारोली बनाम राज्य
(2) श्रीराम फूड एवं फर्टिलाइजर प्रकरण
(3) पी. यू.सी.एल. बनाम भारत संघ
(4) पंजाब राज्य बनाम महिन्द्र सिंह चावला

Ans. [2]

86. अपकृत्य सिविल गलत है जिसके लिए निदान अपरिनिर्धारित नुकसान के लिए कार्रवाई है और जो संविदा के भंग या विश्वास के मंग या मात्र समकक्ष दायित्व के अन्य के मंग से बाहर का नहीं है। यह किसका कथन है ?

(1) विनफील्ड (2) सेलमण्ड
(3) पोलोक (4) ग्रिफिथ

Ans. [2]

Examination – VI [2014]

85. अपकृत्य विधि में क्षतियों का प्रकार प्रदत्त है

(1) परिनिर्धारित नुकसानी

(2) अपरिनिर्धारित नुकसानी
(3) दांडिक नुकसानी
(4) उदाहरणी नुकसानी

Ans. [2]

86. एशबी बनाम व्हाइट इसका उदाहरण है
(1) डेमनम साइन इंजुरिया (2) उबेररेमीफाईड
(3) इंजुरिया साइन डेमनम (4) भोगफल

Ans. [3]

87. सर्वोच्च न्यायालय ने खतरनाक तथा अंतिर्निहित विषाक्त रसायन का व्यवसाय चलाने वाले उपक्रम पर पूर्ण दायित्व के सिद्धांत का आह्वान इसमें किया"
(1) गंगा प्रदूषण प्रकरण (2) फ्लेचर प्रकरण
(3) श्री राम फर्टिलाइजर्स प्रकरण (4) प्रभु दयाल प्रकरण

Ans. [3]

88. स्वयं प्रमाण का अर्थ है
(1) घटना स्वयं बोलती है
(2) दशमांश जोखिम
(3) प्रतिनिधिक दायित्व
(4) खतरनाक जानवार

Ans. [1]

Examination – VII [2014]

12. चिकित्सा पेशवर की विश्वसनीयता और चिकित्सालयों की ओर से प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सेवाओं की अभिवृति में गफणात्मक परिवर्तन की की जरूरत पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से निम्न मे से इस मामले पर जोर दिया गया था
(1) भाटिया इंटरनेशनल बनाम बल्क ट्रेडिंग एस. ए.
(2) इंडियन मेडिकल एसोसिएशन बनाम वी. पी. शांता एवं अन्य
(3) मेनका गांधी बनाम भारत संघ
(4) लखनऊ विकास प्राधिकरण बनाम एम. के. गुप्ता

Ans. [2]

65. ग्लूश्टर शायर ग्रामर स्कूल प्रकरण यह स्पष्ट करने का मुख्य मामला है-
(1) ऐच्छिक कार्य दृष्कृति नहीं है (2) क्षति दुष्कृति नहीं है
(3) बिना क्षति के हानि (4) बिना हानि के क्षति

Ans. [3]

68. फुलर / हार्ट वाद-विवाद को संक्षिप्त किया जा सकता था उनके बीच वाद-विवाद जैसा न्यायशास्त्रीय अभिगम / स्थितियां
(1) सापेक्षवाद एवं उपभोगवाद
(2) नैसर्गिक विधि एवं सापेक्ष वाद
(3) सापेक्षवाद एवं उदारवाद
(4) मार्क्सवाद एवं उदार स्त्रैण वाद

Ans. [2]

Examination – VIII [2015]

10. सिविल साजिश के सिद्धांत का प्रतिपादन हाउस ऑफ लार्डस की ओर से इसमें किया गया ।
(1) वाल्सबाई बनाम एन ली
(2) मोगुल स्टीमशिप कंपनी बनाम मेक, ग्रेगोर गो व एंड कंपनी
(3) एलियन बनाम फ्लूड
(4) क्विन बनाम लीथेम

Ans. [4]

88. पिजन होल सिद्धांत किसके प्रस्तावित किया गया था -
(1) विनफील्ड (2) सेलमंड
(3) ब्लेक स्टोन (4) लॉड नाइट

Ans. [2]

96. "हड़ताल की अवैधता ही अनुचितता नहीं होता है" न्यायाधीश कृष्ण अय्यर ऐसा किस मामले में घोषित किया गया -
(1) चंद्रमलाई संपदा बनाम उसके श्रमिक
(2) एसोसिएटेड सीमेंट लिमिटेड बनाम उसके श्रमिक
(3) गुजरात स्टील ट्यूब्स बनाम गुजरात स्टील ट्यूब्स मजदूर सभा
(4) इंडियन जनरल नेविगेशन ऑफ रेलवे कंपनी लिमिटेड बनाम उसके श्रमिक

Ans. [3]

99. अपकृत्य में गतिविधियों की दो व्यापक श्रेणियां है जिनके लिए वादी सख्त रूप से जिम्मेवार अभिधारित हो सकेगा –
(1) पशु विशेष का कब्जा तथा असामान्य खतरनाक गतिविधियां
(2) हमला और प्रहार
(3) प्रहार और लापरवाही
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Examination – IX [2016]

40. साल्मन्ड के अनुसार हर कानूनी अधिकार
(1) एक व्यक्ति में स्थित नहीं किया जा सकता।
(2) उस व्यक्ति के खिलाफ काम आता है जिसके उपर आपसी कर्तव्य पूरा करने का दायित्व है।
(3) एक हकदार व्यक्ति के पक्ष में उस व्यक्ति को मजबूर नहीं कर सकता जो किसी अधिनियम या चूक करने के लिये बंधा हो।
(4) का एक शीर्षक नहीं हो सकता।

Ans. [2]

79. लापरवाही अपकृत्य का अनिवार्य अंग है
(1) जब कोई कर्मचारी, दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का कार्य करता है
(2) जब कर्मचारी कर्तव्य का उल्लंघन करता है और
(3) दूसरा पक्ष, इस व्यक्ति के इन क्रियाकलापों के के चलते क्षति उठाता है
निम्न में से सही जवाब चुनें
(1) इनमें से कोई भी आवश्यक तत्व नहीं हैं
(2) केवल प्रथम अनिवार्य अंग है
(3) उपरोक्त सभी आवश्यक तत्व हैं
(4) यदि प्रथम अनुपस्थित है फिर भी लापरवाही का अपकृत्य घटित हुआ है।

Ans. [3]

80. प्रत्यधिकृत दायित्वों में शामिल है
(1) उसके प्रतिनिधि के अपकृत्य के लिए प्रमुख का दायित्व है
(2) नौकर के अपकृत्य के लिए मालिक का दायित्व है
(3) एक दूसरे के अपकृत्यों के लिए भागीदारों का दायित्व है
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	No. of Questions	Total No. of Ques.	Weightage
AIBE 3rd (2012)	-	-	-
AIBE 4th (2012)	-	-	-
AIBE 5th (2013)	-	-	-
AIBE 6th (2014)	-	-	-
AIBE 7th (2014)	18, 88, 86, 87, 89	5	5%
AIBE 8th (2015)	58, 59, 62, 65, 68	5	5%
AIBE 9th (2016)	2, 23, 61, 62, 63, 78	6	6%

Examination – VII [2014]

18. SFIO इसके लिए विद्यमान है-
(1) गंभीर कपट अन्वेषण कार्यालय
(2) गंभीर प्रारूप अन्वेषण कार्यालय
(3) गंभीर बल अन्वेषण कार्यालय
(4) गंभीर मिसल अन्वेषण कार्यालय

Ans. [1]

88. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 43 व्यवहृत है-
(1) दांडिक जिम्मेवारी (2) सिविल जिम्मेवारी
(3) उपरोक्त दोनों (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

89. निम्न में से कौन भारत में आंगुलिक हस्ताक्षर प्रमाणीकरण प्राधिकारी है?
(1) मैसर्स सेफ स्क्रिप्ट
(2) मैसर्स एन सी ई आर टी ई
(3) मैसर्स एम टी एल
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [1]

86. "जहाँ निर्गमित सुरक्षा वृतियों के निकाय समुचित क्रियान्वयन में लापरवाह है उस वजह से गलत नुकसान या किसी व्यक्ति को फायदा होता है तो वह निकाय प्रभावित व्यक्ति को क्षतिपूर्ति के तरीके से नुकसान का भुगतान करने का जिम्मेवार होगा।" सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2008 की कौन सी धारा से यह विचारित है ?
(1) धारा 43
(2) धारा 43-क
(3) धारा 43 – ख
(4) धारा 43-ग

Ans. [2]

87. सूचना प्रौद्योगिक अधिनियम, 2000 की धारा 3 जिसके मूल "औद्योगिक हस्ताक्षर " का पुनः नाम ……… के रूप अधिनियम, 2008 में सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन में किया गया था
(1) "आंगुलिक हस्ताक्षर एवं इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर "
(2) "आंगुलिक हस्ताक्षर एवं ई-हस्ताक्षर"
(3) "आंगुलिक एवं इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर "
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Examination – VIII [2015]

58. साइबर अपराध वर्म आक्रमण के लिए संदर्भ से -
(1) विषाणु को संबद्ध करने की जरूरत
(2) विषाणु को संलगन करने की जरूरत नहीं
(3) होस्ट को संलगन करने की जरूरत
(4) होस्ट को संलगन करने की जरूरत नहीं ।

Ans. [4]

59. इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज और इलेक्ट्रॉनिक संचार के अन्य माध्यमों, जिन्हें आमतौर पर "इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स" कहा जाता है, के माध्यम से किए गए लेनदेन के लिए कानूनी मान्यता प्रदान करने वाला अधिनियम इस प्रकार है-
(1) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,
(2) सूचना एवं सचार प्रौद्योगिकी अधिनियम
(3) सूचना संचार अधिनियम
(4) सूचना एवं साइबर स्पेस अधिनियम

Ans. [1]

62. संवेदनशील सूचना अवाप्त करने के लिए कोशिश जैसे उपयोग कर्ता नाम, कूट शब्द और साख पत्र विवरण (और कभी-कभार परोक्ष रूप से, धन) विश्वस्त हस्ती की तरह इलेक्ट्रॉनिक संचार में छल-कपट करना कहलाता है-
(1) सलामी हमला (2) लोगों को ठगना
(3) आंकड़ा समय बर्बादी (4) कूटरचना

Ans. [2]

65. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत "सममित कूट प्रणाली" का अर्थ एक सुरक्षित कुंजी जोड़ी की एक प्रणाली है जिसमे डिजिटल हस्ताक्षर बनाने के लिए निजी कुंजी शामिल है
(1) एक व्यक्तिगत कुंजी डिजिटल हस्ताक्षर का सत्यापन करने के लिए
(2) डिजिटल हस्ताक्षर का सत्यापन बंद करने के लिए
(3) डिजिटल हस्ताक्षर का सत्यापन करने के लिए सार्वजनिक कुंजी
(4) डिजिटल हस्ताक्षर का सत्यापन करने के लिए सरकारी कुंजी

Ans. [3]

68. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 43-क के किस से सम्बंधित है
(1) डेटा की सुरक्षा में विफलता पर मुआवजे के लिए
(2) आक्रामक संदेश भेजने पर दंड के लिए
(3) चोरी की शिनाख्त के लिए
(4) प्रति रूपण के लिए

Ans. [1]

Examination – IX [2016]

2. गंभीर धोखाधड़ी अन्वेषण कार्यालय
(1) स्वत: संज्ञान लेकर मामलों पर कार्रवाई करता है
(2) संबंधित व्यक्तियों द्वारा किए गए आवेदन के आधार पर अन्वेषण के लिए कार्रवाई करता है
(3) केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रस्तावित किए गए मामलों में अन्वेषण संबंधी कार्रवाई करता है
(4) उपरोक्त सभी।

Ans. [4]

23. भारत में निम्नलिखित में से वेबसाइटों को ब्लॉक करने की शक्ति किसका प्राधिकार है?
(1) सीईआरटी-इन (2) एमसीआईआईपीसी
(3) सी-डैक (4) सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

Ans. [4]

61. भारत में प्रमाणन प्राधिकरणों के नियंत्रक को किनके प्रकटीकरण रिकॉर्ड का विवरण (डेटाबेस) बनाए रखना चाहिए "
A. प्रमाणन प्राधिकारी
B. क्रॉस प्रमाणन प्राधिकरण
C. विदेशी प्रमाणन प्राधिकरण
(1) A और B
(2) B और C
(3) C और A
(4) A, B और C

Ans. [4]

62. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 37 के तहत, प्रमाणन प्राधिकरण डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र निलंबित कर सकते हैं, यदि-
A. ग्राहक कदाचार का दोषी पाया जाता है
B. ग्राहक साइबर आतंकवाद में शामिल है।
C. इन्हीं के लिए ग्राहक अनुरोध करता है

D. लोक के हित में

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) D और A

Ans. [3]

63. साइबर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष मामलों में, अपीलार्थी

(1) एक कानूनी पेशेवर के बिना व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकता

(2) किसी कानूनी पेशेवर को स्वयं की ओर से उपस्थित होने के लिए अधिकृत नहीं कर सकता

(3) अपने अधिकारी को स्वयं की ओर से उपस्थित होने के लिए अधिकृत नहीं कर सकता

(4) किसी रिश्तेदार को, जो न तो कानूनी पेशेवर है और न ही उसका अधिकारी है, को स्वयं की ओर से उपस्थित होने के लिए अधिकृत नहीं कर सकता।

Ans. [4]

78. निम्नलिखित में से कौन सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 14 और 15 के तहत सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्रथा जारी करने के लिए अधिकृत है?

(1) केन्द्रीय सरकार

(2) राज्य सरकार

(3) प्रमाणन अधिकारी

(4) जारी करने वाले प्राधिकारी

Ans. [1]

JUDICIARY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Live + Recorded Course
Complete Syllabus Coverage
Mock Test Series | SubjectWise Practice Set | Recorded Lectures | Practice & Revision Sessions | Expert Mentorship (Tansukh Sir) | Bilingual Classes
Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)
Scan this QR
ENROL NOW
ADVOCACY GUIDANCE PROGRAM (JGP)
Validity - 03 Months
Complete Syllabus Coverage
Civil Court Practice | Criminal Court Practice | Cyber Law Practice | Dual Mode Learning | Legal Personality Development | Structured 3 Volumes
is available at Linking App.
Scan this QR
ENROL NOW

कंपनी विधि

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	No. of Questions	Total No. of Ques.	Weightage
AIBE 3rd (2012)	82,88,90,92	4	4%
AIBE 4th (2012)	58,62,63	3	3%
AIBE 5th (2013)	26,30,32,31,85	5	5%
AIBE 6th (2014)	59,60,61,62	4	4%
AIBE 7th (2014)	3,6,67	3	3%
AIBE 8th (2015)	25,32,36,44,52	5	5%
AIBE 9th (2016)	15,17,31,34,96	5	5%

Examination – III [2012]

82. क कार्यकारी निदेशक तथा य र ल प्राइवेट लिमिटेड का सर्वाधिक शेयर धारक है। क ने ख ग घ बैंक से रुपए 25,00,000/- का कर्ज लिया और उसका निवेश य र ल प्राइवेट लिमिटेड के अतिरिक्त शेयरों में किया, क का दांव अनुमानतः पचहतर प्रतिशत य र ल प्राइवेट लिमिटेड में बढा । क के ख ग घ बैंक को पुनः भुगतान करने मे मे असमर्थ रहने से ख ग घ बैंक ने क की संपदा के खिलाफ तथा क की ओर से उधार लिए गए धन की वसूली के लिए य र ल प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध कार्यवाही की। नीचे के सिद्धांत पर निम्न कथनों में से कौन सा कथन सर्वाधिक सही-सही प्रयुक्त है?

(1) ख ग घ बैंक य र ल प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध अपनी कार्यवाही में सफल रहेगा क्योंकि क की ओर से उधार लिए गए धन का उपयोग य र ल प्राइवेट लिमिटेड के फायदे के लिए किया गया था।

(2) ख ग घ बैंक य र ल प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध अपनी कार्यवाही में सफल नहीं हो पाएगा जेसा कि य र ल प्राइवेट लिमिटेड ने ख ग घ बैंक से प्रत्यक्ष रुप से धन उधार नहीं लिया।

(3) ख ग घ बैंक य र ल प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध अपनी कार्यवाही में सफल रहेगा क्योंकि निर्गम नकाब न्यायपालिका की ओर से उठा लिया जाएगा, जैसा कि य र ल प्राइवेट लिमिटेड का क कार्यकारी निदेशक है।

(4) ख ग घ बैंक य र ल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्यवाही में सफल रहेगा क्योकि निर्गम नकाब न्यायपालिका की ओर से उठा लिया जाएगा, मगर वह केवल क के पचहतर प्रतिशत शेयर धारक के समकक्ष धन को ही वसूल कर सकता है।

(5) ख ग घ बैंक य र ल प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध अपनी कार्यवाही में सफल नहीं हो पाएगा जैसा कि क के पास य र ल प्राइवेट लिमिटेड में शत प्रतिशत हिस्सेदारी नहीं है।

Ans. [2]

88. क ख ग प्राइवेट लिमिटेड की संस्था अंतनियमावली प्रावधान करती है कि उसके सदस्य अपने अंशों का अंतरण तीसरे पक्ष को केवल पहले के उन अंशों को दूसरे विद्यमान सदस्यों को पेश करने के बाद उन अंशों की विद्यमान बाजार कीमत पर आनुपातिक आधार पर करेंगे। क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के सदस्य घ ने ड़ से जो क ख ग प्राइवेट लिमिटेड का विद्यमान सदस्य नहीं है, प्रस्ताव पाया कि उसकी ओर से धारित क ख ग के सभी अंश अंशों की दो गुना बाजार दर पर खरीदता है। घ ने ड को अंशों का अंतरण ड़ की ओर से किए प्रस्ताव के निबंधन पर किया। क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल ने अंशों के अंतरण को दर्ज करने से मना इस आधार पर कर दिया कि अंतरण क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्नियमों के अधिकारातीत है। डः न्यायालय में क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध अंशों के अंतरण को दर्ज करने के प्रवर्तन के लिए पहुंचा। नीचे के सिद्धांत पर निम्न कथनों में से कौन सा कथन सर्वाधिक सटीकता से लागू होता है।

(1) अंशों के अंतरण को अभिपुष्ट किया जाएगा क्योंकि ड़ ने अंशों के बाजार मूल्य से अधिक का भुगतान किया है और इसलिए संस्था की अंतर्नियमावली की आवश्यकता से मुक्त है।

(2) अंशों के अंतरण को अभिपुष्ट किया जाएगा क्योंकि घ ने क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल का पूर्व अनुमोदन ड़ को अंशों के अंतरण का प्राप्त कर लिया था, और इसलिए ड़ चूक पर नहीं है।

(3) अंशों का अंतरण विधि मान्य नहीं होगा क्योंकि विक्रेता सावधानी का सिद्धांत भारत में खरीदने के सभी अनुबंधों पर प्रयुक्तनीय है।

(4) अंशों के अंतरण को अभिपुष्ट किया जाएगा क्योंकि क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के पास अंशों के विक्रय की संगम सूचना होना माना जाएगा।

(5) अंशों का अंतरण विधि मान्य नहीं होगा, जैसा कि ड़ के पास संगम सूचना थी कि घ को ड़ को अंशों का अंतरण करने से पहले क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के मौजूदा सदस्यों को अंशों का प्रस्ताव करने की आवश्यकता थी ।

Ans. [5]

90. क कंपनी ने अपना व्यवसाय विस्तृत किया है तथा भूखंडों का तीन वर्ष के लिए पट्टा किया है, और पट्टादाता को कोई सुधार किए बिना भूमि लौटाने की सहमति की है। चूंकि भूमि कृषि के लिए आदर्श है, उसने विशाल संचयन छप्पर का भूमि पर निर्माण कराया। नीचे के सिद्धांत पर निम्न कथनों में से कौन सा कथन सर्वाधिक सही प्रयुक्त होता है । "

(1) संचयन छप्पर के निर्माण करने पर हुआ व्यय पूंजीगत व्यय है, चूंकि संचयन छप्पर क कंपनी का स्थायी लाभ का प्रावधान करता है।

(2) भूमि पट्टाकरण पर व्यय पूंजीगत व्यय है, चूंकि भूमि क कंपनी को स्थायी लाभ का प्रावधान करता है ।

(3) भूमि पट्टा करण पर व्यय संचयन छप्पर की तरह से ही पूंजीगत व्यय है, जैसा कि वह क कंपनी को स्थायी लाभ का प्रावधान करता है ।

(4) संचयन छप्पर के निर्माण पर व्यय पूंजीगत व्यय नहीं है, जैसा कि वह केवल व्यवसाय लाभ का प्रावधान करता है, स्थायी लाभ का नहीं।

(5) संचयन छप्पर के निर्माण पर व्यय पूंजीगत व्यय है, चूंकि वह क कंपनी को स्थायी लाभ का प्रावधान करता है, मगर पट्टाकरण भूमि पर व्यय पूंजीगत व्यय नहीं, जैसा कि वह केवल व्यवसाय लाभ का प्रावधान करता है ।

Ans. [4]

92. क ख ग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक में यह प्रस्ताव किया गया कि घ ड च आर्ट सप्लाइज प्राइवेट लिमिटेड उसकी सभी सामग्री का एकल आपूर्तिकर्त्ता होगी। इस प्रस्ताव को सभी निदेशकों ने सर्वसम्मति से पारित किया। बाद में यह उद्घाटित हुआ कि, क ख ग प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक छ घड़ च आर्ट सप्लाइज प्राइवेट लिमिटेड का सर्वाधिक शेयर धारक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी है। प्रस्ताव अपास्त करना चाहा गया था। नीचे के सिद्धांत पर निम्न कथनों में से कौनसा कथन सर्वाधिक सही लागू होता है?

(1) प्रस्ताव अपास्त नहीं होगा जैसा कि घड च आर्ट सप्लाइज पृथक विधि सम्मत हस्ती अपने अंशधारकों तथा निदेशकों से है, और इसलिए उसे छ की ओर से किए गए कृत्य के लिए दंडित नहीं किया जा सकता।

(2) प्रस्ताव अपास्त नहीं होगा, जैसा कि धड़ छ आर्ट सप्लाइज प्राइवेट लिमिटेड में छ का अपने हित को जाहिर न करना दंडनीय नहीं है।

(3) प्रस्ताव अपास्त होगा, जैसा कि छ ने उस सतर्कता और तत्परता के कर्त्तव्यं का प्रदर्शन नहीं किया जो कि कंपनी के निदेशक की ओर से किया जाना वांछित है।

(4) प्रस्ताव अपास्त होगा, जैसा कि धड़ च आर्ट सप्लाइज प्राइवेट लिमिटेड का छ सर्वाधिक अंश धारक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी है, और उसे क ख ग मंडल के समक्ष इसकी घोषणा प्रस्ताव पर मतदान से पूर्व करना और उस प्रस्ताव विशेष पर मतदान से बचना आवश्यक था।

(5) प्रस्ताव अपास्त नहीं होगा, जैसा कि प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ था और इसी तरह पारित भी हो जाएगा भले ही यदि छ ने मंडल को घड़ च आर्ट सप्लाइज प्राइवेट लिमिटेड में छ के हित की सूचना की है।

Ans. [4]

Examination – IV [2012]

62. शेयरों की मुक्त हस्तांतरणीयता इसमें अनिवार्य है-

(1) सूचीबद्ध कंपनी
(2) शेयरो से सीमित कंपनी
(3) सार्वजनिक सीमित कंपनी
(4) विदेशी कंपनी

Ans. [3]

63. वैधानिक बैठक करने में विफलता के ऊपर चूककर्ता कंपनी पर जुर्माना होगा-

(1) चूक का प्रतिदिन रूपए 500
(2) बंद करना

(3) चूक का प्रतिदिन रूपए 1000
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [1]

Examination – V [2013]

26. कंपनी अधिनियम की धारा 171 के अधीन कम से कम इस दिवस की लिखित सूचना देते हुए कंपनी की साधारण सभा बुलाई जा सकेगी"
(1) 21 दिन
(3) 40 दिन
(2) 30 दिन
(4) 14 दिन

Ans. [1]

30. राष्ट्रीय हित में कंपनियों के समामेलन के बारे में बताया गया है -
(1) कंपनी अधिनियम की धारा 388
(2) कंपनी अधिनियम की धारा 378
(3) कंपनी अधिनियम की धारा 396
(4) कंपनी अधिनियम की धारा 390

Ans. [3]

31. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अधीन, जिला न्यायालय की अधिकारिता इतने रुपयों से अधिक नहीं होनी चाहिए?
(1) पचास हजार
(2) एक लाख
(3) पच्चीस हजार
(4) बीस लाख

Ans. [4]

32. निजी सीमित कंपनी के सदस्यों की संख्या सीमा है?
(1) 30 (3) 40
(2) 50 (4) 150

Ans. [2]

85. कंपनी की व्यापार गतिविधियों को व्यापार मंदी के दृष्टिगत अस्थायी रुप से इस इरादे के साथ रोका गया कि हालात में जब सुधार हो जाए तब उसे पुनः शुरु किया जाए। अधिकरण में याचिका कंपनी को बंद करने के लिए प्रस्तुत की गई। याचिका -
(1) खारिज किए जाने लायक है
(2) कामयाब रहेगी
(3) हालात सुधरने तक विचाराधीन रखी जाएगी
(4) स्वीकार नहीं की जाएगी

Ans. [1]

Examination – VI [2014]

59. निम्नलिखित में से कौन सा सामान्य बैठक के स्वत: स्थगन के लिए कंपनी अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त आधार है
(1) सभा के अध्यक्ष की अनुपस्थिति
(2) सभा की गण संख्या की उपस्थिति नहीं
(3) सूचना में विहित से अलग स्थान पर सभा आयोजित होना
(4) सभा से पूर्व किसी निदेशक का निधन होना

Ans. [2]

60. निम्न में से किस बैठक को सदस्यों की ओर से बुलाया जा सकता है
(1) असाधारण सामान्य बैठक
(2) वार्षिक साधारण सभा
(3) वैधानिक सभा
(4) विशेष सभा

Ans. [1]

61. बैठक किए बिना निदेशकों की ओर से निम्न में से कौन सी शक्तियों का उपयोग किया जा सकता है"
(1) ऋण पत्र जारी करने की शक्ति
(2) कंपनी की निधियों का निवेश करने की शक्ति
(3) ऋण करने की शक्ति
(4) अतिरिक्त निदेशक नियुक्त करने की शक्ति

Ans. [4]

62. कंपनी को अनिवार्य रूप से बंद करने का निम्न में से कौनसा आधार नहीं है
(1) अल्पसंख्यकों का दमन
(2) आधार की क्षति
(3) वार्षिक साधारण सभा आयोजित नहीं करना
(4) कंपनी को नुकसान

Ans. [3]

Examination – VII [2014]

3. कंपनी अधिनियम, 2013 से निजी कंपनी में सदस्यों की संख्या सीमा 50 से बढ़ा कर की गई है
(1) 100 (2) 200
(3) 300 (4) 150

Ans. [2]

6. कंपनी अधिनियम, 2013 का कौन सा प्रावधान बोनस शेयर के बारे में उसके मुक्त आरक्षित या प्रतिभूतियां अधिमूल्य लेखा या पूंजी प्रतिदान आरक्षित लेखा के परे विचार-विमर्श करता है जो शर्ते विशेष के विषय का है, जैसे नियम के जरिए प्राधिकृत साधारण सभा में?
(1) धारा 36
(2) धारा 43
(3) धारा 63
(4) धारा 33

Ans. [3]

67. कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन किसी कंपनी की सकल संपति रुपए 500 करोड़ या ज्यादा है अथवा व्यवसाय रुपए 1,000 करोड़ या अधिक का है अथवा शुद्ध लाभ रुपए 5 करोड़ या ज्यादा का है तो अनिवार्य रूप से .... उसे का व्यय अपने शुद्ध लाभ का प्रतिवित्त वर्ष निगमन सामाजिक दायित्व की गतिविधियों पर करना चाहिए।
(1) 3% /तीन प्रतिशत
(2) 5% /पांच प्रतिशत
(3) 10% /दस प्रतिशत
(4) 2% / दो प्रतिशत

Ans. [4]

Examination – VIII [2015]

25. निगमित समाजिक उत्तरदायित्व से संबंधित प्रावधान कंपनी अधिनियम, 2013 में इस धारा से निर्गमित है -
(1) धारा 101 (2) धारा 111
(3) धारा 135 (4) धारा 235

Ans. [3]

32. .... कंपनी अधिनियम, 2013 की प्रवर्तको स्रोतों के बारे में सीएफओ के नाम एवं पत्तों की विवरणिका का उजागर करना वांछित करती है जिनका अन्य चीजों में योगदान है।
(1) धारा 36 (2) धारा 37

(3) धारा 26 (4) धारा 38

Ans. [3]

36. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 253 इससे सौदा है-

(1) रूग्णता का निर्धारण
(2) निदेशकों की जिम्मेवारी
(3) प्रवर्तक
(4) ज्ञापन

Ans. [1]

44. कंपनी अधिनियम, 2013 इसके गठन की अनुमति दें |

(1) दो व्यक्तियों की कंपनी केवल
(2) सात व्यक्तियों की कंपनी केवल
(3) दो या अधिक व्यक्तियों की कंपनी केवल
(4) एक व्यक्ति की कंपनी भी

Ans. [4]

52. कंपनी अधिनियम 1956 केवल लेखाकरण मानदंड को मान्यता देता है जबकि कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 2(7) के अधीन मान्यता लेखाकरण तथा मानदंड दोनों को मान्यता है।

(1) वितीयन (2) लेखा परीक्षण
(3) व्यवसाय (4) उतरदायित्व

Ans. [2]

Examination – IX [2016]

15. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के उदेश्य से किसी विदेशी कंपनी की निवल संपत्ति की गणना कैसे की जाती है?

(1) कंपनी के शुद्ध मूल्य का हिसाब कंपनीयों के अधिनियम 2013 की धारा 198 के अनुसार लगाया जाता है।
(2) यह हिसाब कंपनियों के अधिनियम 2013 की धारा 197 के अनुसार लगाया जाएगा।
(3) यह हिसाब कंपनियों के अधिनियम 2013 की धारा 197 और धारा 381 के अनुसार लगाया जाएगा।
(4) यह हिसाब कंपनियों के अधिनियम 2013 धारा 198 और धारा 381 के अनुसार लगाया जाएगा।

Ans. [4]

17. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 4(5) एक पंजीयक द्वारा कौन सी कार्रवाई की जा सकती -

(1) वह कंपनी को एक साधारण प्रस्ताव पारित होने के बाद, 6 महीने की अवधि के भीतर अपना नाम बदलने के लिए निर्देशित कर सकता है
(2) वह कंपनी का नाम, कंपनी रजिस्ट्रार से काटने की कार्रवाई कर सकता है
(3) स्वयं के समझौते पर कंपनी को बंद करने का आदेश दे सकता है,
(4) इन सभी के निर्देश दे सकता है

Ans. [4]

31. निम्नलिखित में से कौन शेल्फ प्रोस्पेक्टस के संबंध में को जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है

(1) सेबी
(2) केन्द्रीय सरकार
(3) कंपनी लॉ बोर्ड विनियमन
(4) राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण

Ans. [1]

34. एक लेखा परीक्षक जो कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत नियुक्त किया गया हो, निम्नलिखित सेवाओं में से कौन सी सेवा कंपनी को प्रदान नहीं कर सकता हैं

(1) आंतरिक लेख परीक्षा
(2) बीमांकिक सेवाए
(3) प्रबंधकीय सेवा
(4) उपरोक्त सभी।

Ans. [4]

96. चे दी गयी कंपनियों में से कौन सी कंपनी को कंपनियों के अधिनियम, 2013 के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी की समिति का गठन करना होगा?"

(1) एक कंपनी जिसके एक वित्तीय वर्ष का शुद्ध लाभ 2.5 करोड़ रूपये का शुद्ध मूल्य 300 करोड़ रूपये का और कारोबार 800 करोड़ रूपये का हो।
(2) एक कंपनी जिसके एक वित्तीय वर्ष का शुद्ध लाभ 3 करोड़ रूपये का शुद्ध मूल्य 300 करोड़ रूपये का और कारोबार 600 करोड़ रूपये का हो।
(3) एक कंपनी जिसके एक वित्तीय वर्ष का शुद्ध लाभ 5 करोड़ रूपये से ज्यादा, शुद्ध मूल्य 500 करोड़ रूपये और कारोबार 1000 करोड़ रूपये से ज्यादा हो।
(4) एक कंपनी जिसके एक वित्तीय वर्ष का शुद्ध लाभ 5 करोड़ रूपये से ज्यादा, शुद्ध मूल्य 500 करोड़ रूपये और कारोबार 5000 करोड़ रूपये से ज्यादा हो।

Ans. [3]

श्रम एवं औद्योगिक विधि

Exam- Wise Weightage Analysis

AIBE Previous Papers (3rd - 9th) Linking Weightage Analysis			
AIBE (Year)	**No. of Questions**	**Total No. of Ques.**	**Weightage**
AIBE 3rd (2012)	93,94	2	2%
AIBE 4th (2012)	75,77,79,80,81,97	6	6%
AIBE 5th (2013)	9,12,18,88,98,100	6	6%
AIBE 6th (2014)	76,77,78,79,80,81	6	6%
AIBE 7th (2014)	56,58,59,61	4	4%
AIBE 8th (2015)	23,94	2	2%
AIBE 9th (2016)	25,26,39,47,48,67	6	6%

Examination – III [2012]

93. क विधि महाविद्यालय में लेखाकार है और वेतन पाता है । क महाविद्यालय के निदेशक मंडल में भी अशैक्षणिक वर्ग के प्रतिनिधि के रुप में है और संचालक मंडल के समक्ष किसी भी प्रशासनिक विचार-विमर्श पर मत करता है। नीचे के सिद्धांत पर निम्न कथनों में से कौनसा कथन सर्वाधिक सही रूप में लागू होता है।

(1) क मजदूर है जैसा कि वह स्पष्ट रुप से अधीक्षणीय स्वरुप का कार्य संचालक मंडल के सदस्य के रूप में करता है।
(2) क मजदूर है जैसा कि उसका प्राथमिक कर्त्तव्य लेखाकार के रुप में है जो स्वरुप में लिपिकीय है और वह किराए के लिए कार्य करता है।
(3) क मजदूर नहीं है जैसा कि वह वेतनभोगी कर्मचारी है और किराए या पारितोषिक पर कार्य नहीं करता है ।
(4) क मजदूर नहीं है जैसा कि वह संचालक मंडल का सदस्य है और स्वरुप में उसका कार्य प्रबंधकीय है।

Ans. [2]

94. क मजदूर है और फैक्ट्री में झलाईगिरी कार्यशाला में कार्य करता है । क को पुरानी आंख की गड़बड़ी है । इससे जागरुक होने की बजाय वह झलाईगिरी कार्यशाला में निरंतर कार्य करता है। कार्य की अत्यंत प्रवृत्ति से क की आंख पर और जोर पड़ा नतीजतन एक दिन क की आंख में स्थायी घाव हो गया। क्या क मुआवजे का हकदार है और क्यों?

(1) क के नियोक्ता से मुआवजे के लिए क हकदार है, क्योंकि क नियोजन के क्रम में चोट से ग्रसित हुआ है और क की लापरवाही का प्रश्न अप्रासंगिक है।
(2) क मुआवजे का हकदार है क के नियोक्ता से मगर मुआवजे की मात्रा नाम मात्र की होगी क की लापरवाही के कारण।
(3) क के नियोक्ता से मुआवजे का क हकदार नहीं है क्योंकि क का आंखों की चोट से ग्रसित होना क के पूर्व आंख की गड़बड़ी के कारण निश्चत रुप से अपेक्षित होता था ।
(4) क के नियोक्ता से मुआवजे का क हकदार नहीं है क्योंकि क आंखों की चोट से ग्रसित पूर्व की आंख की गड़बड़ी से हुआ है और क के नियोक्ता के कारण नहीं ।

Ans. [1]

Examination – IV [2012]

75. श्रम संगठन अधिनियम इनके लिए प्रावधान करता है:

(1) श्रम संगठनों का पंजीकरण
(2) श्रमिकों के लिए श्रम संगठनों का पंजीकरण
(3) श्रम संगठन के पंजीकरण की न्यायिक व्यक्ति की तरह मान्यता
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [1]

77. औद्योगिक विवाद अधिनियम के अधीन शब्दावली "ताला बंदी" इसमें परिभाषित है :

(1) धारा 2 (L) (2) धारा 2 (O)
(3) धारा 3 (L) (4) धारा 2 (M)

Ans. [1]

79. श्रम संगठन अधिनियम का अधिनियमन हुआ था

(1) 1926 (2) 1946
(3) 1947 (4) 1988

Ans. [1]

80. औद्योगिक विवाद अधिनियम के इसके अधीन शब्दावली "कामबंदी" परिभाषित है

(1) धारा 2 (kkk) (2) धारा 2 (0)
(3) धारा 2(1) (4) धारा 3 (1)

Ans. [1]

81. शब्दावली "न्यूनतम वेतन" का विवरण इसमें किया गया है:

(1) श्रम संगठन अधिनियम (2) औद्योगिक विवाद अधिनियम
(3) न्यूनतम वेतन अधिनियम (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [3]

Examination – V [2013]

9. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अधीन मजदूर की श्रेणी के अंतर्गत शिक्षक मजदूर में नहीं आता । यह इस मामले में अभिधारित किया गया था -

(1) कुमारी ए. सुंदरम वल बनाम गोवा, दमण, दीव सरकार एवं अन्य
(2) अहमदाबाद प्राइवेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन बनाम प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य
(3) दिल्ली विश्व विद्यालय बनाम रामनाथ
(4) सचिव, मद्रास जिमखाना कर्मचारी संघ बनाम जिमखाना प्रबंधन

Ans. [3]

12. व्यापार संघ अधिनियम, 1926 के अधीन मालिक विनियामक परिकल्पित है -

(1) व्यापार संघ का विनियामक
(2) व्यापार संघ का निरीक्षक
(3) व्यापार संघ का पंजीयक
(4) औद्योगिक संबंध समिति

Ans. [3]

18. कर्मचारी मुआवजा अधिनियम के अधीन परिकल्पित विकलांगता का वह प्रकार जो किसी रोजगार में काम करने के की क्षमता को कम कर देता है, जैसे की दुर्घटना के समय कर्मचारी कर रहा था, को संदर्भित किया जाता है-

(1) स्थायी आंशिक विकलांगता
(2) स्थायी सकल विकलांगता
(3) अस्थायी विकलांगता
(4) अस्थायी सकल विकलांगता

Ans. [1]

88. "संविदा श्रम अधिनियम का उल्लंघन संविदा श्रमिक तथा प्रधान प्रतिष्ठान के बीच नियोजन संबंधता नहीं निर्मित कर पाएगा।" ऐसा इस प्रकरण में अभिधारित में अभिधारित किया गया

(1) सेल बनाम नेशनल यूनियन वाटर फ्रंट वर्कर्स
(2) एयर इंडिया स्टेटयूरी कारपोरेशन्स यूनाइटेड लेबर यूनियन एवं अन्य
(3) बंगलोर वाटर सप्लाई एवं सिवरेज बोर्ड बनाम राजप्पा
(4) उत्तरप्रदेश राज्य बनाम जय वीर सिंह

Ans. [1]

98. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के इस प्रावधान के अधीन श्रमिकों के अधिकार की प्रत्याभूति कामबंदी के लिए क्षतिपूर्ति के दावे की है।

(1) धारा 25-0 (2) धारा 26
(3) धारा 25-C (4) धारा 25-M

Ans. [3]

100. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अधीन भुगतान योग्य अंशदान कर्मचारी के संबंध में संयोजित होगा

(1) केवल नियोक्ता की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
(2) केवल कर्मचारी की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
(3) केवल सरकार की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
(4) नियोक्ता और कर्मचारी की ओर से भुगतान योग्य अंशदान ।

Ans. [4]

Examination – VI [2014]

76. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत प्रावधान जो नौकरी से निकाले गए श्रमिकों को मुआवजे का दावा करने के अधिकार की गारंटी देता है

(1) धारा 25- ग (2) धारा 26
(3) धारा 25-ण (4) धारा 25-45

Ans. [1]

77. श्रम संगठन गठन के लिए व्यक्तियों की वांछित संख्या-

(1) 6 (2) 7
(3) 8 (4) 9

Ans. [2]

78. कार्यस्थल का अस्थाई बंद करना अथवा कार्यस्थल पर कार्य का निलंबन नियोक्ता की ओर से करना इस रूप में जाना जाता है

(1) कामबंदी (2) तालाबंदी
(3) छंटनी (4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

79. निम्न अधिनियमों में से कौन सा परिवेदना संभालने की वृति है? "

(1) औद्योगिक विवाद अधिनियम
(2) फैक्ट्री अधिनियम
(3) औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम
(4) उपरोक्त सभी

Ans. [4]

80. औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 10क संदर्भ करती है

(1) विवादों को मध्यस्थता के लिए स्वैच्छिक संदर्भ
(2) श्रमिकों की परिभाषा
(3) उद्योग की परिभाषा
(4) अपीलें

Ans. [1]

81. श्रमिक क्षतिपूर्ति अधिनियम के अंतर्गत 'वेतन'

(1) किसी उस विशेषाधिकार अथवा लाभ को सम्मिलित करता है जो धन में आंकलित रूप में समर्थ है
(2) किसी उस विशेषाधिकार अथवा लाभ को सम्मिलित नहीं करता है जो धन में आंकलित के रूप में समर्थ है
(3) किसी उस विशेषाधिकार अथवा लाभ को सम्मिलित करता है जो धन में आंकलित के रूप में समर्थ नहीं है.
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

Examination – VII [2014]

56. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना मुख्यतया इनकी जरूरते पूरी करने के तात्पर्य से है-

(1) संगठित श्रमिक
(2) असंगठित श्रमिक
(3) गरीबी की सीमा रेखा से नीचे की श्रेणी से संबंधित असंगठित क्षेत्र श्रमिक एवं उनके परिवार के सदस्य
(4) गरीबी की सीमा रेखा से नीचे की श्रेणी से संबंधित संगठित क्षेत्र श्रमिक एवं उनके परिवार के सदस्य

Ans. [3]

58. इस बिन्दु पर प्रमुख प्रकरण था कि चाहे तो क्या नियोक्ता को उस अवधि के वेतन को एक तरफा तथा बिना जांच किए कटौती करने का अधिकार है जिसमें कर्मचारी हड़ताल पर रहे या धीमी गति से काम किया -

(1) बैंक ऑफ इंडिया बनाम टी. एस केलावाला एवं अन्य
(2) रणधीरसिंह बनाम भारत संघ
(3) कमानी मेटल्स एंड एलोय लिमिटेड बनाम उसके श्रमिक
(4) श्रमिक बनाम रेपटाकोस ब्रेट एंड कम्पनी लिमिटेड

Ans. [1]

59. जहाँ किसी श्रमिक को नियोक्ता की ओर से उसके खिलाफ दुराचरण की शिकायत का आरोप के अन्दर अन्वेषण या जांच के लंबित होने से किया जाता है, वहाँ नियोक्ता गुजारा भत्ते का भुगतान करेगा। यह प्रावधान औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनिमय, 1946 में इस वर्ष समाविष्ट किया गया।

(1) 1992 (2) 1982
(3) 2009 (4) 2010

Ans. [2]

Examination – VIII [2015]

23. निम्न में से कौन सा निर्गमन सामाजिक उत्तरदायित्व है।

(1) कर्मचारी लाभ
(2) परियोजना आधारित संरक्षण राष्ट्रीय विरासत का
(3) भारत से बाहर कार्यक्रम हाथ में लेना
(4) दान मात्र।

Ans. [2]

94. उस मामले की पहचान करें जो ट्रेड यूनियनों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देने और सरक्षण की आवश्कता से संबंधित है।

(1) जय इंजीनियरिंग वर्कस लिमिटेड बनाम पश्चिम बंगाल राज्य
(2) रेलवे यूनियन बनाम श्रम संगठन पंजीयन
(3) ओ एन जी सी वर्कमेनंस एसोसिएशन बनाम पश्चिम बंगाल राज्य
(4) हनुमंताराव बनाम उपपंजीयन श्रम संगठन

Ans. [4]

Examination – IX [2016]

25. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के तहत निम्न में से किसे छंटनी माना जा सकता है ?

(1) खराब स्वास्थ्य के कारण नौकरी से बर्खास्तगी
(2) किसी कर्मचारी द्वारा नौकरी का परित्याग
(3) सेवानिवृत्ति की उम्र तक पहुँचने के कारण सेवा समाप्ति
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. [4]

26. बाल श्रम (निषेध एवं नियमन) अधिनियम, 1986 की धारा 14 (3) के प्रावधानों के तहत कारावास के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है

(1) इसे एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है
(2) इसे दो वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है
(3) इसे छह महीने के लिए बढ़ाया जा सकता
(4) इसे एक महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है

Ans. [4]

39. ये प्रावधान ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 के प्रावधानों के तहत पंजीकृत ट्रेड यूनियनों पर लागू नहीं होते हैं

(1) सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1912
(2) कंपनी अधिनियम, 1956
(3) दोनों (1) और (2)
(4) न तो (1) और न ही (2)

Ans. [3]

47. औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के प्रावधानों के तहत, उपयुक्त सरकार लिखित में आदेश के माध्यम से

(1) विवाद के निपटारे को बढ़ावा देने के लिए विवाद को एक बोर्ड को सौंप दें।

(2) विवाद के लिए सुसंगतहोने वाले किसी मुद्दे को जांच के लिए किसी न्यायलय को सौंप दे

(3) दोनों (1) और (2)

(4) न तो (1) और न ही (2)

Ans. [3]

48. निम्नलिखित में से कौन सा कथन श्रमिक में प्रबंधन द्वारा विश्वास की हानि के संबंध में सच है ?

(1) जब बर्खास्तगी या हटाया जाना गलत तरीके से होना पाया जाए और फिर भी न्यायलय बहाली का आदेश जारी न करे, यदि नियोक्ता यह स्थापित करने में सक्षम है कि कर्मचारी विश्वास के पद पर कार्य कर रहा था और अब कर्मचारी पर विश्वास खो दिया है

(2) विश्वास की कमी भी कर्मकार को कार्यमुक्त करने का आधार हो सकता है

(3) दोनों (1) और (2)

(4) न तो (1) और न ही (2)

Ans. [3]

67. कर्मचारी संगठन अधिनियम, 1926 के प्रावधानों के तहत किसी भी व्यक्ति ने, जिसने वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, एक पंजीकृत कर्मचारी संगठन का सदस्य हो सकता है बशर्ते का कोई नियम इसके कर्मचारी संगठन विपरीत न हो

(1) 14 वर्ष

(2) 15 वर्ष

(3) 18 वर्ष

(4) 21 वर्ष

Ans. [2]

Scan QR
for
Landmark Judgments
(Year wise & Subject wise)

ALL-IN-ONE
PAPERATHON
©
For Preliminary, Mains & Interview
Covered more than 15 States' Judiciary Exams. Available in English and Hindi Edition

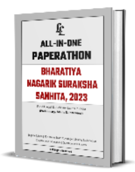

English Edition

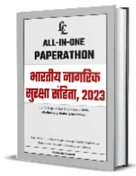

Hindi Edition

Scan this QR
Order Now or visit
www.LinkingLaws.com

E-Study Material for Judiciary and Law Exams
is available at **Linking App.**

Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)

Scan this QR
Order Now or visit
www.LinkingLaws.com

Civil Major Laws | Civil Minor Laws
Criminal Major Laws | Criminal Minor Laws
Family Laws | Uncodified Law

www.LinkingLaws.com

Linking Support
988 774 6465 (Classes)
773 774 6465 (Publication)

-: NOTE :-

AIBE 22 Guidance Program 2026
Recorded Course | Validity 06 Months
Recorded Lectures
E-Access of Study Material
Diagrammatic Way of Making Notes
Four Kind of Test Practice Session
Linking Laws is available on below platform
Download on the App Store | GET IT ON Google Play | Download for Windows | Mac App Apple Chip | Mac App Intel Chip